जय तेलंगाना!
जय जय तेलंगाना!

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 250 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.2 2080 बुधवार, 29 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जय तेलंगाना!
जय जय तेलंगाना!

## नीतीश-लालू बनेंगे 'मोहम्मद', बिहार में एकेडमिक कैलेंडर पर बवाल, बीजेपी ने खोला मोर्चा

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के एकेडमिक कैलेंडर पर बवाल मच गया है। इस कैलेंडर में रामनवमी और रक्षाबंधन की छुट्टी नहीं दी गई है लेकिन ईद-बकरीद पर अवकाश को बढ़ा दिया गया है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और अश्वनी चौबे समेत बीजेपी के कई अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीजेपी ने इसे मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि जिस तरह से लालू यादव और नीतीश सरकार हिंदुओं पर हमला कर रही है। भविष्य में उन्हें मोहम्मद नीतीश और मोहम्मद लालू के नाम से जाना जाएगा। वहीं, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने भी नीतीश-तेजस्वी की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कल देर रात नितीश सरकार ने हिन्दू विरोधी मानसिकता और हिन्दुओं को आघात करने वाला एक निर्णय लिया है। सुशील मोदी ने कहा कि हिन्दू के जितने पर्व त्यौहार है उनको रद्द कर दिया गया है। दिवाली छठ की पूजा में भारी कटौती हुई है। चुन चुन कर हिन्दू के सभी पर्व को रद्द कर मुस्लिम के पर्व को बढ़ा दिया गया है। यह हिन्दू विरोधी मानसिकता का परिचायक है। बिहार के लोग चुप नहीं रहेंगे सड़कों पर आएंगे।

# डीएमके सांसद ने लिट्टे प्रमुख प्रभाकरण की तारीफ के बाद

## माफी मांगने की भी कही बात, बिफरी कांग्रेस ने कहा- ये स्वीकार्य नहीं

चेन्नई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना चुनाव की सरगर्मी के बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद थमिझाची थंगापांडियन के एक वीडियो ने अपनी पार्टी के साथ-साथ कांग्रेस की भी परेशानी बढ़ा दी है। इसमें वह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) प्रमुख वी प्रभाकरन की प्रशंसा करती दिख रहीं हैं। हालांकि कांग्रेस ने इसकी आलोचना की है और इससे किनारा किया है। कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, प्रभाकरन की प्रशंसा करना ठीक नहीं है। 17 तमिलों के साथ राजीव गांधी की नृशंस हत्या पर पर्दा डालना स्वीकार्य नहीं है। प्रभाकरन, वीरप्पन, तमिल राष्ट्रवाद व हिंदुत्व राष्ट्रवाद की तरह ही हाशिए पर है।"

**कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष ने भी किया विरोध**

वहीं, राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मोहन कुमारमंगलम ने मुल्लीवाइकल घटना पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि लिट्टे ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया है और वे नागरिकों के जीवन का बलिदान देने को तैयार है। इसके बाद मोहन ने थंगापांडियन के बयान की आलोचना करते हुए कहा आप इसके लिए माफ़ी मांगना चाहते हैं? मैं भारतीय संसद के एक सदस्य को यह कहते हुए सुनकर हैरान हूं।

**क्या कहा सांसद थंगापांडियन ने**

दरअसल, डीएमके सांसद थंगापांडियन के एक इंटरव्यू से जुड़ा 12 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में थंगापांडियन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) प्रमुख वी प्रभाकरन की प्रशंसा करती दिख रहीं हैं। थंगापांडियन ने यह इंटरव्यू की एक क्लिप में जब उनसे पूछा गया कि वह किस ऐतिहासिक शख्सियत के साथ भोजन करना चाहेंगी और वह उस व्यक्ति से क्या पूछेंगी? इस सवाल के जवाब में थंगापांडियन ने प्रभाकरन का नाम लेते हुए कहा कि वह उनसे मुल्लीवाइकल त्रासदी के लिए माफी भी मांगेंगी और प्रभाकरण से भी माफ करने के लिए कहेंगी। बता दें कि मई 2009 में श्रीलंकाई सेना ने द्वीप में तीन दशक के खूनी युद्ध को समाप्त करते हुए लिट्टे का सफाया कर दिया था और मुल्लीवाइकल में हजारों तमिल नागरिक को भी मौत के घाट उतार दिया था।

## खुशबू सुंदर के चेरी कमेंट पर कांग्रेस का प्रदर्शन

### भाजपा नेता के आवास के बाहर सुरक्षा तेज

चेन्नई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता खुशबू सुंदर के चेरी कमेंट को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता उनके आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर द्रमुक (डीएमके) नेता के एक पोस्ट पर खुशबू सुंदर ने प्रतिक्रिया दी थी, जिसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। द्रमुक नेता के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए खुशबू सुंदर ने कहा, 'माफ कीजिएगा, मैं आपकी 'चेरी भाषा' नहीं बोल सकती।' उनके इस बयान के बाद लोग भड़क गए और उन्होंने भाजपा नेता के आवास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन को देखते हुए खुशबू सुंदर के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भाजपा नेता खुशबू सुंदर के आवास के पास चेन्नई संथोम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा नेता के पोस्टर पर लात घूसे भी चलाए। उसपर मिट्टी लगाकर पोस्टर को गंदा भी किया। इस प्रदर्शन के बीच पुलिस ने कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

## सुप्रीम कोर्ट से सेंथिल बालाजी को नहीं मिली राहत

# मेडिकल जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए गए डीएमके मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

**मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुनवाई**

बालाजी मेडिकल आधार पर जमानत की मांग कर रहे थे। शीर्ष अदालत, मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 19 अक्टूबर को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस याचिका में कहा गया था कि अगर उन्हें जमानत दी गई, तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

**स्वास्थ्य स्थिति में कुछ गंभीर नहीं**

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की शीर्ष अदालत की पीठ ने स्वास्थ्य रिपोर्टों पर गौर करने के बाद कहा कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति में कुछ भी गंभीर नहीं है। साथ ही, बालाजी को नियमित जमानत लेने के लिए ट्रायल कोर्ट से संपर्क करने की छूट दी।

**वकील ने वापस ली याचिका**

पीठ ने कहा, गुण-दोष के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ अंतरिम आदेश में की गई कोई भी टिप्पणी याचिकाकर्ता के नियमित जमानत आवेदन दाखिल करने के रास्ते में नहीं आएगी। जैसे ही पीठ ने मामले पर विचार न करने की इच्छा व्यक्त की, मंत्री के वकील ने याचिका वापस ले ली और मामले को वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया गया।

**शीर्ष अदालत ने दिया तर्क**

शीर्ष अदालत ने पहले बालाजी को अपनी मेडिकल रिपोर्ट रिकॉर्ड में पेश करने का निर्देश दिया था। जमानत याचिका खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि बालाजी की स्वास्थ्य रिपोर्ट से ऐसा नहीं लगता कि यह कोई चिकित्सीय स्थिति है, जिसका ध्यान तभी रखा जा सकता है, जब उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। मालूम हो कि बालाजी को 14 जून को ईडी ने नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, जब वह पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक शासन के दौरान परिवहन मंत्री थे।

## बाघ की दहाड़ सुन खड़े हो गए रोंगटे, मदमस्त चाल से चलता हुआ दिखाई दिया

उमरिया, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया में प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र है। जहां दूर-दूर से सैलानी और फोटोग्राफर यहां वाइल्ड लाइफ की सेंचुरी को घूमने के लिए आते हैं। जहां वीडियो तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है। जहां बाघ अपने आप में मस्त दिखाई दे रहा है। वहीं, अपने मदमस्त चाल से चलता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं, दहाड़ने की आवाज लोगों को अपना दीवाना बना रही है। दरअसल, मिली जानकारी के अनुसार यह फोटो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर चेतन घरपूरे ने खींची है। साथ ही उनका एक सोशल मीडिया में वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, जो आज खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में साफ तौर पर दिखा सकता है कि घास में बाघ बैठा हुआ है। वहीं, उठने से पहले वह अपनी दहाड़ लगा रहा है। साथ ही साथ वह मदमस्त चाल से चलता हुआ दिखाई दे रहा है, जो फोटो और वीडियो आज खूबसूरती बटोर रही है।

# एक मां को कोर्ट ने सुनाई 'इतनी बड़ी सजा'

## जज साहब ने कहा- दया की पात्र नहीं हो, किस पाप का मिला ऐसा दंड?

तिरुवनंतपुरम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक महिला को अपने लिव-इन पार्टनर को अपनी बेटी जो उस समय सात साल की थी, के साथ बलात्कार करने में मदद करने का दोषी ठहराया गया है। इस कृत्य के लिए उसे 40 साल और 6 महीने के कठोर कारावास और 20,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। तिरुवनंतपुरम स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दोषी को "मातृत्व के लिए अपमानजनक" माना और अधिकतम सजा देने को उचित ठहराते हुए कहा कि वह किसी भी दया की पात्र नहीं है। अदालत ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं चुकाएगी तो छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष रूप से, ऐसे मामले जहां माताओं को पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा) के मामलों में कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ता है, बहुत दुर्लभ हैं। यह घटना मार्च 2018 और सितंबर 2019 के बीच हुई, जिस दौरान दोषी महिला अपने मानसिक रूप से बीमार पति से अलग होकर अपने पुरुष मित्र शिशुपाल के साथ रह रही थी, जो मामले का मुख्य आरोपी है। महिला की छोटी बेटी, जो उस समय 7 साल की थी, भी उनके साथ रहती थी। अदालत ने पाया कि शिशुपाल ने बच्ची के साथ बलात्कार किया, जिससे उसके निजी अंगों पर चोटें आईं। चौंकाने वाली बात यह है कि 2018 और 2019 के दौरान शिशुपाल ने महिला की मिलीभगत से लड़की का कई बार यौन उत्पीड़न किया। आरोपी ने पीड़िता की 11 वर्षीय सौतेली बहन का भी यौन उत्पीड़न किया। बच्चियों को चुप रहने की धमकी दी गई।

उन्होंने घटनाओं का खुलासा करने से तब तक परहेज किया जब तक वे अपनी दादी के घर भाग नहीं गए। खुलासे से घबराई दादी ने बच्चों को बाल गृह में स्थानांतरित कर दिया, जहां उन्होंने काउंसलिंग के दौरान घटनाओं का खुलासा किया। महिला के एक अन्य प्रेमी ने भी बच्चे का यौन उत्पीड़न किया और इस मामले में एक अलग मामला चल रहा है। शिशुपाल की मृत्यु आत्महत्या से हुई और इसलिए केवल मां को दोषी ठहराया गया। मामले में 22 गवाहों से पूछताछ की गई और 32 दस्तावेज जमा किए गए।

## लॉकअप मौत मामला कर्नाटक में तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर

कोलार, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले में लॉकअप में मौत के मामले में एक पुलिस उप-निरीक्षक (पीएसआई) सहित तीन पुलिस अधिकारियों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मामले में डिप्टी एसपी नंदकुमार की एक रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की गई। एफआईआर पीएसआई प्रदीप सिंह और पुलिस कांस्टेबल मंजूनाथ और महंतेश पूजार के खिलाफ दर्ज की गई है, जो मुलबागल के नंगली पुलिस स्टेशन से जुड़े हैं। आरोपी अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले निवासी मुनिराजू और बालाजी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पुलिस ने बताया कि मुनिराजू और बालाजी को 17 सितंबर को पुलिस स्टेशन लाया गया था। 1 अक्टूबर को मुनिराजू की एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। जांच से पता चला कि पीड़ित मुनिराजू को उसकी मौत से पहले पूछताछ के लिए 15 दिनों तक विभिन्न स्थानों पर रखा गया। उनकी मौत की जांच से पता चला कि अधिकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बताए बिना जांच कर रहे थे।

## कर्नाटक के डिप्टी सीएम को मिली इजाजत अब विदेश जा सकेंगे डीके शिवकुमार

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को विदेश यात्रा करने की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल के इस फैसले के बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी शिवकुमार 29 नवंबर से 3 दिसंबर तक दुबई में रह सकते हैं और वहां होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। दिल्ली की अदालत का यह फैसला शिवकुमार के आवेदन के जवाब में आया है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी शिवकुमार ने अदालत के सामने याचिका दायर कर विदेश जाने की इजाजत मांगी थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि डॉ। सुल्तान अहमद अल जाबेर और माइकल आर ब्लूमबर्ग की ओर से दुबई में सीओपी28 यानी जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण मिला है। उसमे शामिल होने की इजाजत दी जाए। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का हवाला देते हुए डी शिवकुमार को विदेश जाने की इजाजत दी है। कर्नाटक में आठ बार के विधायक और मौजूदा उपमुख्यमंत्री के रूप में शिवकुमार की व्यापक राजनीतिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए न्यायाधीश ने माना कि उनके भारत से भागने की संभावना नहीं है। दिल्ली की अदालत ने शिवकुमार पर यात्रा से पहले 5 लाख रुपये की सावधि जमा रसीद (एफडीआर) जमा करने, संपर्क विवरण के साथ संपूर्ण यात्रा कार्यक्रम प्रदान करने और यात्रा के दौरान सह-अभियुक्तों से संपर्क करने या गवाहों को प्रभावित करने से परहेज करने सहित कई शर्तें लगाईं।

## उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर संजय राउत ने किया पलटवार

# कहा- 'पुरुष या महापुरुष कौन है यह विश्व तय करता है'

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना नेता संजय राउत ने आज सरकार पर जमकर निशाना साधा। सबसे पहले तो उन्होंने स्पीकर राहुल नर्वेकर पर निशाना साधते हुए कहा कि आप वहां बैठे हैं, इसलिए यह सरकार नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि आप एक असंवैधानिक सरकार की रक्षा कर रहे हैं, नहीं तो यह सरकार कब की गिर जाती। आप के संरक्षण में यह गैर कानूनी सरकार चल रही है। स्पीकर साहब को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि बातें कम करो, पॉलिटिकल बातें कम करो।

**स्पीकर पर निशाना**

आगे उन्होंने कहा कि आप जिस चेयर पर बैठे हो वह संविधानिक चेयर है। आप उसके ऊपर बैठकर गैरकानूनी सरकार की वकालत नहीं कर सकते। आप जैसे व्यक्ति वहां बैठे हैं, जिसने अपने स्वार्थ के लिए खुद 10 बार पार्टी बदल ली है, उससे हम क्या उम्मीद कर सकते हैं। अगर कोई संविधान मानने वाला व्यक्ति वहां बैठा होता तो अब तक यह सरकार चली जाती। सरकार कब गिरेगी इसका भविष्य हमें पता है, लेकिन जब तक आप जैसे लोग संविधानिक पद पर बैठे हैं, तब तक यह सरकार रहेगी।

**जगदीप धनखड़ के बयान पर पलटवार**

वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के एक बयान पर जिसमें उन्होंने पीएम मोदी की तुलना महात्मा गांधी से कर दी और पीएम मोदी को इस सदी का युगपुरुष बताया था। इस पर संजय राउत ने कहा कि 2024 के बाद आप यह बात कायम रखना कि कौन पुरुष, कौन युगपुरुष और कौन महापुरुष है, यह हम नहीं तय करते। यह इतिहास तय करता है, सदियां तय करती हैं, विश्व की जनता तय करती है। महात्मा गांधी को विश्व ने माना था कि वह पुरुष हैं या महापुरुष हैं। सत्ता में बैठे हुए लोग पुरुष हैं या महापुरुष इसकी बात छोड़ दीजिए। उन्होंने कहा कि अगर यह लोग पुरुष होते तो जम्मू कश्मीर में हमारे जवानों की हत्या नहीं होती और लद्दाख में चीन नहीं घुसता। उन्होंने कहा कि बहुत सी बातें मैं बोल सकता हूं। प्रधानमंत्री जी का हम आदर करते हैं, हम उस पद का आदर करते हैं और करते रहेंगे। पुरुष और महापुरुष हम नहीं तय करते। महात्मा गांधी को जो महापुरुष बनाया है वह विश्व ने बनाया है।

**सीएम और डिप्टी सीएम पर बरसे राउत**

वहीं सीएम शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस द्वारा तेलंगाना में चुनाव प्रचार करने को लेकर पूछे गए सवाल पर संजय राउत जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि इन्हें प्रचार करने दो, तेलंगाना में बीजेपी नहीं जीतेगी। तेलंगाना में जो लड़ाई चल रही है, वह कांग्रेस और केसीआर के बीच है। बीजेपी वहां कंपटीशन में ही नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि इनको महाराष्ट्र में क्या काम है, राज्य में कल से जो बारिश और ओले गिर रहे हैं उससे पूरे राज्य का नुकसान हो रहा है। किसान रो रहा है और यह महाशय तेलंगाना में प्रचार के लिए जा रहे हैं। यह तो इस राज्य के ऊपर मुसीबत है।

## मुंबई में अग्निवीर युवती ने किया सुसाइड

### नौसेना के आईएनएस हमला पर कर रही थी ट्रेनिंग

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई में नौसेना की ट्रेनी अग्निवीर युवती की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि नौसेना में ट्रेनिंग ले रही 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मुंबई पुलिस के हवाले से बताया कि मृतका की पहचान अपर्णा नायर के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब अपर्णा भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस हमला में ट्रेनिंग ले रही थी। इसी दौरान उसने सुसाइड कर लिया।

**डॉक्टरों ने युवती को किया मृत घोषित**

वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद युवती की मेडिकल जांच के लिए डॉक्टरों को बुलाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि सुसाइड करने के दौरान ही उसकी मौत हो गई थी। मुंबई की मालवानी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**क्या है अग्निवीर योजना?**

बता दें कि अग्निवीर योजना की घोषणा 14 जून 2022 को की गई थी। इस योजना के तहत युवाओं की सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं थल सेना, जल सेना और वायु सेना में भर्ती की जाती है। इस योजना के तहत सेना में शामिल होने वाले जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। अग्निवीर योजना के तहत सैनिक चार साल तक सेवा करते हैं। जिसमें छह महीने तक ट्रेनिंग और साढ़े तीन साल की तैनाती शामिल है।

# 'बच्चे स्कूल में क्या पढ़ें, तय करना सरकार का काम'

## शिक्षा से जुड़ी याचिका पर सीजेआई की टिप्पणी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई में कहा है कि बच्चों को स्कूलों में क्या पढ़ाया जाना चाहिए और क्या नहीं, इस बात का निर्देश हम नहीं दे सकते। कोर्ट ने कहा है कि इस विषय पर सरकार को विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। कोर्ट ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा देने की मांग करने वाली एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बातें कही है। कोर्ट ने कहा कि बेहतर होगा याचिकाकर्ता अपनी मांग का ज्ञापन सरकार को दें। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह मांग की थी कि हाल के समय में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को हृदय रोग संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए। आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के जरिए मरीज की सहायता कैसे की जाए, इसकी भी मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने कहा कि बच्चे क्या पढ़ें, यह हम तय नहीं कर सकते। हाल के समय में कई ऐसी खबरें सामने आई हैं जहां बच्चे हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं। इसी साल पिछले सितंबर माह में लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र की अचानक मौत हो गई थी। उस छात्र की मौत को भी हार्ट अटैक से मौत माना गया था। इसी तरह अक्टूबर के महीने में राजस्थान के बीकानेर में एक मासूम की देखते ही देखते तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। इस तरह के कई और मामले देखे गए हैं। सीपीआर का फुल फॉर्म है- कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन। यह इलाज की एक पद्धति है जो कि दिल के दौरे या दिल की अन्य बीमारियों से जुड़ी गंभीर आपातकालीन स्थितियों में जीवनरक्षक उपचार के तौर पर मान्य है। इस प्रक्रिया के जरिये कार्डिएक अरेस्ट की स्थिति में मौके पर तत्काल उपचार किया जाता है। इस प्रक्रिया से फेफड़ों में ऑक्सीजन प्रदान किया जाता है। सीपीआर से ब्लड सर्कुलेशन में मदद मिलती है। इस विधि का अच्छी तरह से उपयोग करने पर मरीज की जान खतरे से बाहर आ जाती है। सीपीआर दिल की धड़कन रुकने से छह मिनट के भीतर ही करना होता है, लिहाजा बकायदा इसकी ट्रेनिंग की जरूरत होती है। इसमें विशेष सावधानी की दरकार होती है। यह सावधानी प्रशिक्षण से सीखी जा सकती है।

# दिल्ली की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी डॉक्टर को दी बड़ी राहत, महिला की मंशा पर उठाए सवाल, दिए ये आदेश

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी एक डॉक्टर को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। अदालत ने अपने फैसले में बताया है कि सारे सबूत बताते हैं कि आरोपी और कथित पीड़िता के बीच सहमति से यौन संबंध बना था। अदालत ने निष्पक्ष जांच की कथित कमी के लिए जांच अधिकारी आईओ की आलोचना की और एक उच्च अधिकारी को जांच के तरीके की जांच करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि दुष्कर्म और अप्राकृतिक यौनाचार के आरोपों का समर्थन करने वाला कोई औषधीय-कानूनी मामला नहीं है। उन्होंने शिकायतकर्ता के पूर्ववृत्त में विसंगतियों पर भी ध्यान दिया। साथ ही विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ समान आरोपों के साथ पूर्व एफआईआर का खुलासा करने और गहन जांच की जरूरत पर जोर दिया।

**शिकायतकर्ता की मंशा पर उठाए सवाल**

अदालत ने कथित दुष्कर्म के बारे में पुलिस को तुरंत सूचित करने के बजाय मध्यस्थता की मांग करने के शिकायतकर्ता के विकल्प पर सवाल उठाया। इसमें कहा गया कि शिकायतकर्ता ने जांच के लिए अपना फोन उपलब्ध नहीं कराया, जांच में शामिल नहीं हुई और आईओ को अपना वर्तमान पता नहीं बताया।

**निजी मुचलके पर जमानत**

अदालत ने इस मामले में ये भी कहा कि अपराध की गंभीर प्रकृति के बावजूद, अदालत ने आरोपी की जांच पूरी पाई और प्रक्रिया की निष्पक्षता के बारे में चिंता जताई। इसने आरोपी को एक जमानतदार के साथ 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। कार्यवाही के दौरान आरोपी के वकील ने दावा किया कि डॉक्टर को शिकायतकर्ता द्वारा चलाए जा रहे हनी ट्रैप रैकेट में शामिल किया गया था। अदालत ने डॉक्टर की शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने के लिए आईओ की आलोचना की और जांच के संचालन की जांच के लिए पुलिस उपायुक्त को जांच का आदेश दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 250 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.2 2080 बुधवार, 29 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

# मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट जन्मतिथि साबित करता है तो डीएनए टेस्ट जरूरी नहीं : एचसी

प्रयागराज, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि किसी स्कूल से जारी मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट को जन्मतिथि निर्धारित करने के लिए पर्याप्त कानूनी प्रमाण माना जाता है। कोर्ट ने कहा कि जहां ऐसा सर्टिफिकेट गलत साबित नहीं हुआ, वहां डीएनए टेस्ट जरूरी नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने अपर्णा अजिंक्य फिरोदिया के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हवाले से दिया है। कोर्ट ने कहा कि जैसा कि अपर्णा अजिंक्य फ़िरोदिया में कहा गया है कि डीएनए टेस्ट का आदेश नियमित तरीके से नहीं किया जा सकता है।

इसे केवल असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है, जब संबंधित व्यक्ति के माता-पिता का निर्धारण करने के लिए कोई अन्य कानूनी आधार नहीं है। इस मामले में ऐसा दस्तावेज है, जिसे जन्मतिथि के निर्धारण के लिए पर्याप्त कानूनी प्रमाण माना जाता है, यानी मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट इसलिए डीएनए टेस्ट के लिए आदेश करने की कोई स्थिति नहीं है। मामले के तथ्यों के अनुसार याकूब के नाम विवादित जमीन थी। उसके तीन बेटे शकील, जमील व फुरकान हैं। बड़े बेटे शकील ने याची मोबिन के साथ शादी की थी। उसकी मृत्यु हो गई। याची ने कहा कि विवाह से एक बेटी का जन्म हुआ है। विपक्षियों ने आरोप लगाया कि शकील की मृत्यु के बाद याची की दूसरी शादी से बेटी का जन्म हुआ। यह आरोप भी लगाया गया कि याची ने अपने जीवनकाल के दौरान शकील की देखभाल नहीं की इसलिए उसने अपने दो भाइयों के पक्ष में वसीयत की।

याचियों ने तीनों प्राधिकारियों यानी चकबंदी अधिकारी, एसओसी और चकबंदी उप निदेशक के समक्ष अपने दावों का असफल विरोध किया। याचियों के वकील ने तर्क दिया कि याची के माता-पिता का कहना है कि वह याची के विवाह से पैदा हुई और शकील को उसके हाईस्कूल सर्टिफिकेट में उल्लिखित जन्म तिथि के आधार पर खारिज कर दिया गया है। तर्क दिया गया कि माता-पिता के सर्टिफिकेट पर विचार या विवाद किए बगैर जिसमें शकील को उसके पिता के रूप में उल्लेख किया गया, यह नहीं माना जा सकता कि वह उसका पिता नहीं था। यह भी कहा गया कि शकील के पिता होने के रिकॉर्ड पर अन्य दस्तावेजों पर विचार नहीं किया गया। ऐसे में वंश को सत्यापित करने के लिए डीएनए टेस्ट किया जा सकता है। दोनों पक्षों के वकील ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 का हवाला दिया, जिसमें हाईस्कूल के शैक्षिक सर्टिफिकेट को जन्म तिथि निर्धारित करने के लिए सबसे अच्छा सबूत माना जाता है। साथ ही उन्होंने डीएनए टेस्ट का विरोध किया क्योंकि सामान्य परिस्थितियों में इसका आदेश नहीं दिया जा सकता। तर्क दिया गया कि याची ने दोबारा शादी की है इसलिए उसे यूपी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 171 के तहत कानूनी उत्तराधिकारी नहीं माना जा सकता।

सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि संजीव कुमार गुप्ता बनाम यूपी राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हवाले से कहा कि यह माना गया कि किसी व्यक्ति की जन्मतिथि निर्धारित करने के लिए स्कूल से जारी मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट या बर्थ सर्टिफिकेट सबसे अच्छा सबूत माना जाएगा। इसके विपरीत कोई भी सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं लाई गई, जो यह दिखाती हो कि स्कूल सर्टिफिकेट में उल्लिखित जन्मतिथि वास्तविक जन्मतिथि से अलग है। कोर्ट ने कहा कि शकील की मौत और बेटी की जन्मतिथि के बीच 615 दिनों का अंतर है इसलिए वह उसका पिता नहीं हो सकता।

**कोर्ट ने अपर्णा अजिंक्य फिरोदिया बनाम अजिंक्य अरुण फिरोदिया में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित परिस्थितियों का उल्लेख किया जिनमें नाबालिग बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने का निर्देश दिया जा सकता है-**

1- वैवाहिक विवादों में नियमित रूप से नाबालिग बच्चे के डीएनए टेस्ट का आदेश नहीं दिया जाना चाहिए। बेवफाई के आरोपों से जुड़े वैवाहिक विवादों में डीएनए प्रोफाइलिंग के माध्यम से सबूत दिया जाना चाहिए, केवल उन मामलों में जहां ऐसे दावों को साबित करने का कोई अन्य तरीका नहीं है।

2 - वैध विवाह के अस्तित्व के दौरान पैदा हुए बच्चों के डीएनए टेस्ट का निर्देश तभी दिया जा सकता है, जब साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के तहत धारणा को खारिज करने के लिए पर्याप्त प्रथम दृष्टया सामग्री हो। इसके अलावा यदि साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के तहत अनुमान का खंडन करने के लिए गैर-पहुंच के बारे में कोई दलील नहीं दी गई है तो डीएनए टेस्ट का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

3 - ऐसे मामले में जहां किसी बच्चे का पितृत्व सीधे तौर पर मुद्दा नहीं है बल्कि कार्यवाही के लिए केवल अनुपूरक है, किसी बच्चे के डीएनए टेस्ट को यांत्रिक रूप से निर्देशित करना किसी न्यायालय के लिए उचित नहीं होगा।

4 - केवल इसलिए कि दोनों पक्षों में से किसी ने पितृत्व के तथ्य पर विवाद किया। इसका मतलब यह नहीं कि न्यायालय को विवाद सुलझाने के लिए डीएनए टेस्ट या ऐसे अन्य टेस्ट का निर्देश देना चाहिए। पक्षकारों को पितृत्व के तथ्य को साबित करने या अस्वीकार करने के लिए सबूत पेश करने का निर्देश दिया जाना चाहिए और केवल अगर अदालत को ऐसे सबूतों के आधार पर निष्कर्ष निकालना असंभव लगता है, या विवाद को डीएनए टेस्ट के बिना हल नहीं किया जा सकता है तो वह डीएनए टेस्ट का निर्देश दे सकता है, अन्यथा नहीं। दूसरे शब्दों में केवल असाधारण और योग्य मामलों में, जहां विवाद को सुलझाने के लिए ऐसा टेस्ट अपरिहार्य हो जाता है, न्यायालय ऐसे परीक्षण का निर्देश दे सकता है।

व्यभिचार को साबित करने के साधन के रूप में डीएनए टेस्ट का निर्देश देते समय न्यायालय को व्यभिचार से पैदा हुए बच्चों पर इसके परिणामों के प्रति सचेत रहना होगा, जिसमें विरासत से संबंधित परिणाम, सामाजिक कलंक आदि शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट को पर्याप्त कानूनी सबूत के रूप में मान्यता दी गई है इसलिए बेटी के डीएनए टेस्ट का आदेश देने का कोई अवसर नहीं है।

## फर्जी तरीके से नौकरी करना पड़ा भारी, दर्ज हुआ मुकदमा

मऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जिला के सेवा योजना विभाग में फर्जी तरीके से रामचीज को पड़ा महंगा। अधिकारी के तहरीर पर फिर दर्ज हो गई है और मामले की जांच अब पुलिस कर रही है। गौरतलब है कि जिला सेवा योजना विभाग मऊ में तैनात कर्मचारी राम चीज के नियुक्ति सम्बन्धित संबंधित जानकारी जन सूचना से मांगी गई जिसमें पूरे मामले का खुलासा हुआ। जिला सेवा योजना अधिकारी मखंजू राम प्रजापति ने पुलिस दी तहरीर में बताया कि रामचीज पुत्र स्वर्गीय पुनवासी ने फर्जी स्थानांतरण और नियुक्ति पत्र बनाकर कार्यभार ग्रहण किया था।

जनसूचना मांगने के बाद इनके द्वारा कार्यालय के कागजों में भी छेड़छाड़ की गई है। और गलत तरीके से मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर नियुक्ति पाने की कोशिश की गई।मामले की जांच में रामचीज द्वारा प्रस्तुत सभी प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए उनके द्वारा दिखाए गए पते भी अलग अलग हैं। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर करवाई शुरू कर दी है।

# विधानसभा सत्र से पहले शिवपाल सिंह ने योगी सरकार को चेताया, उठाए मुद्दे

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले समाजवादी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर आक्रामक रुख अख्तियार किया है। पार्टी नेता और विधायक शिवपाल सिंह यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कई मुद्दे उठाए और आरोप लगाया कि सरकार संवाद नहीं चाहती। उन्होंने लिखा- बिजली, पानी, सड़क, खेती -किसानी और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर असफल हुई सरकार, अब इतनी निःशब्द है कि सदन में भी संवाद नहीं करना चाहती। सदन चलाने से भागती यह भाजपा सरकार! वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर आरोप लगाए। शीतकालीन सत्र से पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि, "अभी बैठक है, उसके बाद सत्र शुरू होगा। हमारी सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। विपक्ष के पास कुछ नहीं है। वे निराश हैं।

**डिप्टी सीएम ने बोला हमला**

सत्र से पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर हमला बोला।

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक भी आएंगे। मुझे उम्मीद है कि सदन की कार्यवाही उचित तरीके से चलेगी। इसके अलावा डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को वही पढ़ने को मजबूर होना पड़ता है जो समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव उनके लिए लिखते हैं। इसके साथ ही बीजेपी नेता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा विपक्ष को चर्चा के लिए सदन में जनता ने भेजा है। जनता ने आपको यहां प्रदर्शनकारियों के रूप में नहीं भेजा है। वे (विपक्ष) जनता के मुद्दों को उठाना नहीं चाहते हैं

## प्यार, शादी और फिर तकरार पहली पत्नी के बावजूद भी ले आया दूसरी बीवी, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्यार, शादी और फिर तकरार का एक मामला सामने आया है। यहां एक मैट्रिमोनियल साइट शादी.कॉम के जरिए एक युवक और युवती के बीच बातचीत शुरू हुई। दोनों के बीच प्यार हुआ और उन्होंने शादी भी कर ली। जब युवती शादी के बाद अपने ससुराल पहुंची तो उसे पता चला कि युवक तो पहले से ही शादीशुदा है और घर में उसकी पहली पत्नी और एक बेटा भी रहता है। इसके बाद पहली पत्नी और नई नवेली दुल्हन के बीच विवाद हो गया और पूरा मामला थाने पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक, कोलकाता की रहने वाली पूजा ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

# हाईकोर्ट पहुंचा आरक्षण का नया दायरा

## नीतीश सरकार के फैसले को चुनौती, राजनीति शुरू

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की महागठबंधन की सरकार ने आरक्षण का दायरा बढ़ा दिया है लेकिन अब इसके खिलाफ पटना हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दी गई है। इसके बाद बिहार की सियासत गर्मा गई है। आरजेडी ने इस याचिका को लेकर बीजेपी पर खुलकर निशाना साधा है, तो वहीं जदयू ने भी इशारों में ही सही, बीजेपी को इसके लिए जिम्मेदार बताया है लेकिन बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने बढ़े हुए आरक्षण के खिलाफ याचिका के लिए कांग्रेस और आरजेडी को दोषी ठहराया है। खास बात ये है कि मोदी के निशाने पर जदयू नहीं है, जिसे लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर बीजेपी का जदयू को लेकर नरमी का मतलब क्या है। सुशील मोदी ने बयान दिया है कि आरक्षण सीमा बढ़ाने के विरुद्ध याचिका कांग्रेस-राजद की साजिश का नतीजा है। बिहार में जातीय सर्वे से लेकर आरक्षण बिल तक भाजपा ने सरकार का समर्थन किया था। अब बीजेपी उसका विरोध क्यों करेगी जो कुछ भी हुआ है वो पार्टी की छवि खराब करने की मंशा से जनहित याचिका दायर की गई है लेकिन जनता सब समझती है। सुशील मोदी ने कहा कि देश पर 55 साल राज करने वाली कांग्रेस ने काका कालेकर समिति से मंडल आयोग तक हमेशा पिछड़ों-दलितों के आरक्षण का विरोध किया और राजद ने 2001 में पिछड़ों को आरक्षण दिये बिना बिहार में पंचायत चुनाव कराये थे। पंचायतों में पिछड़ों को आरक्षण तब मिला, जब भाजपा और सहयोगी दलों की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि जब बिहार की कर्पूरी ठाकुर सरकार ने पिछड़े वर्गों को नौकरी में पहली बार 27 फीसद आरक्षण दिया था, तब कांग्रेस सत्ता से बाहर थी और जनसंघ सरकार में शामिल था। सुशील मोदी कहते हैं कि पिछड़े-गरीब परिवार से आने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 फीसद आरक्षण देने के लिए आरक्षण की 50 फीसद की अधिकतम सीमा तोड़ कर जो रास्ता दिखाया, बिहार ने उसी का अनुसरण किया है। उन्होंने कहा कि गरीब,पिछड़े और वंचित वर्गों के साथ खड़ी भाजपा को राजद-कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पाते, इसलिए वे कोर्ट-कचहरी के जरिये राजनीति शुरू करते हैं।

## दो बच्चों संग झोपड़ी में सो रही थी महिला तभी लगी भीषण आग, हो गया बड़ा हादसा

मऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मोहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बंदीकला के मुसहर बस्ती में अज्ञात कारणों से सोमवार की दोपहर में एक झोपड़ी में आग लग जाने से 25 वर्षीया एक विवाहित की जलकर मौत हो गई, जबकि उसके दो बच्चों को आग लगने के दौरान चिल्लाने पर राहगीर ने मौके पर पहुंचे और अपने जान को जोखिम में डालकर झोपड़ी से फंसे हुए बच्चों को सकुशल बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक डॉ अजय विक्रम सिंह, नवागत प्रभारी निरीक्षक परमेंद्र कुमार सिंह एवं फायर ब्रिगेड के उप निरीक्षक बीबी सिंह अपने दलबल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवम बचाव किए।

# सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की जरूरत नहीं, सब ड्रामा; साधु के भेष में आतंकी हैं संत

फतेहपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के नहर कॉलोनी में राष्ट्रीय संविधान जागरूकता समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने सत्ता पक्ष व हिंदूवादी संगठनों पर निशाना साधा। महासचिव ने राम मंदिर निर्माण और भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर केंद्र व राज्य दोनों सरकारों को घेरा। उन्होंने कहा कि भगवान राम हजारों साल से पूजनीय हैं। उनकी प्राण प्रतिष्ठा की क्या जरूरत है, यह महज एक ड्रामा है। साधु-संतों पर निकाली भड़ास मीडिया से बातचीत में सपा महासचिव

स्वामी प्रसाद मौर्या ने उन साधु-संतों पर भी भड़ास निकाली जिन्होंने उनका सिर कलम करने पर इनाम की घोषणा की थी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सब साधु-संत के भेष में आतंकी हैं। संत राम भद्राचार्य को सपा नेता ने आतंकवादी तक कह दिया। सपा नेता ने मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा पर भी सवाल खड़ा किया। कहा कि राम खुद भगवान हैं। करोड़ों लोगों की उनमें आस्था है। वे हजारों सालों से पूजे जाते रहे हैं। वह लोगों को जीवन देते हैं, उनकी प्राण प्रतिष्ठा करने की क्या जरूरत है। वे राम से खुद को बड़ा मानते हैं, इसीलिए प्राण प्रतिष्ठा कर रहे हैं। यह सब ड्रामा है। पीएम और सीएम वाहवाही लूट रहे हैं कि राम मंदिर हमने बनवाया। जबकि इसका श्रेय कोर्ट को मिलना चाहिए।जेल में हनुमान चालीसा का पाठ का किया विरोध सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने जनता से भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में मिट्टी में मिलाने का आह्वान किया। जेल में हनुमान चालीसा का पाठ कराए जाने के कारागार मंत्री के बयान का भी विरोध किया। कहा कि किसी भी सरकारी संस्थान में धर्म विशेष का कोई कार्यक्रम होना सांप्रदायिक हिंसा है। सपा नेता ने शीतकालीन सत्र में मोबाइल, पोस्टर और बैनर के रोक पर सरकार का समर्थन भी किया। केंद्र और राज्य सरकार पर आरक्षण को खत्म करने का आरोप लगाया। जांच एजेंसियों के जरिए विपक्ष की आवाज को दबाने की बात कही।

## आरा में हवलदार पुत्र की नृशंस हत्या

**गोलियों से भून नंगा कर जलाया; फिर शव को बोरे में बंद कर चालाकी से नदी में फेंका**

आरा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के आरा में चार दिनों से लापता बिहार पुलिस के हवलदार पुत्र की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई। पहले उसे गोलियों से भूना गया, फिर नंगा कर जला दिया और शव को प्लास्टिक बोरे में बंद कर नदी में डूबो दिया। शव सतह पर नहीं आ सके, इसके लिए बोरे में ईंट-पत्थर भी डाल दिए थे। सोमवार की सुबह शव टाउन थाना क्षेत्र के मझौंवा हवाई अड्डा-चंदवा बांध से सटे नदी से बरामद किया गया। इससे पूर्व यहां से युवक की खून लगी टी-शर्ट, चप्पल एवं पिलेट मिली थी।

# खड़े ट्रक में ऑटो ने मारी टक्कर महिला सहित तीन की मौत

मुजफ्फरपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के फकुली ओपी क्षेत्र में मंगलवार को तड़के एक खड़े ट्रक में एक ऑटो ने जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग सोनपुर से गंगा स्नान के बाद सीतामढ़ी लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, कार्तिक पूर्णिया के मौके पर सोनपुर से गंगा स्नान कर सीतामढ़ी के कुछ लोग एक ऑटो से वापस लौट रहे थे। इस दौरान फकुली ओपी क्षेत्र के बलिया ओवर ब्रिज के पास ऑटो पर से चालक का नियंत्रण हट गया और ऑटो खड़े एक ट्रक से जाकर टकरा गई। इस घटना में घटनास्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गई । मृतकों में एक महिला और दो पुरुष शामिल है। इस घटना में पांच से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी मृतक और घायल सीतामढ़ी के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर तत्काल सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। घायलों मे दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# बसपा नेता पर कसा शिकंजा, पहले आलीशान होटल पर गरजा था बाबा का बुलडोजर, अब ऐसे दी 10.30 करोड़ की चोट

फर्रुखाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद में माफिया अनुपम दुबे की 10.30 करोड़ की छह संपत्तियों को और पुलिस व प्रशासन ने सोमवार को कुर्क कर लिया। पुलिस अब तक माफिया की 113.18 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। डुगडुगी पिटवाकर एसपी ने मुनादी कर लोगों को कुर्की की जानकारी दी। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कसरट्टा निवासी माफिया बसपा नेता डॉ। अनुपम दुबे आगरा जेल में बंद है। वर्ष 2021 में माफिया अनुपम व उनके भाई अनुराग दुबे उर्फ डब्बन के खिलाफ शहर कोतवाली में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ था। मुकदमे की विवेचना मऊदरवाजा एसओ आमोद सिंह कर रहे हैं। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने माफिया की संपत्ति गैंगस्टर के मुकदमे के तहत कुर्क करने के आदेश दिए थे। पुलिस व प्रशासन ने माफिया का आलीशान होटल कुर्क करवाकर जमींदोज करवा दिया था। माफिया की 44 से अधिक संपत्तियां कुर्क कर ली गई थी। तहसीलदार सदर श्रद्धा पांडेय, सीओ सिटी प्रदीप कुमार सिंह, फतेहगढ़ कोतवाल हरिश्याम सिंह, मऊदरवाजा एसओ आमोद कुमार सिंह सहित पुलिस व पीएसी के जवान फतेहगढ़ कोतवाली में एकत्र हुए। अफसर फोर्स के साथ मोहल्ला दालमंडी में पहुंचे। वहां पर बसपा नेता के भाई का मकान कुर्क किया गया। मकान के अंदर कमरों में ताले डाले गए। इसके बाद नेकपुर चौरासी काली तलैया में चार प्लाट कुर्क किए गए। यहां पर कुर्की का बोर्ड लगाया गया। देर शाम मोहम्मदाबाद पुलिस ने गांव निसाई में अनुपम के भाई का खेत कुर्क कर लिया। दालमंडी कुर्की स्थल पर एसपी विकास कुमार पहुंचे। खुद मुनादी कर लोगों को माफिया के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के बारे में बताया। एसपी ने बताया कि माफिया का एक मकान, चार प्लाट व खेत कुर्क किया गया है।

## प्रेग्नेंट पत्नी को छोड़कर प्रेमिका के साथ भागा पति

**टूटी रीढ़ की हड्डी का दर्द लिए अस्पताल में पड़ी है बीवी**

झांसी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के झांसी में जिसके प्यार की खातिर युवती ने घर-परिवार छोड़ दिया, लेकिन सात जन्मों तक साथ निभाने की कसम खाने वाला युवक ऐसा बे-वफा निकलेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की थी। युवती छत से गिरकर अपाहिज हो गई तो उसका इलाज कराने के दौरान पति दूसरी युवती से नजदीकी बढ़ता रहा और फिर लाचार पत्नी को बेसहारा छोड़कर नई प्रेमिका के साथ गायब हो गया। पत्नी ने मोबाइल फोन पर संपर्क किया तो पति ने कहा कि अब उसका इन्तजार न करना। दर्द भरी प्रेम कहानी की शुरुआत थाना एरच क्षेत्र के एक गांव की है। यहां रहने वाली 23 साल की मीरा अहिरवार बताती हैं कि गांव का पुष्पेंद्र अहिरवार उससे बहुत प्रेम करता था। 2020 में उसने प्यार का इजहार किया तो उसने स्वीकार कर लिया। दोनों चोरी छुपे मिलते रहे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन यह रिश्ता परिवार वालों को मंजूर नहीं था। इस पर दोनों ने भागकर शादी की योजना बनायी और 19 दिसंबर 2021 को घर से भागकर कानपुर पहुंचे। वहां एक आश्रम में शादी कर ली। फिर बनारस व नोएडा में रहे। कुछ महीनों बाद दोनों मऊरानीपुर आकर किराए के मकान में रहने लगे। मीरा ने बताया कि पति मजदूरी करता था और वह घर पर रहती थी। इस बीच पति की एक युवती से दोस्ती हो गई। वह दोनों मोबाइल फोन पर बात करने लगे। उसने कई बार पति के मोबाइल फोन में युवती के मैसेज पकड़े। इससे पति नाराज रहने लगा था। आरोप लगाते हुए बताया कि 4 अप्रैल 2023 को पति घर पर आया और झगड़ा करने लगा।

# कौन हैं आईएस दुर्गा शक्ति नागपाल जिन्होंने मारा था माफिया मुख्तार की बैरक में छापा?

बांदा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल इन दिनों खूब चर्चा में हैं। दरअसल, बीते शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बांदा के एसपी अंकुर अग्रवाल के साथ मंडल कारागार की औचक छापेमारी की थी, जिससे हड़कंप मच गया था। इस दौरान डीएम-एसपी ने जेल कैम्पस में पहुंचते ही सीधे माफिया मुख्तार अंसारी की बैरक की सघन तलाशी ली। हालांकि वहां कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दौरान मुख्तार अंसारी बेबस और लाचार होकर कार्रवाई देखता रहा। ऐसे में जब डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की चर्चा हो रही है, तो आइए जानते हैं कौन हैं ये? 25 जून 1985 को जन्मीं दुर्गा शक्ति नागपाल 2010 बैच की यूपी कैडर की आईएस अधिकारी हैं। बांदा का डीएम बनने से पहले वह चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेष सचिव के रूप में तैनात थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईएएस दुर्गा के पिता भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी थे। वहीं, उनके दादाजी भी एक पुलिस अधिकारी थे। उनकी हाई स्कूल की पढ़ाई लिखाई, विवेक हाई स्कूल, चंडीगढ़ से हुई है। इसके अलावा इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी से उन्होंने 2007 में बीटेक किया था।

**आईएस दुर्गा ने आईएस अभिषेक सिंह से की थी शादी**

आपको बता दें कि आईएस अभिषेक सिंह यूपी के सबसे चर्चित अफसरों में से एक हैं। 2010 में यूपीएससी परीक्षा पास करने के बाद से वह लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कभी लव लाइफ, कभी एक्टिंग करियर तो कभी वर्क लाइफ को लेकर वह सुर्खियों में बने रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिषेक और दुर्गा की मुलाकात यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के दौरान हुई थी और दोनों ने 2012 में शादी कर ली थी। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में गुजरात चुनाव के दौरान अभिषेक को प्रेक्षक की ड्यूटी मिली थी। उन्होंने वहां की एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी थी। बताया जाता है कि इस वजह से फरवरी 2023 में उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। फिलहाल, अभिषेक सिंह ने अपनी सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

**वर्ष-28 अंक : 250** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष कृ.2 2080 बुधवार, 29 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# 'इंदिरा गांधी का शासन हत्याओं से त्रस्त था'

## * चुनावी सभा में केसीआर का हमला * कांग्रेस ने दी तीखी प्रतिक्रिया

वारंगल, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जीत के लिए सभी दल जोर अजमाइश कर रहे हैं। सभी दलों के स्टार प्रचारक राज्य में चुनावी रैलियों के जरिए लोगों को रिझाने में लगे हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने-अपने चुनावी दौरे में बीआरएस पर जमकर हमला बोला है। वहीं इसी बीच, तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। एक चुनावी रैली में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल को मुठभेड़ और हत्याओं से त्रस्त बताया।

**इंदिरम्मा राज्यम सिर्फ एक जुमला**

कांग्रेस के नारे 'इंदिरम्मा राज्यम' पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी के

शासन काल को अगर वापस लाया जाए तो समझो राज्य में गोलीबारी, हत्याओं, मुठभेड़ों का दौर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का शासनकाल मुठभेड़ों, हत्याओं से भरा पड़ा था। साथ ही उन्होंने वादा किया कि वृद्धावस्था पेंशन दो हजार से बढ़ाकर 5 हजार प्रति माह कर दी जाएगी। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि राज्य में इंदिरम्मा राज्यम कौन चाहता है। इंदिरम्मा राज्यम में क्या हुआ। उन्होंने इंदिरा गांधी के शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा, वह शासन सिर्फ आपातकाल, मुठभेड़ों, गोलीबारी और हत्याओं से त्रस्त था। उन्होंने कहा, 1969 में कांग्रेस शासन काल के दौरान तेलंगाना आंदोलन में लगभग 400 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गौरतलब है कि राज्य में 30 नवंबर को विधानसभा चुनावों के लिए मतदान होना है। जिसके लिए राजनीतिक दल लगातार लोकलुभावन वादे कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर बीआरएस फिर से सत्ता में वापस आती है, तो शहर को अतिरिक्त नागरिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाएगा।

**कांग्रेस : केसीआर के वादे सिर्फ धोखा**

वहीं कांग्रेस ने भी केसीआर को जमकर घेरा है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव पर राज्य के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, उनके शासनकाल में हैदराबाद से आगे विकास नहीं हुआ। तेलंगाना राज्य का गठन इसलिए हुआ था कि सभी क्षेत्रों का विकास हो सके, लेकिन नौ वर्ष बीआरएस के सत्ता में रहने के कारण ऐसा न हो सका। लोग जानते हैं कि बीआरएस ने नौ वर्ष सिर्फ जनता को ठगा है।

# ... और जिंदगी जीत गई

## उत्तरकाशी टनल से सभी 41 मजदूर निकाले गए : 7.50 बजे पहला मजदूर बाहर आया, 17 दिन टनल में फंसे रहे

उत्तरकाशी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली पर जब पूरा देश रोशनी में नहाया हुआ था, तब 41 मजदूर एक अंधेरी सुरंग में कैद हो गए। ये मजदूर चार धाम के लिए नया रास्ता बना रहे थे। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और सभी मजदूर बाहरी दुनिया से कट गए।

रेस्क्यू एजेंसियों ने मजदूरों को बचाने की कवायद शुरू की। एक प्लान फेल हुआ, तो दूसरे पर काम शुरू हुआ। कभी सुरंग के मुहाने से तो कभी पहाड़ के ऊपर से खुदाई करके मजदूरों को निकालने की कोशिश की जाती रही। 12 नवंबर की सुबह 5.30 से 28 नवंबर की शाम 8.35 बजे तक यानी 17 दिन, करीब 399 घंटे बाद।

पहला मजदूर शाम 7.50 बजे बाहर निकाला गया था। 45 मिनट बाद रात 8.35 बजे सभी को बाहर निकाल लिया गया। सभी को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

रेस्क्यू टीम के सदस्य हरपाल सिंह ने बताया कि शाम 7 बजकर 5 मिनट पर पहला ब्रेक थ्रू मिला था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाहर निकाले गए श्रमिकों से बात की। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीके सिंह भी थे। सीएम धामी ने कहा, सभी मजदूरों को उत्तराखंड सरकार की ओर से कल एक-एक लाख रुपये की मदद दी जाएगी। उन्हें एक महीने का सवेतन अवकाश भी दिया जाएगा, जिससे वह अपने परिवार वालों से मिल सकें। रेट स्नेपर्स वाली कंपनी नवयुग के मैन्युअल ड्रिलर नसीम ने कहा, सभी मजदूर स्वस्थ्य हैं। मैंने उनके साथ सेल्फी ली। उन्होंने बताया कि जब आखिरी पत्थर हटाया गया तो सभी मजदूरों ने जयकारे लगाए। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैय्यद अता हसैनन ने बताया था, खुदाई का काम पूरा होने के बाद टनल में पाइप तक रैंप बनाया गया।

रैंप से मजदूरों को पाइप तक पहुंचाया गया। पाइप में पहुंचने पर मजदूरों को स्ट्रेचर पर लिटाया और रस्सी के सहारे खींचकर उन्हें बाहर निकाला गया।

# पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू को नोटिस

## सुप्रीम कोर्ट ने रेगुलर बेल के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर जवाब मांगा

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसिया)। सुप्रीम कोर्ट ने स्किल डेवलपमेंट घोटाला मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार की उस याचिका पर नायुडू से जवाब मांगा है, जिसमें उन्हें रेगुलर बेल देने का विरोध किया गया है। सीआईडी ने स्किल डेवलपमेंट घोटाले में 9 सितंबर को नायुडू को गिरफ्तार किया था।

नायुडू पर साल 2015 में मुख्यमंत्री रहते हुए स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के फंड का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल करने का आरोप है। इस मामले में 31 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने नायुडू को अंतरिम जमानत दी थी। तब वे राजमुंदरी जेल से करीब 53 दिन बाद बाहर आए थे। 20 नवंबर को कोर्ट ने उन्हें रेगुलर बेल दे दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी रैली और सभाएं करने के लिए नायुडू को छूट दी है। कोर्ट ने स्किल डेवलपमेंट घोटाले में अगली सुनवाई यानी 8 दिसंबर तक उन्हें रैलियों और बैठकों में भाग लेने की इजाजत दी है।

## ज्ञानवापी मस्जिद की सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन हफ्ते का समय मांगा

वाराणसी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपने के लिए तीन और सप्ताह का समय मांगा है। सर्वेक्ष का काम लगभग एक महीने पहले समाप्त हो गया था और एएसआई ने अपनी रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। अंतिम विस्तार 18 नवंबर को था, जब एएसआई ने 15 दिन और मांगे थे।

# राहुल ने श्रमिकों के कल्याण के लिए कानून का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पार्टी नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अगर कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह राजस्थान में हाल ही में पारित कानून की तर्ज पर गिग श्रमिकों के कल्याण के लिए एक कानून लाने पर विचार करेगी।

राहुल गांधी ने गिग श्रमिकों के साथ बातचीत के दौरान यह आश्वासन दिया। उन्होंने उनसे कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री उनके साथ बैठक करेंगे और उनके लिए कल्याणकारी उपायों पर निर्णय लेंगे। 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के लिए प्रचार कर रहे राहुल गांधी ने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में गिग श्रमिकों, ऑटो चालकों और स्वच्छता कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उनके साथ राज्य

कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन भी थे, जो जुबली हिल्स से पार्टी के उम्मीदवार हैं।

राहुल गांधी ने गिग वर्कर्स से कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा लाए गए कानून के तहत कंपनी हर ऑर्डर के लिए पेंशन और बीमा जैसे सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए कुछ पैसे जमा करती है।

उन्होंने कहा, अगर कोई स्विगी के लिए काम करता है और बाद में दूसरी कंपनी में चला जाता है, तो उनकी बचत स्थानांतरित हो जाती है और यह बढ़ती रहती है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि गिग श्रमिकों के कल्याण के मुद्दों के समाधान के लिए एक कल्याण बोर्ड भी स्थापित किया जा सकता है।

*इतनी छोटी सोच नहीं होनी चाहिए*

## पाक के कलाकारों को भारत में बैन करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी पाकिस्तान के कलाकारों को प्रतिबंधित करने की मांग खारिज कर दी है। अदालत में दायर याचिका में अपील की गई थी कि पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में प्रदर्शन या काम करने की अनुमति न दी जाए। कलाकारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज करते हुए अदालत ने फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने फैज अनवर कुरैशी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि वह बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। जानकारी के अनुसार फैज अनवर कुरैशी एक सिने कार्यकर्ता और कलाकार होने का दावा करते हैं। अदालत ने कुरैशी से कहा कि आपको इस अपील पर बार-बार जोर नहीं देना चाहिए।

## भांजी की शादी में एक करोड़ का शगुन

## रेवाड़ी में भाई ने विधवा बहन के घर लगाया नोटों का ढेर, गिनते-गिनते थक गए लोग

रेवाड़ी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में एक व्यक्ति ने अपनी भांजी की शादी में हिंदू रीति रिवाज के तहत भरे जाने वाले भात (शगुन) में ऐसी मिसाल पेश की है कि उसकी चर्चा आसपास ही नहीं, बल्कि देशभर में हो रही है। विधवा बहन के घर भाई ने नोटों की गड्डियों का ढेर लगा दिया। उसने एक करोड़, 1 लाख, 11 हजार 101 रुपये कैश भात में दिए। इतना ही नहीं, करोड़ों रुपये के गहने भी दिए। इस भात में दिए गए कैश का वीडियो खूब चर्चा बटोर रहा है।

दरअसल, रेवाड़ी के दिल्ली-जयपुर हाईवे से सटे गांव आसलवास निवासी सतबीर की बहन की शादी सिंदरपुर में हुई थी। वह काफी लंबे समय से गढ़ी बोलनी रोड स्थित पदैयावास के पास परिवार के साथ रहती है। सतबीर की इकलौती बहन के पति की काफी समय पहले मृत्यु हो गई थी। उसकी एक ही भांजी है।

जिसकी शादी से पहले भाई की तरह भात की रस्म निभाने के लिए सतबीर अपने गांव के मौजिज लोगों के साथ बहन के घर पहुंचा। शाम को जब भात देने की रस्में निभानी शुरू की तो वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। 500-500 के नोट की गड्डियों का सतबीर ने अपनी बहन के घर ढेर लगा दिया। पूरे 1 करोड़, 1 लाख, 11 हजार 101 के रुपये भात में कैश दिए गए। इसके अलावा करोड़ों रुपये के गहने और अन्य सामान भी सतबीर ने अपनी बहन और भांजी के लिए दिए। भात देने के दौरान कैश की गड्डियों और गहने देने का वीडियो भी सामने आया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 29 नवंबर - 2023

## खनन माफियाओं के हौसले बुलंद

भारी-भरकम लाभ का धंधा होने की वजह से इसमें दबंग लोगों का ही कब्जा है। नतीजतन जब कोई सरकारी अधिकारी इन पर हाथ डालने की कोशिश करता है तो उसकी मौत निश्चित मानी जाती है। इसलिए इस पर रोक लगाना सबसे बडी चुनौती बन चुका है। खनन माफियाओं की दबंगई के आगे प्रशासन भी बेबस नजर आता है। ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की है। जहां अवैध खनन रोकने गए एक पटवारी को ट्रैक्टर से कुचल कर मार डाला गया। शहडोल जिलाधिकारी ने बताया कि रेत के अवैध खनन की लगातार शिकायतें आ रही थीं, जिस पर नकेल कसने के लिए एक अभियान चलाया गया था, जिसकी भेंट उक्त पटवारी चढ़ गया। खबरों के अनुसार इस अभियान के तहत बडी मात्रा में अवैध रेत पकड़ी भी गई। इसी सिलसिले में शनिवार की रात तीन पटवारियों का एक दल दबिश डालने पहुंचा था। रेत से भरे एक ट्रैक्टर को रोका, तो चालक ने एक पटवारी के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा कर कुचल दिया और भाग गया। पटवारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बहरहाल, प्रशासन आरोपी ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर अपनी तत्परता का प्रदर्शन तो कर रहा है, लेकिन सवाल अपनी जगह खडा है कि अवैध खनन पर रोक लगाना इतना मुश्किल कैसे और क्यों बना हुआ है? अगर सचमुच प्रशासन इस पर अंकुश लगाना चाहता, तो खनन माफिया की क्या मजाल की इस तरह की मनमानी और दबंगई पर उतर पाता। देखा जाए तो अवैध खनन कोई नई समस्या नहीं है। इससे पहले भी इसे रोकने की कोशिश करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। पिछले साल मध्यप्रदेश में ही अवैध रेत खनन करने वालों पर दबिश डालने गए वन विभाग के कर्मचारियों को माफिया के लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर लाठी-डंडों से बुरी तरह पीट कर घायल कर दिया था। ग्यारह साल पहले एक पुलिस अधिकारी को भी इसी तरह मार डाला गया था। तब खनन माफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाने का संकल्प दोहराया गया था, लेकिन उसके बाद से अब तक ट्रैक्टर के नीचे कुचल कर सरकारी कर्मचारियों को मार डालने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। खनन माफिया प्रशासन पर मानसिक दबाव और भय पैदा करने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाता रहता है। ताकि उसके मुनाफे के धंधे पर कोई अफसर अंकुश लगाने की हिम्मत न कर सके। माफिया केवल रेत खनन तक सीमित नहीं है। पत्थर और कोयले के खनन में भी इसी तरह की दबंगई की जरूरत होती है। मध्यप्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि राज्यों से भी इसी तरह खनन माफिया के हाथों सरकारी कर्मचारियों के कत्ल की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं । नियमों के अनुसार रेत, पत्थर, कोयले आदि के खनन का ठेका सरकारें नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक और पर्यावरणीय स्थिति आदि का आकलन करने के बाद ही देती हैं। साथ ही उसमें रेत, पत्थर, कोयला आदि निकालने की सीमा भी तय की जाती है। लेकिन अधिक कमाई के चक्कर में ठेकेदार तय सीमा का उल्लंघन करने से परहेज नहीं करते। बल्कि उनके समांतर अवैध रूप से खुदाई करने वाले कई गिरोह भी सक्रिय हो जाते हैं। जगजाहिर है कि अक्सर ऐसे लोग राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख और सांठगांठ से अपना धंधा चलाते हैं। शायद ही कोई राज्य ऐसा हो जहां राजनीतिक संरक्षण में अवैध खनन न चलता हो। इसलिए अगर कभी किसी वजह से खनन माफिया पर नकेल कसने की कोशिश की जाती है, तो वे अपने रसूख के बूते खून-खराबे पर उतर आते हैं। बेशक मध्यप्रदेश की घटना पर राजनीतिक दलों को निशाना साधने का मौका मिल गया हो, लेकिन सब जानते हैं कि बिना राजनीतिक इच्छाशक्ति के ऐसे लोगों पर काबू पाना कितना मुश्किल होता है।

## इजरायल ने संजय राउत की यहूदी विरोधी पोस्ट की भारत से शिकायत की

**रामस्वरूप रावतसरे**

हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने हिटलर द्वारा यहूदियों के होलोकॉस्ट अर्थात नरसंहार को जायज ठहराया था। वहीं अब इस मामले में इजरायली दूतावास ने विदेश मंत्रालय और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर शिवसेना नेता संजय राउत की 'यहूदी विरोधी' पोस्ट के बारे में शिकायत की है। द प्रिंट की खबर के अनुसार इस मामले में इजरायल ने भारत सरकार से यह अपील की है कि शिवसेना सांसद को बताया जाए कि उनके यहूदी नरसंहार को जायज ठहराने वाले पोस्ट ने उस देश को किस तरह आहत किया है जो हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। जानकारी के अनुसार "नई दिल्ली में इजरायली दूतावास ने यहूदी समुदाय के खिलाफ नरसंहार को उचित ठहराने वाली यहूदी विरोधी टिप्पणियों के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के खिलाफ विदेश मंत्रालय को कड़े शब्दों में एक वर्बल नोट और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा है।" मामला दरअसल, 14 नवंबर, 2023 का है। उस दिन शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अपने एक्स हैंडल से यहूदियों के खिलाफ हिटलर के नरसंहार को उचित ठहराते हुए एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने एक्स हैंडल 'आर्टिकल19 इंडिया' की एक पोस्ट शेयर की थी जिसमें समय से पहले जन्मे बच्चों का एक वीडियो शेयर किया गया था और यह दावा किया गया था कि इजरायली सशस्त्र बलों ने इन शिशुओं के इनक्यूबेटर की बिजली काट दी है। वहीं संजय राउत ने अपने पोस्ट में कहा था कि यहूदियों को हिटलर ने ऐसे ही कार्यों के लिए मार डाला था। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए कमेंट में यह लिखा था, "हिटलर को यहूदी समुदाय से इतनी नफरत क्यों थी? क्या यह अब समझ में आ रहा है?" संजय राउत ने अपनी पोस्ट में कहा कि हिटलर ने यहूदियों को नरसंहार में मार डाला क्योंकि उन्होंने ऐसे कृत्य किए थे। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिटलर द्वारा यहूदियों के नरसंहार को उचित ठहराया। हिटलर ने होलोकॉस्ट में 60 लाख से अधिक यहूदियों की जान ले ली थी जिसमें उन्हें गैस चैंबर में बंद करके मार दिया गया। हालाँकि, इस पोस्ट के बाद विवाद बढ़ने पर संजय राउत ने पोस्ट को हटा दिया था लेकिन तब तक इज़रायली अधिकारियों ने स्क्रीनशॉट ले लिया था। गौरतलब है कि आर्टिकल 19 इंडिया ने अपने पोस्ट में लिखा था, "अल-शिफा अस्पताल में समय से पहले पैदा हुए बच्चे चीख रहे हैं। जिस इनक्यूबेटर में उन्हें रखा गया था उसकी बिजली इजरायल ने काट दी है। सशस्त्र बलों ने अस्पताल को चारों तरफ से घेर लिया है। अस्पताल के अंदर किसी भी खाद्य पदार्थ, दूध या पानी की अनुमति नहीं है।" पोस्ट में एक वीडियो भी था जिसमें दावा किया गया कि यह अल शिफ़ा अस्पताल का है। वहीं इस मामले में खबर आई थी कि अल शिफा अस्पताल में 39 बच्चों की मौत नहीं हुई है बल्कि यह कहा गया था कि ऑक्सीजन और बिजली की कमी के कारण ये खतरे में हैं जबकि इस मामले में आईडीएफ ने शिफ़ा अस्पताल को ऑक्सीजन और सहायता प्रदान करने की भी पेशकश की थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। इस मामले में सैन्य प्रवक्ता ने कहा था, "आईडीएफ नागरिकों और हमास आतंकवादियों के बीच अंतर करने की अपनी नैतिक और पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईडीएफ इनक्यूबेटरों के हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए किसी भी विश्वसनीय मध्यस्थ पक्ष के साथ काम करने को तैयार है।"

# अब उच्च शिक्षा का माध्यम बनाई जा रहीं भारतीय भाषाएं

करीब ढाई दशक पहले जब भारत में कंप्यूटर का विस्तार हो रहा था और इसके बाद जब तकनीक ने कंप्यूटर पर भारतीय भाषाओं में काम करना सुलभ बनाया, तब भी यह सोचना बेमानी था कि किसी दिन कंप्यूटर का भारतीय भाषाओं पर भी प्रभुत्व हो सकेगा। लेकिन अब यह भी हकीकत हो चुका है। जिस तरह तकनीक ने भारतीय भाषाओं को न सिर्फ कंप्यूटर के लिए सहज बनाया, कुछ उसी तरह अब भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाया जाने लगा है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर ने तय किया है कि अगले साल जनवरी में दस दिनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ कार्यशाला में शामिल लोगों को हिंदी में प्रशिक्षित करेंगे। आईआईएम, इंदौर पहले ही हिंदी माध्यम से प्रबंधन की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा कर ही चुका है।

आईआईएम के रूप में मशहूर प्रबंधन संस्थानों के बारे में अब तक यही धारणा रही है कि यहां अंग्रेजी माध्यम के जरिये पहुंचा जा सकता है। पर वहां यदि सोच के स्तर पर भारतीय भाषाओं और हिंदी को लेकर बदलाव हो रहा है, तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

> भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर ने तय किया है कि अगले साल जनवरी में दस दिनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ कार्यशाला में शामिल लोगों को हिंदी में प्रशिक्षित करेंगे। आईआईएम, इंदौर पहले ही हिंदी माध्यम से प्रबंधन की पढ़ाई शुरू करने की घोषणा कर ही चुका है।

26 नवंबर, 1949 को जब संविधान सभा ने संविधान को स्वीकृत किया, उस मौके पर संविधान सभा को आखिरी बार बतौर संविधान सभा अध्यक्ष संबोधित करते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जो दो अफसोस जताए थे, उनमें से एक यही था कि वह चाहकर भी हिंदी में संविधान नहीं बना सके। इसे विडंबना ही कहेंगे कि भारत में अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार 1860 में तेजी से शुरू हुआ और इसके बाद वह बढ़ता ही गया। बावजूद इसके कि कांग्रेस की अगुआई में चले स्वाधीनता आंदोलन में भारतीय भाषा और हिंदी पर जोर रहा। फिर भी अंग्रेजी इतनी तेजी से स्वीकार्य बनती गई कि सौ साल से भी कम अवधि में वह इतनी महत्वपूर्ण बन गई कि देश की उच्च पेशेवर जिंदगी और पढ़ाई के लिए अनिवार्य मान ली गई। उसी का नतीजा रहा कि स्वाधीन भारत में अंग्रेजी गुलाम भारत की तुलना में कहीं ज्यादा फलती-फूलती रही।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर धारणा बदली है। पर यह भी उतना ही कटु सत्य है कि नौकरशाही और नीति निर्माण में अब भी अंग्रेजी का वर्चस्व है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर भाषा की अपनी संस्कृति होती है और उस पर निर्भर करने वाले लोगों की सोच पर उस भाषा के साथ जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों का असर ज्यादा होता है। अंग्रेजी माध्यम से पढ़ी भारतीय नौकरशाही के बड़े वर्ग की सोच पर अंग्रेजी के साथ चली आ रही शासक और श्रेष्ठता बोध की मानसिकता अब भी हावी है।

इसलिए जमीनी स्तर पर जैसे बदलाव दिखने चाहिए, नहीं दिख पाते। ऐसे माहौल में तकनीकी और उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए भारतीय भाषाओं को माध्यम बनाने के बारे में सोचना भी साहस का काम है। हालांकि, नौकरशाहों की तुलना में प्रबंधक भारतीय भाषा-भाषियों के प्रति कहीं ज्यादा सचेत हैं। उन्हें पता है कि देश का जो विशाल मध्य वर्ग है, वह अपना दैनिक कामकाज अपनी भाषाओं में ही करता है। इसलिए उन तक अपने उत्पाद की पहुंच बनाने के लिए प्रबंधन पेशेवरों ने भारतीय भाषाओं को ही जरिया बनाया है।

इसके ही चलते देश का विशाल मध्य वर्ग दुनिया भर के उत्पादों का बड़ा बाजार बन गया है। प्रबंधन अपने प्रोफेशन की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से भले ही करता है, लेकिन उसे अपनी विशेषज्ञता को जमीनी हकीकत जिन कर्मचारियों या फील्ड कार्यकर्ताओं के जरिये बनाना पड़ता है, उनकी प्राथमिक जुबान भारतीय भाषाएं होती हैं। प्रबंधन के सूत्र कार्यकर्ताओं तक पहुंचते वक्त भाषायी नुकसान का शिकार होते रहे हैं। भारतीय भाषाओं में प्रबंधन की पढ़ाई के बाद जो पेशेवर तैयार होंगे, उनकी अभिव्यक्ति कार्यकर्ता के स्तर की होगी, तभी वे बेहतर नतीजे दे सकेंगे।

इससे यह धारणा भी खंडित होने लगेगी कि भारतीय भाषाओं के जरिये भी प्रबंधन के गुर सीखे जा सकते हैं। इसे संयोग कहें या कुछ और कि मेडिकल की हिंदी माध्यम से पढ़ाई मध्य प्रदेश की धरती से शुरू हुई, अब नेतृत्व विकास से संबंधित प्रबंधन की पढ़ाई भी मध्य प्रदेश की धरती से ही आरंभ होने जा रही है। इससे एक बात तय है कि भारतीय भाषाओं को लेकर जो हिचक हमारे मानस में चिरस्थायी ढंग से स्थापित है, वह दरकेगी।

## कॉलेजियम कल्चर बनाम राष्ट्रपति की सलाह

**आशीष वशिष्ठ**

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ समय से टकराव गहराता दिख रहा है। बीते लंबे वक्त से यह बहस समय-समय पर उठती रहती है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जज चुने जाने की प्रक्रिया में भयंकर भाई-भतीजावाद है जिसे न्यायपालिका में 'अंकल कल्चर' कहते है, यानी ऐसे लोगों को जज चुने जाने की संभावना ज़्यादा होती है जिनकी जान-पहचान के लोग पहले से ही न्यायपालिका में ऊंचे पदों पर हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए चर्चा में रही कॉलेजियम प्रणाली एक बार फिर सुर्खियों में है। देश की राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता जाहिर की है। बीती 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय.चंद्रचूड़ की उपस्थिति में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा प्रारंभ किए जाने की जरूरत बताते हुए न्यायिक नियुक्ति आयोग के मुद्दे को गर्म कर दिया। राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा कि इससे वंचित पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को मदद मिलेगी। मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के ज्यादातर न्यायाधीश मौजूदा कालेजियम प्रणाली के पक्षधर हैं। राष्ट्रपति ने साफ तौर पर कहा कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिसमें योग्यता आधारित, प्रतिस्पर्धी तथा पारदर्शी चयन प्रक्रिया के जरिए विभिन्न पृष्ठभूमि से आए लोगों का चयन बतौर न्यायाधीश किया जा सके। वर्ष 2021 में भी संविधान दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 'जज का चयन जज' प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया था। राष्ट्रपति ने कहा कि जज के माध्यम से जज के चयन की प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता है। ऑल इंडिया परीक्षा के माध्यम से उच्च पदों पर न्यायाधीशों की नियुक्ति की जा सकती है। इस दौरान कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण के अलावा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश भी मौजूद थे। कॉलेजियम सिस्टम वह प्रक्रिया है जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और तबादले किए जाते हैं। कॉलेजियम भारत के चीफ़ जस्टिस और सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम जजों का एक समूह है। ये पांच लोग मिलकर तय करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट में कौन जज होगा। ये नियुक्तियां हाई कोर्ट से की जाती हैं और सीधे तौर पर भी किसी अनुभवी वकील को भी हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया जा सकता है। हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति भी कॉलेजियम की सलाह से होती है जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चीफ़ जस्टिस, हाई कोर्ट के चीफ़ जस्टिस और राज्य के राज्यपाल शामिल होते हैं। कॉलेजियम बहुत पुराना सिस्टम नहीं है और इसके अस्तित्व में आने के लिए सुप्रीम कोर्ट के तीन फ़ैसले ज़िम्मेदार हैं जिन्हें 'जजेस केस' के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अखिल भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा की तरह ही न्यायिक सेवा के सृजन का जो मुद्दा छेड़ा वह केंद्र सरकार और न्यायपालिका के बीच लंबे समय से तनाव का कारण बना हुआ है। हालांकि किरण रिजजू को कानून मंत्री पद से हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अघोषित युद्धविराम का संकेत दिया था किंतु उसके बाद भी न्यायाधीशों की नियुक्ति में विलंब को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच खटपट होती रही है। अनेक अवसरों पर तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद सरकार ने मजबूरी में नियुक्ति को अंतिम रूप दिया। ऐसा लगने लगा था कि केंद्र सरकार इस विवादास्पद विषय में न्यायपालिका से टकराव को टालना चाह रही है। लेकिन संविधान दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में देश की संवैधानिक प्रमुख द्वारा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष न्यायिक सेवा की आवश्यकता जताने से ये मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। यदि यह बात किसी और ने कही होती तो अब तक मुख्य न्यायाधीश सहित कॉलेजियम प्रणाली के समर्थकों की ओर से जवाब आ चुका होता। हालांकि राष्ट्रपति मुर्मू पर ये आरोप तो लगेगा ही कि उन्होंने सरकार की मंशा को ही जाहिर किया है। किंतु दूसरी तरफ ये भी सही है कि समाज के वंचित कहे जाने वाले वर्ग को न्यायिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का समुचित अवसर नहीं मिल पाता है। भारत में जजों की नियुक्ति के लिए जो कॉलेजियम सिस्टम फिलहाल काम कर रहा है वह परिपाटी विश्व के किसी भी प्रतिष्ठित देश में नहीं है। यह कुछ हद तक राजशाही की याद दिलाता है कि राजा का पुत्र ही राजा होगा। इस सिस्टम के तहत जज ही जजों को नियुक्त करता है। उच्चतर न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति की वर्तमान व्यवस्था न तो संविधानसम्मत है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल। महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने देश में भी 1993 से पहले कॉलेजियम व्यवस्था नहीं थी। 1993 से पहले कानून मंत्रालय ही नाम भेजता था। लेकिन कोर्ट ने संविधान में लिखे शब्द 'कंसल्टेशन' की व्याख्या 'सहमति' के रूप में की यानी विचार-विमर्श को मुख्य न्यायाधीश की 'सहमति' माना गया।

इसके बाद कॉलेजियम व्यवस्था अस्तित्व में आई। उस समय देश की जनता ने इसका विरोध नहीं किया क्योंकि इंदिरा गांधी के समय से ही न्यायपालिका में राजनीति का हस्तक्षेप बढ़ने लगा था और लोग चाहते थे कि न्यायपालिका में राजनीति का हस्तक्षेप न हो। लेकिन अब जबकि कॉलेजियम सिस्टम की बुराइयां उभरकर सामने आ गई हैं- परिवारवाद, आपसी खींचतान, जजों नियुक्ति में देरी, न्यायपालिका में फैसले देने की रफ्तार बेहद सुस्त पड़ने से न्यायपालिका की काफी बदनामी हुई है। कॉलेजियम सिस्टम में कोई सचिवालय और आधिकारिक तंत्र नहीं हैं और तो और इस सिस्टम के तहत जजों की नियुक्ति को लेकर फैसला एक बंद कमरे में किया जाता है।

## अब हम सिर नहीं झुकाएँगे !!!

**डॉ टी महादेव राव**

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। बशीर बद्र जी का यह शेर मुझे भाता आ रहा है। लेकिन इस बीच पत्थर, देवता पर तो काफी कुछ किया,लिखा और समझाया जा चुका है। मेरा ध्यान सिर झुकाने पर आ गया है। सिर झुकाना वर्तमान समय का ऐसा मुहावरा बन गया है कि चाहे वह अखबारों में हो या तथाकथित निष्पक्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो काफी दिनों से शोर मचा रहा है। बड़े भैया ने कह दिया मैंने देशवासियों का सिर झुकने न दिया। अनायास ही वे अपने शासनकाल के सत्यों को उजागर कर गए। 'सच्चाई छुप नहीं सकती' बात है। आपको अचरज होगा ऐसा कौन सा गूढ़ रहस्य है कि इस सिपर जो हल्ला मचाया जा रहा है। तो आइए हम खुलासा करते चलें। आपको शंका करने और हमें समाधान करने के अवसर ही कितने हैं आज के व्यस्त, त्रस्त और सुस्त जिंदगी में। नोटबंदी या डिमॉनेटाइजेशन के पीछे न झुकने देने वाली बात थी। हम अपने पुराने नोटों को बैंकों के आगे कतारों में खड़े होकर नए नोटों में बदलवाने की कसरत कर रहे थे। तब उछल उछल कर देखते थे कि कहीं कोई और बीच लाइन में तो नहीं घुस गया। कभी आसमां पर आग उगलते सूरज की तरफ, तो कभी सामने वाले के कांधे से झांक कर देखते थे कि लाइन चल रही है या नहीं। कैसे सिर झुकाते? भार ढ़ोते-ढ़ोते कांधे जरूर झुक गए लेकिन सिर झुका नहीं। इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की मगज पच्ची की। जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमा की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने। सिर झुकाने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया। जब मुद्रास्फीति या महंगाई आसमान छू रही है, तब हम जमीन पर देखते भी कैसे? तेल, नून, लकड़ी की तर्ज पर तेल, अनाज, सब्जियां, पेट्रोल, डीजल, ईंधन गैस, बिजली का बिल, यातायात के भाड़े ... जब जाकर आसमान में बैठ गए, तो हम हमेशा खुद को आसमान में उड़ते देखते रहे,-- उन चीजों के दामों पर लगाम कसे जाने के लिए। इतना होने के बाद भी जब सुबह उठते हैं तो सूरज को देखते हैं, जो आजकल शासक वर्ग की ज़्यादतियों की तरह आग उगल रहा है। बिजली गुल, पंखे बंद, हाथ पंखों से हवा करते हुए ऊपर देखने के अलावा किया किया जा सकता है? कहीं जाने आने में पांव की जंजीर बनी महंगाई का विकटाट्टहास आसमां में छिपे राक्षसों के स्वर सा सुनाई पड़ता है तो लगता है हम जमीन पर क्यों पैदा हुए? पांव के नीचे की जमीन खिसकती सी लगती है। जब सारा कुछ पहुंच से बाहर है तो सिर झुकाने की फुर्सत किसको है? कौन जुर्रत कर रहा है? अब नया शगल आ गया है। ड्रोन द्वारा गुणवत्ता की जांच। इसके पहले कई वैज्ञानिक खोजों के पितामह बड़े भैया का यह लेटेस्ट तुरुप का इक्का है। ड्रोन देखने के लिए भी तो आपको ऊपर ही देखना होगा। हमेशा कोशिश करते हैं वे कि लोग सिर झुका कर नीचे न देखें। वरना खराब सड़कें, खामियों का खुला आगोश और समस्याओं के पुलिंदे नजर आएंगे। आसमान में महंगाई ने दिन में तारे दिखा दिए।

## हिंसा और आंतकवाद मानसिक विकृति और दिवालियापन

**संजीव ठाकुर**

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है 1 इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं1 यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं1 भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए1आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है।

आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है।

# मार्गशीर्ष मास में ही हुआ था राम-सीता और शिव-पार्वती का विवाह

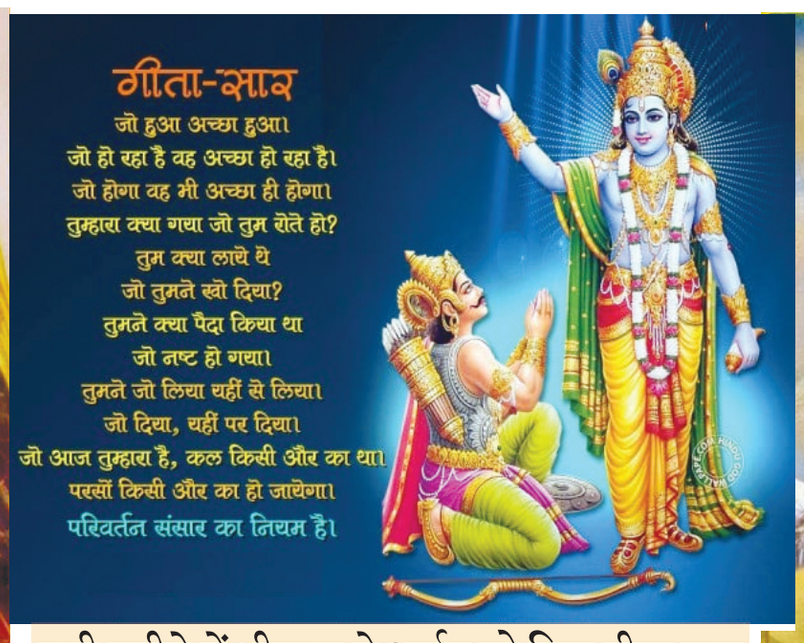


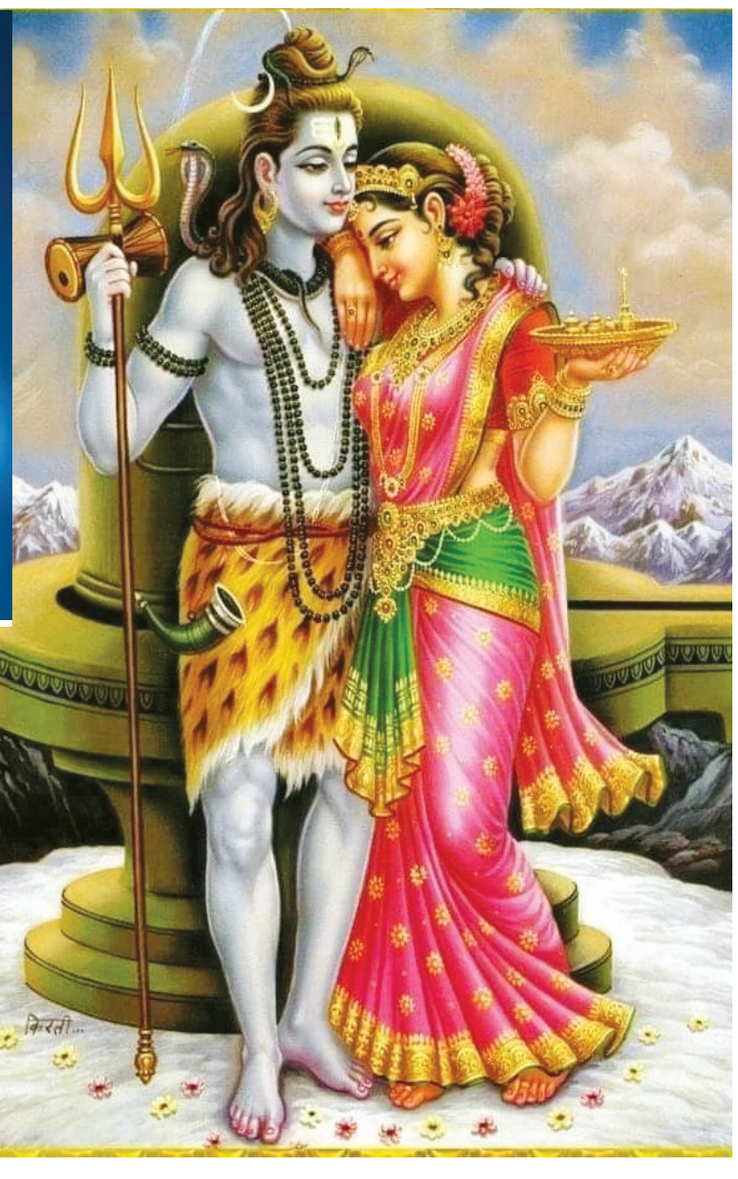

## इसी महीने में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया गीता ज्ञान

अगहन मास 28 नवंबर से 26 दिसंबर तक रहेगा। पुराणों के मुताबिक इस पवित्र महीने में ही शिव-पार्वती और राम-सीता का विवाह हुआ था। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान भी इसी महीने में दिया था। जानकारों का मानना है कि कश्यप ऋषि ने अगहन मास में ही कश्मीर बसाया था और वृंदावन के बांके बिहारी भी इस महीने प्रकट हुए थे।

**अगहन महीने में कृष्ण पक्ष के दूसरे दिन हुआ शिव विवाह, इस बार ये तिथि 29 नवंबर को**

शिव पुराण के 35वें अध्याय में रुद्रसंहिता के पार्वती खण्ड में बताया है कि महर्षि वसिष्ठ ने राजा हिमालय को भगवान शिव-पार्वती विवाह के लिए समझाते हुए विवाह का मुहूर्त मार्गशीर्ष महीने में होना तय किया था। जिसके बारे में इस संहिता के 58 से 61 वें श्लोक तक बताया गया है। शिव पुराण में बताए गए तिथि और महीने के मुताबिक ये दिन इस साल 29 नवंबर, बुधवार को पड़ रहा है। अगहन शुक्ल पक्ष के पांचवे दिन हुआ श्रीराम-सीता का विवाह, ये तिथि 17 दिसंबर को धर्म ग्रंथों के जानकरों के मुताबिक अगहन महीने में ही श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि त्रेतायुग में मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। इस शुभ पर्व पर तीर्थ स्नान-दान और व्रत-उपवास के साथ भगवान राम-सीता की विशेष पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन को विवाह पंचमी भी कहा जाता है।

**अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर अर्जुन को मिला गीता ज्ञान, ये तिथि 23 दिसंबर को**

श्रीमद्भागवत के मुताबिक महाभारत के युद्ध में अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। इसलिए इस तिथि को मोक्षदा एकादशी कहा जाता है। इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है।

**इस बार ये दिन 23 दिसंबर, शनिवार को रहेगा। प्रकट हुए बांके बिहारी, कश्यप ऋषि ने बनाया कश्मीर**

श्रीमद्भागवद्गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है कि सभी महीनों में मार्गशीर्ष महीना उनका ही स्वरूप है। इसी पवित्र महीने में कश्यप ऋषि ने कश्मीर प्रदेश की रचना शुरू की थी। इस महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर वृंदावन के निधिवन में भगवान बांके बिहारी प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन भगवान कृष्ण की बांके बिहारी रूप में महापूजा की जाती है और पूरे ब्रज में महोत्सव मनाया जाता है।

# नर्मदा के हर कंकर में भोलेनाथ का वास! बिना प्राण प्रतिष्ठा के कर सकते हैं पूजा

सनातन धर्म में सदियों से एक परंपरा चली आ रही है, जिसमें हम माता नर्मदा नदी की गहराइयों में मिले हुए कंकड़ों को भगवान भोलेनाथ का एक अंश मानकर अपने घर लाकर उन्हीं पूजा करते है। यह भक्तों और श्रद्धा है जिसमें माता नर्मदा की गहराइयों में मिले कंकड़ों को हम भोलेनाथ का स्वरूप मानकर उनकी पूजा शुरू करते हैं। अगर पौराणिक कथाओं की हम बात करें तो मां नर्मदा को भोलेनाथ की ही पुत्री कहा गया है। इसलिए कहा जाता है की माता गंगा के हर कंकर में भोलेनाथ का वास होता है।

माता नर्मदा में मिले हर कंकर को हम भोलेनाथ का रूप समझ कर उसे क्यों पूजते है, माता नर्मदा में मिले कंकड़ को हम भोलेनाथ का अंश मानते हैं। इसके पीछे एक बड़ी कहानी छुपी हुई है, पौराणिक कथाओं के अनुसार भोलेनाथ की पुत्री होने के बाद भी माता गंगा ने काफी लंबे समय तक भोलेनाथ की कठोर तपस्या की थी जिससे प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने उन्हें वरदान दिया और कहा कि कलयुग में मैं तुम्हारे हर कंकर में वास करूंगा तब से लेकर आज तक माता नर्मदा के हर कंकर में भोलेनाथ वास करते हैं।

**नर्मदेश्वर भोलेनाथ के नाम से जाने जाते हैं यह शिवलिंग**

माता नर्मदा सिमीले हर एक कंकड़ को लोग नर्मदेश्वर शिवलिंग बोलते हैं कहते हैं कि यह भोलेनाथ के ही शिवलिंग है जो भोलेनाथ ने माता नर्मदा

को प्रदान किए हैं जिसकी बिना प्राण प्रतिष्ठा के हम घर ले जाकर इनकी पूजा करते हैं। इन छोटे-छोटे शिवलिंगों को हम नर्मदेश्वर शिवलिंग के नाम से जानते हैं।नर्मदेश्वर शिवलिंगों का शास्त्रों में भी काफी महत्व माना गया है, कहते हैं कि इन शिवलिंगों को घर ले जाकर जो भी श्रद्धा भाव के साथ उनकी पूजा करता है, उनकी मनोकामना आवश्य ही पूरी होती है। माता नर्मदा भोलेनाथ की पुत्री है और उनकी कोख से मिले भोलेनाथ के यह शिवलिंग माता नर्मदा के जल से स्वतः ही प्रतिष्ठित होते हैं। भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए माता नर्मदा का जल हम चढ़ते हैं, इसलिए इन नर्मदेश्वर शिवलिंगों को जो घर ले जाकर उनकी श्रद्धा भाव से पूजा करता है उनकी मनोकामना अवश्य ही पूर्ण होती है।

# अकाल मृत्यु से रक्षा करता है रुद्राक्ष

सनातन धर्म में रुद्राक्ष को शुभ और अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह मान्यता है कि भगवान शंकर के आंसुओं से ही इसकी उत्पत्ति हुई है, जिससे रुद्राक्ष धारण करने वाले व्यक्तियों पर भगवान शिव की कृपा सदैव बनी रहती है। रुद्राक्ष के धारण से लोग संकटों से मुक्ति प्राप्त करते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसे विज्ञान में भी असरकारक माना गया है, क्योंकि रुद्राक्ष एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक होता है, और प्रत्येक मुख का अपना विशेष महत्व होता है।

रुद्राक्ष के महत्व को बेहतर जानकर लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया है। उनका उद्देश्य है कि छपरा जिले के प्रत्येक गांव में कम से कम एक रुद्राक्ष पौधा लगाकर लोगों को इसके धार्मिक और आध्यात्मिक लाभों के साथ मिलकर सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करेगा।

रुद्राक्ष के पौधे लगाने का प्रयास शुरू किया है, और यह सिलसिला अब भी अनवरत जारी है। रुद्राक्ष के पौधे को हरिद्वार से खरीदा जाता

है, जिसकी मूल्य में कमी होने के कारण पहले यह पौधा 700 रुपए में उपलब्ध था, हालांकि अब यह 250 से 300 रुपए में मिलता है। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य है पूरे जिले में रुद्राक्ष के पेड़ों को लगाकर अपने क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना। अजय सिंह ने यह भी साझा किया कि इस पहल से वे पर्यावरण की सफाई और सुरक्षा में रुद्राक्ष का महत्व बता रहे हैं, और इस कारण अब तक 150 से अधिक रुद्राक्ष पौधे लगा चुके हैं। ये पौधे अब पेड़ की आकृति भी ले रहे हैं और उनमें फलन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। छपरा के कोर्ट परिसर में लगाए गए रुद्राक्ष के पेड़ अब फल देने लगे हैं।

**किसी का पहना हुआ रुद्राक्ष कभी नहीं करें धारण**

बृजेश बाबा, जिन्हें मुन्ना पांडे के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि शिव के उपासक, विशेषकर रुद्राक्ष के प्रशंसक, इसे धारण करना पसंद करते हैं। शिव भक्त हमेशा चाहते हैं कि उनके भक्त उनसे अलग न रहें, और इसी कारण रुद्राक्ष को उनके साथ जोड़ते हैं, क्योंकि इसमें शिवजी का ही अंश होता है। उन्होंने बताया कि रुद्राक्ष कई प्रकार का होता है और सभी का अलग-अलग महत्व होता है। बारह मुखी रुद्राक्ष धन प्राप्ति के लिए, एक मुखी रुद्राक्ष सुख-मोक्ष और उन्नति के लिए, त्रिमुखी रुद्राक्ष ऐश्वर्य प्राप्त करने के लिए धारण किया जाता है। रुद्राक्ष को धारण करते समय उनकी मान बनाए रखने के लिए, विधि-विधान का पालन करना भी महत्वपूर्ण है। इसे हमेशा लाल या पीले रंग के धागे में पहनना चाहिए और इसके साथ "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप भी करना चाहिए। किसी भी अन्य किसी का पहना हुआ रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए और कुंडली में अगर अकाल मृत्यु लिखी है तो भी इससे रक्षा होती है।

# कोटा में 1500 साल पुराना भगवान शिव का अनोखा मंदिर, जहां बेटी के साथ विराजते हैं महाकाल

देश प्रदेश में शिव के अनेक प्राचीन और आधुनिक मंदिर है जहां शिव अपने विराट स्वरूप में हैं तो कहीं पूरे परिवार के साथ विराजते हैं, कहीं शिव की महिला मंडल का दृश्य है तो कहीं शिव गहराइयों में अपने दर्शन देते हैं। कहीं अर्धनारेश्चवर हैं तो कहीं शिव पार्वती के मंदिरों में शिव की पूजा अर्चना होती है। लेकिन कोटा में एक ऐसा शिव मंदिर हैं जिसमें शिव के साथ उनकी पुत्री विराजती हैं।

सातवीं शताब्दी में हुआ था इसका निर्माण

भगवान शिव इस मंदिर में अपने पूरे परिवार के साथ विराजते हैं। इसका निर्माण सातवी शताब्दी में हुआ था। इस मंदिर में भगवान भालेनाथ की पुत्री अशोकासुंदरी के दर्शन भी लोगों के जीवन में खुशहाली लाते हैं। इसके साथ ही यहां उनकी पहली पत्नी माता सती भी विराजमान हैं। मंदिर के पुजारी के अनुसार ये मंदिर करीब 1500 साल पहले मौर्य शासन में 738 वीं शताब्दी में बनाया गया था।

भरत भी यहां पैदा हुआ जिससे भारत का नाम

मंदिर की वंशानुगत पूजा अर्चना और सेवा से जुड़े महंत श्याम गिरी गोस्वामी का कहना है कि पुरानी मान्यता यह है कि मंदिर परिसर की जगह पर ऋषि कर्ण का आश्रम हुआ करता था।

इस आश्रम में एक शकुंतला नाम की कन्या रहती थी। उसकी उत्पत्ति विश्वामित्र की तपस्या भंग करने आई मेनका से हुई थी। मेनका इंद्रलोक चली गई, जबकि विश्वामित्र ने इस बालिका को ऋषि कर्ण के आश्रम में छोड़ दिया था। युवावस्था में इस आश्रम में राजा दुष्यंत पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने शकुंतला से गंधर्व विवाह किया और उसके माध्यम से ही पुत्र भरत का जन्म हुआ। उसके नाम से ही देश का नाम भारत हुआ है। भरत के बाद शांतुन, भीष्म, कौरव व पांडव हुए। कौरव पांडव की पिछली पांचवी पीढ़ी से इस मंदिर का इतिहास जुड़ा हुआ है।

कर्ण ऋषि के आश्रम होने के चलते ही इसका नाम बदलते हुए कंसुआ हो गया।

यहां सभी प्रतिमाएं 1500 साल पहले की

इस मंदिर की प्राचीनता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां लगा हुआ शिलालेख कुटिला लिपि में लिखा हुआ है, जिस पर मंदिर का इतिहास है। महंत श्याम गिरी का कहना है कि कर्ण ऋषि आश्रम में संवत 738 यानी कि करीब 1500 साल पहले मौर्य काल के दौरान राजा शिवगण के अधीन आ गया था। इसमें ही मंदिर का निर्माण करवाया गया है। वर्तमान में मंदिर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 1972 में अपने अधीन कर लिया और तब से उन्हीं के अधीन यह मंदिर है। यहां पर पुरातत्व विभाग का स्टाफ मॉनिटरिंग रखता है। मंदिर परिसर में ही गार्डन, कुंड, भैरव मंदिर, हनुमान की प्रतिमा और डेढ़ दर्जन शिवलिंग बने हुए हैं।

**मंदिर की यह है चार खासियत**

1. ये विश्व का अनोखा मंदिर है, जहां पर शंकर भगवान अपने पूरे परिवार के साथ विराजित हैं। इनमें शंकर भगवान के साथ मां पार्वती, पुत्र गणेश व कार्तिकेय, पहली पत्नी और राजा दक्ष की पुत्री देवी सती और पुत्री अशोकासुंदरी शामिल हैं। यह सभी भगवान की प्रतिमा अलग-अलग हैं। साथ ही सभी मंदिर स्थापना के समय की ही है।
2. मंदिर की बनावट और स्थापना इस तरह की है, जब भी सूर्य की पहली किरण आती है तब वह मंदिर के गर्भ गृह में भगवान शंकर का अभिषेक करती है। ऐसा उत्तरायण और दक्षिणायन दोनों समय होता है।
3. मंदिर के गर्भ गृह में तीन नंदी विराजे हुए हैं। इनमें एक विशाल नंदी मंदिर में प्रवेश करते ही गर्भ गृह में विराजित हैं। दूसरे नंदी पर भगवान शंकर विराजे हुए हैं। वहीं तीसरे नंदी भगवान शंकर की प्रतिमा और शिवलिंग के बीच में स्थित हैं। गर्भ गृह में तीन नंदी भी दुनिया के किसी भगवान शिव के मंदिर में नहीं हैं।
4. मंदिर के पुजारी महंत श्याम गिरी गोस्वामी के अनुसार भगवान शंकर की प्रतिमा भी अनूठी है। इसमें भगवान नंदी पर विराजे हुए हैं और उनकी जांघ पर ही माता पार्वती विराजी हुई हैं, जो शंकर भगवान को निहार रही हैं। जबकि शंकर भगवान मंदिर के परिसर में बने शिवलिंग की जलाधारी को देख रहे हैं।

यहां साक्षात प्रकट हुए थे महादेव

महंत श्यामगिरी का कहना है कि यहां भक्तों की रक्षा के लिए भगवान साक्षात प्रकट हुए थे। मंदिर जब बना था तब कोटा शहर नहीं बसा था। करीब डेढ़ सौ साल पहले भी यह पूरा इलाका जंगल जैसा ही था। यहां जंगली जानवरों का खतरा हुआ करता था। राजा महाराजा भी तांगे से ही यहां पर आया करते थे और उनकी सवारियां भी दोपहर में ही पूजा-अर्चना के लिए पहुंचती थी। मंदिर परिसर में अलग-अलग जगह पर शिवलिंग बने हुए हैं। ऐसे करीब डेढ़ दर्जन शिवलिंग अलग-अलग जगह पर विराजित हैं। मंदिर परिसर में ही भैरव नाथ का बड़ा मंदिर बना हुआ है। इसमें एक आदम कद मूर्ति भी विराजित है। पुजारी महंत अनिल गिरी गोस्वामी का कहना है कि यह हाड़ौती का सबसे बड़ा और प्राचीन भैरव नाथ का मंदिर है। इस मंदिर की स्थापना शंकर भगवान के मंदिर के साथ-साथ ही हुई है। बाबा भैरवनाथ इस पूरे परिसर के कोतवाल के रूप में विराजे हुए हैं।

## साल की सबसे बड़ी ओपनिंग कर सकती है 'एनिमल'

### एडवांस बुकिंग से ही कर ली करोड़ों की कमाई

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' अपनी रिलीज के पहले से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. मेकर्स ने वीकेंड पर मूवी के लिए एडवांस टिकटों की बुकिंग शुरू की तो खरीदने वालों की लंबी लाइन लग गई. फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के लिए कई फैंस ने 'एनिमल' के एडवांस टिकट बुक किए, जिसने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म पहले ही 10 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच चुकी है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म ने पहले ही तीन थिएटर सीरीज- पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपोलिस से अनुमानित 5 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो करीब 'एनिमल' के 2779 शो चलाने वाले हैं. बताया जा रहा है कि अब तक 'एनिमल' की करीब 128000 एडवांस टिकटें बेची जा चुकी हैं, ये आंकड़ा और बढ़ सकता है. रिपोर्ट्स में आगे कहा गया है कि फिल्म ने दिल्ली में एडवांस बुकिंग में पहले ही 2 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. पहले दिन से ही दिल्ली एडवांस टिकट बेचने में सबसे आगे रही. फिल्म का ऑल इंडिया कलेक्शन फिलहाल 8.45 करोड़ रुपये है. एक्सपर्स्ट ने भविष्यवाणी की है कि 'एनिमल', जिसे 'ए' रेटिंग दी गई है, बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड बना सकती है. अगर फिल्म पूरे सप्ताह इसी तरह आगे बढ़ती रही, तो यह साल की सबसे बड़ी ओपनिंग में से एक का रिकॉर्ड बना सकती है. 'एनिमल' एक एक्शन फिल्म है जो हिंसक दुनिया में गहराई से उतरती है क्योंकि यह एक बेटे (रणबीर) और उसके पिता, अनिल कपूर द्वारा निभाए गए किरदार के बीच एक विवादित रिश्ता दिखाया गया है.

'कबीर सिंह' फेम संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी हैं. यह फिल्म 1 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. रणबीर को आखिरी बार पर्दे पर श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में देखा गया था. इस रोमांटिक फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ठंडी प्रतिक्रिया मिली. इस बीच रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना फिल्म के प्रमोशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं. सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जहां प्रमोशन इवेंट पर साउथ सुपरस्टार महेश बाबू भी नजर आए और उन्होंने रणबीर कपूर को इंडिया का बेस्ट एक्टर बताया और बॉबी देओल के ट्रांसफॉर्मेशन की जमकर तारीफ की।

## महेश बाबू ने खुद को बताया रणबीर कपूर का सबसे बड़ा प्रशंसक, अभिनेता को दिया 'सर्वश्रेष्ठ कलाकार' का टैग

बॉलीवुड में अपने अभिनय और स्टाइल से फैंस के दिलों में राज करने वाले रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'एनिमल' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फैंस अभिनेता की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच अच्छी खासी लोकप्रियता बटोरी है। 'एनिमल' टीम ने हाल ही में हैदराबाद में एक भव्य प्री-रिलीज के लिए एक इवेंट का आयोजन किया था, जिसमें कई साउथ सितारों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में महेश बाबू ने खुद को रणबीर कपूर का फैन बताया है।

**महेश बाबू ने खुद को बताया रणबीर कपूर का सबसे बड़ा प्रशंसक**

हाल ही में, हैदराबाद के मल्ला रेड्डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में एनिमल के लिए विशेष प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान मंच पर दर्शकों को संबोधित करने का अवसर दिया गया तो सुपरस्टार महेश बाबू फिल्म के मुख्य अभिनेता रणबीर कपूर की प्रशंसा करने से खुद को नहीं रोक सके। महेश बाबू ने रणबीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें इंडस्ट्री का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता बताया है।

**अभिनेता को दिया 'सर्वश्रेष्ठ कलाकार' का टैग**

महेश बाबू ने कहा, ₹मैंने उन्हें यह पहले भी बताया था जब मैं उनसे मिला था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्होंने मुझे गंभीरता से लिया। इसलिए आज इस मंच पर मैं कह रहा हूं कि मैं बहुत बड़ा रणबीर फैन हूं। रणबीर के प्रशंसक और मेरी राय में वह भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता हैं।₹ महेश बाबू के यह शब्द सुनकर रणबीर ने भी उनका धन्यवाद किया। सोशल मीडिया पर अभिनेता का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस भी महेश बाबू की खूब प्रशंसा कर रहे हैं।

**इस दिन रिलीज होगी फिल्म**

बता दें कि इस फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर 'एनिमल' का मुकाबला विक्की कौशल की फिल्म 'सैम बहादुर' से होगा। अब देखना है कि दोनों फिल्मों के क्लैश से इसकी कमाई में कैसा असर होता है।

# एसएस राजामौली के पैर छूने पर ट्रोल हुए रणबीर कपूर, लोग बोले- इसको मूवी चाहिए

**बॉलीवुड में अपने** अभिनय और स्टाइल से फैंस के दिलों में राज करने वाले रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'एनिमल' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फैंस अभिनेता की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच अच्छी खासी लोकप्रियता बटोरी है। 'एनिमल' टीम ने हाल ही में हैदराबाद में एक भव्य प्री-रिलीज के लिए एक इवेंट का आयोजन किया था, जिसमें अभिनेता को निर्देशक एसएस राजामौली के पैर छूते नजर आ रहे हैं।

**एस एस राजामौली के पैर छूने पर ट्रोल हुए रणबीर कपूर**

सोशल मीडिया पर एनिमल की

प्री-रिलीज इवेंट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता रणबीर कपूर को निर्देशक एसएस राजामौली के पैर छूते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को वायरल होते ही रणबीर कपूर ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं। वीडियो में आगे फिर डायरेक्टर ने उन्हें गले लगाया। इस वीडियो को देखने के बाद कई फैंस तो अभिनेता के सपोर्ट में उतरे हैं, लेकिन कई लोग उन्हें ट्रोल करने का कोई मौका भी नहीं छोड़ रहे हैं।

**सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो**

वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। एक यूजर ने रणबीर की तारीफ करते हुए लिखा है कि रणबीर को बड़ों का सम्मान करना आता है। दूसरे यूजर ने लिखा, 'रणबीर हीरो होने के साथ-साथ एक अच्छे इंसान भी हैं।' वहीं, कई लोगों ने अभिनेता को ट्रोल करना भी शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'पैसों के लिए ये लोग कुछ भी करेंगे।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'इसको मूवी चाहिए, स्क्रिप्ट मांग रहा है।' एक और यूजर ने लिखा, 'उनको अपने मतलब के लोगों का सम्मान करना अच्छे से आता है।'

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि इस फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर 'एनिमल' का मुकाबला विक्की कौशल की फिल्म 'सैम बहादुर' से होगा। अब देखना है कि दोनों फिल्मों के क्लैश से इसकी कमाई पर कैसा असर होता है।

# बांद्रा के डबिंग स्टूडियो में दिखे शाहरुख खान 'डंकी' के निर्देशक राजकुमार हिरानी भी आए नजर

**बॉलीवुड के बादशाह** शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'डंकी' को लेकर सुखियों में बने हुए हैं। वहीं अब फिल्म की प्रक्रिया को जल्द ही आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि शाहरुख खान ने फिल्म की डबिंग शुरू कर दी है। दरअसल, अभिनेता को सोमवार देर रात शंकर महादेवन के स्टूडियो में देखा गया। जैसे ही स्टूडियो में उनकी उपस्थिति के बारे में खबर फैली, क्षेत्र के प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए गेट पर इकट्ठा हो गए। इस दौरान किंग खान पूरे काले कपड़े पहने नजर आए।

**राजकुमार हिरानी भी दिखे**

एक सेशन के कुछ देर बाद शाहरुख खान को स्टूडियो छोड़ने के लिए तैयार देखा गया, लेकिन बाहर बड़ी भीड़ जमा होने पर उन्होंने बाहर निकलने के लिए अपने प्लान में बदलाव किया। इस दौरान उन्होंने भीड़ से बचने के लिए काले रंग के छाते के पीछे अपना चेहरा छुपा लिया और लोगों से बचते हुए कार की ओर आ गए। इसी स्टूडियो में फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी को भी देखा गया।

**शाहरुख खान का लुक**

काले ड्रेस के साथ शाहरुख ने अपने बालों को पोनी में बांध रखा था। इस दौरान लोगों ने किंग खान को कभी शाहरुख भैया तो कभी डंकी मैन कहकर बुलाया। अभिनेता का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, फैंस अब बेसब्री से 'डंकी' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

**इस दिन रिलीज होगी 'डंकी'**

वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो 'डंकी' भारत में 22 दिसंबर और दुनिया भर में 21 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'यू' सर्टिफिकेट मिला है। यह 22 दिसंबर को प्रभास और प्रशांत नील की 'सालारः पार्ट वन- सीजफायर' के साथ भी टकराएगी।

# प्रतीक बब्बर को हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही लग गई थी ड्रग्स की लत, मुश्किलों से भरी रही एक्टर की जिंदगी

**बॉलीवुड एक्टर प्रतीक** बब्बर के फैंस उन्हें दिलफेंक एक्टर के तौर पर जानते हैं, जबकि कई लोग उन्हें उनके पिता राज बब्बर के जरिए जानते हैं. जी हां, प्रतीक बब्बर बॉलीवुड के दिग्गज सितारे राज बब्बर और स्मिता पाटिल (दिवंगत) के बेटे हैं. प्रतीक ने अपने करियर की शुरुआत एक सपोर्टिंग फिल्म मेकर के रूप में की और बाद में एक्टिंग फील्ड में एंट्री ली. एक्टर्स फैमिली बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाले के चलते प्रतीख ने भी बॉलीवुड में ही करियर बनाने का ऑप्शन चुना. वो हमेशा अपनी योग्यता के आधार पर सब कुछ करना चाहते हैं और आखिरकार उन्होंने ऐसा किया, लेकिन हममें से बहुत से लोग उनके स्ट्रगल लाइफ के बारे में जानते हैं, जिसे लेकर वो कई बार विवादों में भी फंसे.

**फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं प्रतीक**

प्रतीक बब्बर के पिता राज बब्बर और उनकी दिवंगत मां स्मिता पाटिल ने अभिनेता के रूप में काम किया और पहचान बनाई थी. वहीं उनकी सौतेली मां नादिरा बब्बर भी एक एक्ट्रेस हैं. उनके सौतेले भाई आर्य बब्बर भी बॉलीवुड फिल्म में एक एक्टर के रूप में अपना करियर बना रहे हैं. प्रतीक की बहन जूही बब्बर ने भी बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में बतौर अभिनेत्री काम किया लेकिन उन्हें ज्यादा पॉपुलैरिटी नहीं

मिली. प्रतीक का सिर्फ फिल्मी बैकग्राउंड ही नहीं है, बल्कि वे पढ़ाई में भी काफी थे. उनके नाना-नानी काफी एजुकेटेड और एक्टिव थे. उनके दादा, शिवाजीराव पाटिल एक दिग्गज पॉलीटिशियन थे, और उनकी दादी विद्याताई पाटिल एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं.

**घूमना पसंद है**

प्रतीक बब्बर को छुट्टियों के दौरान ट्रैवलिंग करना, म्यूजिक सुनना और अपने दोस्तों के साथ घूमना पसंद है. एक बार उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह हमेशा अपने दोस्तों के लिए समय निकालते हैं. एक ट्रैवलर होने के नाते, प्रतीक बब्बर को भारत का गोवा और अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर काफी भाता है. इसके अलावा इंडिया के कई और टूरिस्ट प्लेस पर वो जाते रहते हैं. वो खाने-पीने के भी शौकीन हैं, प्रतीक ट्रैवलिंग के दौरान और दोस्तों के साथ बहुत घूमते हैं इसलिए वो हमेशा नए-नए खाने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनका सबसे पसंदीदा रेस्तरां 'पाली विलेज कैफे' है जो मुंबई में है.

**हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान लग गई थी ड्रग्स की लत**

बहुत कम लोग जानते हैं कि प्रतीक बब्बर ने 19 साल की उम्र में अलग-अलग ब्रांड के ऐड में काम किया है. ये वह समय था जब उनका अभिनय के प्रति प्रेम विकसित हुआ और उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू कर दिया. एक्टर ने बहुत ही कम उम्र में ड्रग्स की लत लग गई थी. इस दौरान वो महज हाई स्कूल में पढ़ रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने रिकवरी की नशीली दवाओं की लत से छुटकारा पाने के लिए काफी संघर्ष किया. प्रतीक बब्बर का बचपन बिना मां के बीता क्योंकि उनकी मां स्मिता पाटिल की उन्हें जन्म देते समय ही इस दुनिया के चल बसीं. बाद में उनके पिता राज बब्बर ने नादिरा (अभिनेत्री) से शादी कर ली और फिर उनके पिता के साथ उनके रिश्ते अच्छे नहीं रहे.

# इस एक 'खिताब' को जीतने के बाद बदली ईशा गुप्ता की किस्मत, यह है सुपरहॉट एक्ट्रेस की बॉलीवुड जर्नी

**बॉलीवुड की बोल्ड** बाला ईशा गुप्ता के फैंस के लिए 28 नवंबर का दिन बेहद खास है, क्योंकि इस दिन एक्ट्रेस का जन्मदिन होता है. अपना 38वां जन्मदिन मना रहीं ईशा गुप्ता ने कई बॉलीवुड फिल्मों के अलावा 'आश्रम' जैसी पॉपुलर वेब सीरीज में भी काम किया है. ईशा गुप्ता का नाम सामने आते ही उनके फैंस के दिमाग में एक्ट्रेस का बोल्ड लुक आता है, क्योंकि ईशा अक्सर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. जन्मदिन के मौके पर ईशा गुप्ता को फैंस और बॉलीवुड दोस्तों से जमकर बर्थडे मैसेज मिल रहे हैं. ईशा एक दशक से अधिक समय से इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एक प्रमुख हस्ती रही हैं. उन्होंने 11 साल पहले बॉलीवुड में अपना सफर शुरू किया था.

**मिस इंडिया इंटरनेशनल रह चुकी हैं ईशा**

बहुत कम लोगों को पता है कि ईशा गुप्ता 2007 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद सुर्खियों में आईं. इस ब्यूटी कॉन्टेस्ट ने मनोरंजन की दुनिया में उनकी एंट्री के लिए स्टेज तैयार किया. उनकी खूबसूरती और दिल छू लेने वाली एक्टिंग ने जल्द ही उन्हें फिल्म मेकर्स की पसंदीदा एक्ट्रेस बना दिया. 2012 में, ईशा ने एक्शन थ्रिलर 'जन्नत 2' से सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू किया, जहां उन्होंने डॉ. जान्हवी सिंह तोमर का किरदार निभाया. उनकी एक्टिंग और ब्यूटी ने फैंस के दिलों में अलग जगह बनाई और इस फिल्म से बॉलीवुड में उनके एक शानदार करियर की शुरुआत हुई.

**कैसा रहा ईशा का बॉलीवुड सफर**

'राज 3डी,' 'चक्रव्यूह' और 'रुस्तम' जैसी बाद की फिल्मों में उनके किरदार ने एक एक्ट्रेस के रूप में उनके मल्टी टैलेंट को दिखाया, जिससे उन्हें आलोचनात्मक तारीफ मिली और फैन फॉलोइंग में भी गजब का इजाफा हुआ. अपने अब तक के ग्लैमर जर्नी में ईशा गुप्ता ने न केवल अपने एक्टिंग टैलेंट का प्रदर्शन किया है, बल्कि अपने क्राफ्ट के लिए डेडिकेशन और कमिटमेंट के भी पहचानी गईं. अलग-अलग कैरेक्टर्स को विश्वास के साथ परफॉर्म करने की उनकी क्षमता, चाहे वो इंटेंस ड्रामा, थ्रिलिंग मिस्ट्री, या रोमांटिक फिल्में हों, उन्होंने बॉलीवुड में एक वर्सटाइल एक्टर के रूप में अपनी जगह पक्की की. एक्टिंग के अलावा, ईशा का फैशन सेंस और ऑफ-स्क्रीन प्रजेंस काबिल-ए-तारीफ है. वो कई युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई हैं.

**'आश्रम' में ईशा गुप्ता ने बिखेरा जलवा**

जैसा कि ईशा गुप्ता की लाईफ और अचीवमेंट्स किसी के लिए भी एक प्रेरणा है, उनके फैंस भी हमेशा एक्ट्रेस के अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड रहते हैं. आखिरी बार ईशा गुप्ता, बॉबी देओल के साथ उनकी सुपरहिट वेब सीरीज 'आश्रम' में नजर आईं थीं, जिसमें उन्होंने अपनी बोल्डनेस से सभी को हैरान कर दिया. जन्मदिन के इस स्पेशल डे पर फैंस, चाहनेवाले और पूरा बॉलीवुड ईशा गुप्ता की हैप्पी लाइफ, सक्सेस और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं दे रहा है. हमारी तरफ से भी ईशा गुप्ता को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई.

# रानी मुखर्जी और शाहरुख खान की इस फिल्म को देख लोग लेने लगे थे तलाक, क्या है किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी इन दिनों फिल्म फेस्टिवल के चलते गोवा में हैं जहां उन्होंने फिल्म और इस दौरान हुई वर्कशॉप में कई तरह से अपने विचार रखे. इस दौरान ही उन्होंने 2006 में आई फिल्म 'कभी अलविदा न कहना' को लेकर कई सारे खुलासे किए हैं. आपको बता दें करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहरुख,अभिषेक,रानी, प्रीति ज़िंटा और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे थे. इस दौरान उन्होंने एक मास्टरक्लास में फिल्म कभी अलविदा ना कहना की रिलीज के बाद क्या हुआ था इस बारे में बात की है. अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म ने भारतीय विवाहों के बारे में कई सारे ऐसे मुद्दों पर बात की थी जिसके बारे में भारत के लोग अक्सर बातों नहीं करते थे, लेकिन इस फिल्म ने वो करना सिखा दिया था जिस वजह से कई लोगों के घर टूटे थे. आइए जानते हैं रानी ने इसपर क्या कुछ कहा है.

**कभी अलविदा ना कहना के बाद बहुत सारे तलाक हुए**

रानी मुखर्जी ने 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान करण जौहर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'कभी अलविदा न कहना' को लेकर एक से बढ़कर

एक खुलासे किए. रानी ने कहा 'मुझे लगता है कि कभी अलविदा ना कहना के बाद बहुत सारे तलाक हुए, उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस फिल्म ने कई लोगों की आंखें खोल दीं और उन्होंने खुश होने का फैसला लिया'.

**माया किरदार पर बोली रानी**

रानी ने अपने माया के बारे में बात करते हुए कहा, 'माया के किरदार के बारे में खूबसूरत बात यह है कि वह ऋषि से एक अलग क्षमता और एक दोस्त के रूप में प्यार करती थी और उन्हें शाहरुख के किरदार में वह रोमांस मिला जिसकी उन्हें हमेशा से तलाश थी.' रानी मुखर्जी ने कहा, 'दरअसल, करण जौहर उस समय ऐसी फिल्म बनाने के लिए काफी साहसी थे, जब उन्हें यकीन नहीं था कि क्या हो रहा है. मुझे लगता है कि मजबूत फिल्मों और मजबूत भूमिकाओं के साथ खड़ा रहना जरूरी है.'

समय से आगे थी फिल्म- रानी

रानी ने कहा, 'भारतीय सिनेमा के इतिहास में इसे हमेशा एक ऐसी फिल्म के रूप में याद किया जाएगा जो अपने समय से आगे है.' एक बातचीत के दौरान करण ने आदित्य चोपड़ा के साथ लड़ाई के बारे में खुलकर बात की थी. फिल्म कभी अलविदा ना कहना है में शाहरुख-रानी के बीच इंटीमेट सीन को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ था.

**करण जौहर को पड़ी थी डांट**

करण ने बताया था, 'मैं उस सीक्वेंस की शूटिंग कर रहा था और एक बर्फ से ढके हुए लोकेशन पर था. आदि ने मुझे फोन किया और कहा कि सुनो, मैं पिछले कुछ दिनों से इसके बारे में सोच रहा हूं और यह मेरे दिमाग में यह बात बार-बार आ रही है. मुझे नहीं लगता है कि उन पर बोल्ड सीन फिल्माना चाहिए. मुझे लगता है कि भारत में इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा.' कभी अलविदा ना कहना 2006 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में शाहरुख खान, अभिषेक बच्चन, प्रीति जिंटा और अनुपम खेर जैसे कलाकार नजर आए थे.

# महाराष्ट्र के 17 जिलों में बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद, विपक्ष ने उठाई मुआवजे की मांग

नागपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नागपुर सहित कई जिलों में सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने दो दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी थी। फिलहाल नागपुर शहर, नागपुर जिला सहित अनेक जिलों में सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार आज दिन भर कई जिलों में बारिश होगी। तेज हवा और गरज-चमक के साथ बारिश के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार नागपुर, चंद्रपुर, यवतमाल जिलों में आज यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं विधानसभा में नेता विपक्ष विजय वेडेट्टीवार ने किसानों को मुआवजा देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित इलाकों का वह दौरा करेंगे।

17 जिलों में दो दिनों से हो रही बारिश और ओलावृष्टि की वजह से फसलें तबाह हो गई हैं। महाराष्ट्र में लगभग 90 हजार हेक्टेयर पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। इनमें से सर्वाधिक नुकसान बुलढाणा जिले में हुआ है, जहां लगभग 34 हजार हेक्टेयर की फसलें तबाह हो गई हैं। नासिक और अहमदनगर जिले में अंगूर की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं विदर्भ में मुख्य रूप से अकोला और अमरावती जिले में ओलावृष्टि हुई है।

**लगभग 90 हजार हेक्टेयर खड़ी फसलें बर्बाद**

वहीं कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के

**ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि से ज्यादा नुकसान**

महाराष्ट्र में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कपास तुअर और संतरे की फसलों को नुकसान पहुंचा है। बुलढाणा, नासिक नगर, पुणे, धूलिया, नंदुरबार, अमरावती, अकोला, नागपुर में बारिश कहर देखने को मिल रहा है। खेतों में लगी सब्जियों, फसलों और फलों के लिए ये बारिश काफी नुकसानदेह है। संतरा, मोसंबी आदि के फलों को ज्यादा नुकसान होगा। खेतों में लगी सब्जियों मे गोभी, टमाटर, बैगन, पालक, मेथी और मिर्ची जैसी सब्जियों को भी ज्यादा नुकसान होने की सम्भावना है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि से काफी ज्यादा नुकसान होने की जानकारी आ रही है।

**दो दिसंबर से खराब फसलों का जायजा लेंगे विजय वेडेट्टीवार**

वहीं महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वेडेट्टीवार ने कहा है कि बेमौसम बारिश हो रही है, जिससे किसानों की पूरी फसल नष्ट हो जाएगी। वेडेट्टीवार ने कहा कि किसानों का हाल जानने के लिए वह दो दिसंबर से अकोला, यवतमाल, अमरावती, जालना और वाशिम में फसलों के खराब होने का जायजा लेने के लिए जाएंगे। चार दिवसीय दौरा करने के बाद वह नागपुर में होने वाले शीतकालीन अधिवेशन में यह बात विधानसभा में रखेंगे। साथ ही किसानों को ज्यादा से ज्यादा मुआवजा कैसे मिले इसकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश से खेतों में खड़ी फसल नष्ट हो जाएगी।

## पंजाब में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ, बीएसएफ ने फायरिंग कर खदेड़ा

चंडीगढ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बीएसएफ ने पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ करने वाले ड्रोन पर फायरिंग करके उसे वापस खदेड़ दिया। बीएसएफ ने बाद में एहतियातन सर्च ऑपरेशन चलाया है। बीएसएफ के अनुसार सोमवार की रात गुरदासपुर सेक्टर के अंतर्गत बीओपी साधांवाली पर तैनात 27 बटालियन टीम ने एक ड्रोन भारतीय सीमा में देखा, जिसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग कर दी।इसके बाद ड्रोन की आवाज आनी बंद हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ड्रोन या तो पाकिस्तानी सीमा में लौट गया या फिर कहीं भारतीय सीमा में ढेर हो गया। इसी आधार पर बीएसएफ ने मंगलवार की सुबह सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन भी चलाया। समाचार लिखे जाने तक बीएसएफ को ड्रोन नहीं मिला था। बीएसएफ ने बीते 15 दिनों के भीतर भारतीय सीमा में दाखिल होने वाले 13 पाकिस्तानी ड्रोन पकड़े हैं।

# राशन घोटाला मामले में गिरफ्तार बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की सेहत और बिगड़ी, आईसीयू में किया शिफ्ट

कोलकाता, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को मंगलवार को सेहत बिगड़ने पर एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया। इस महीने की शुरुआत में, गंभीर शारीरिक बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें प्रेसीडेंसी सेंट्रल करेक्शनल होम से अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

**राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगने शुरू**

सूत्रों ने कहा कि मल्लिक, जो राज्य के निवर्तमान वन मंत्री हैं, को आईसीयू में स्थानांतरित करने का निर्णय उनके रक्तचाप के स्तर में गिरावट होने के बाद लिया गया। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं, क्योंकि राशन वितरण मामले की अगली सुनवाई के लिए मल्लिक को इस गुरुवार को कोलकाता की एक विशेष अदालत में पेश किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक, अगली सुनवाई में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को अदालत के सामने महत्वपूर्ण सबूत पेश करने की उम्मीद है कि कैसे मंत्री ने अपनी पत्नी, बेटी, सास और साले सहित परिवार के सदस्यों को कई फर्जी कॉरपोरेट संस्थाओं में घोटाले की रकम को इधर-उधर करने में शामिल किया गया।

**कंपनियों में ससुराल वालों को बनाया निदेशक**

ईडी ने अब तक कुल 10 ऐसी कॉर्पोरेट संस्थाओं का पता लगाया है, जिनमें से मल्लिक के इन करीबी रिश्तेदारों को कभी न कभी निदेशक बनाया गया था। जिन कंपनियों में मंत्री के ससुराल वालों को एक निश्चित अवधि के लिए निदेशक बनाया गया था, वे मुख्य रूप से कोलकाता के व्यवसायी बाकिबुर रहमान से जुड़े थे, जो इस मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले पहले व्यक्ति थे। तीन संदिग्ध कॉर्पोरेट संस्थाएं, जहां मंत्री की सास और बहनोई निदेशक थे, वे हैं श्री हनुमान रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेसियस इनोवेटिव प्राइवेट लिमिटेड और ग्रेसियस क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड।

## कर्नाटक: महिला का शिकार करने वाला बाघ कैद में आया

मैसुरू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बांदीपुर बाघ अभयारण्य में 50 वर्षीय महिला का शिकार करने वाले बाघ को पकड़कर मैसुरू के पास कूर्गल्ली पुनर्वास केंद्र में भेज दिया गया। एक वन अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बाघ ने 24 नवंबर को महिला पर हमला कर दिया था जिसमें उसकी मौत हो गई थी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुभाष मालखेड़े ने बताया, "बाघ की स्थिति ठीक है। उसे बेहोश कर दिया गया है और मैसुरू बचाव केंद्र लाया गया है। चिकित्सक बाघ की देखभाल कर रहे हैं। उसकी स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है।" उन्होंने कहा कि बाघ को पूरी तरह से ठीक होने में कम से कम एक दिन का समय लगेगा। बांदीपुर बाघ अभयारण्य के वन संरक्षक डॉ पी। रमेश कुमार के नेतृत्व में 10 वर्षीय बाघ को पकड़ने का अभियान चलाया गया। वन विभाग के सूत्रों ने कहा कि कर्मचारियों ने बाघ को कैद करने के लिए एक पिंजरे में गाय को रखा और जब वह गाय पर हमला करने के लिए वहां पहुंचा तो उसे बेहोश करके कैद कर लिया गया।

# बारिश के बाद सर्द हवाओं ने पकड़ी रफ्तार

## कितना गिरेगा ठंडी हवाओं का पारा

इंदौर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बारिश के बाद अब सर्द हवाओं की रफ्तार बढ़ने के कारण मौसम ठंडा हो चुका है, जहां लोग इस ठंड के मौसम से निजात पाने के लिए तरह-तरह की कवायद करते नजर आ रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बीच मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आ रहा है, जहां मध्यप्रदेश के मालवा निमाड़ अंचल में भी मौसम का बदलाव देखने मिल रहा है। मंगलवार को अंचल के कई जिलों में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया, जहां कई जिलों में बादल छाए रहे, तो वहीं कई जिलों में ठंडी हवाओं से रफ्तार पकड़ी। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो आने वाले एक-दो दिन तक इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है।

**आगे ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज**

नवंबर के आखिर में बदला मौसम का मिजाज 26 नवंबर के बाद 3 से 4 दिनों तक इसी तरह का बना रहेगा। वहीं इसके बाद धीरे-धीरे मौसम सामान्य होने की तरफ आगे बढ़ेगा। लेकिन जैसे ही बादल छटेंगे, वैसे ही ठंड जोर पकड़ सकती है, और शीतलहर लोगों को परेशान कर सकती है। वहीं यदि किसी तरह का कोई स्ट्रांग सिस्टम बनता है तो एक बार फिर दिसंबर के महीने में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला देखने मिल सकता है।

**एमपी में जमकर हुई बारिश**

मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में रविवार दोपहर से बारिश का सिलसिला जारी है, जहां रविवार दोपहर से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला हमने का नाम नहीं ले रहा। लगातार हो रही भारी बारिश की चलते सड़कों पर जल जमावों की स्थिति पैदा हो गई है, तो वहीं कार्तिक के महीने में सावन जैसी झड़ी लग जाने से लोग परेशान नजर आ रहे हैं। बेमौसम हुई बारिश के चलते ठंड भी अब बढ़ने लगी है, मौसम विभाग की चेतावनी के बाद प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हुआ था, जहां प्रदेश भर में तेज हवा के साथ ठंड का असर देखने को मिला। वहीं प्रदेश के आधा दर्जन जिलों में बारिश भी हुई, जिसके चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

## अवैध रेत खनन मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने ईडी के समन पर लगाई रोक, 21 दिसंबर को होगी अगली कार्रवाई

चेन्नई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य में कथित अवैध रेत खनन की धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी समन पर रोक लगा दी है। दरअसल, यह समन पांच जिला कलेक्टरों को जारी किए गए थे। न्यायमूर्ति एसएस सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने राज्य के सार्वजनिक विभाग के सचिव के।नंथाकुमार द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम रोक लगा दी। हालांकि, पीठ ने कहा कि ईडी राज्य में कथित रेत खनन की अपनी जांच आगे बढ़ा सकती है। सार्वजनिक विभाग के शीर्ष अधिकारी ने अरियालुर, वेल्लोर, तंजावुर, करूर और तिरुचिरापल्ली के जिला कलेक्टरों की ओर से याचिका दायर की। दरअसल, याचिका में ईडी द्वारा जारी किए गए समन को रद्द करने की मांग की गई थी। इसमें उन्हें अपने-अपने जिलों में रेत खनन से संबंधित विवरण के साथ विभिन्न तिथियों पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा गया था।

# पति, पत्नी और आधार कार्ड, कोर्ट ने शादी के रिश्ते में भी बताई प्राइवेसी की अहमियत

बेंगलूरू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने प्राइवेसी की अहमियत समझाते हुए एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद पत्नी भी अपने पति के आधार की जानकारी हासिल नहीं कर सकती। सबकी अपनी प्राइवेसी होती है और इसका हनन नहीं किया जा सकता है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी केवल शादी का हवाला देकर अपने हसबैंड के आधार कार्ड (यूआईडी) की जानकारी नहीं ले सकती हैं। जस्टिस एस सुशील दत्त यादव और विजयकुमार ए पटेल की बेंच ने कहा कि शादी हो जाने से किसी की प्राइवेसी खत्म नहीं हो जाती। सभी को इसका पालन करना चाहिए और इसकी अहमियत को समझना चाहिए।

**क्या है पूरा मामला?**

हुबली की एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ये फैसला सुनाया। यह महिला अपने अलग हो चुके पति के आधार नंबर, इनरोलमेंट डिटेल्स और फोन नंबर का जानकारी हासिल करना चाहती थी। उसका कहना था कि उसका पति इस समय कहां रह रहा है, इसका कोई अता पता नहीं है। वह फैमिली कोर्ट के आदेश को उस तक नहीं पहुंचा पा रही है। महिला इस डिटेल्स के लिए यूआईडी एआई के पास पहुंची थी और पूरे डिटेल्स की मांग की थी लेकिन यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने महिला का मांग को खारिज कर दिया है। यूआईडी एआई ने कहा कि इसके लिए हाईकोर्ट के आदेश की दरकार होगी। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

**डिविजनल बेंच ने क्या कहा?**

सुनवाई के दौरान डिविजनल बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी जानकारी के खुलासे से पहले दूसरे व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि दो लोगों की शादी किसी के प्राइवेसी को खत्म नहीं कर सकती है। हालांकि, डिविजनल बेंच बाद में इस मामले को सिंगल बेंच के पास भेज दिया। सिंगल बेंच ने आठ फरवरी 2023 को यूआईडी एआई को महिला के पति को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। इसके साथ ही महिला के आवेदन को आरटीआई एक्ट के तहत कंसीडर करने के लिए कहा।

**2005 में हुई थी दोनों की शादी**

बता दें कि दोनों की शादी नवंबर 2005 में हुई थी और उनकी एक बेटी भी है। रिश्ते में खटास की वजह से पत्नी ने कानूनी कार्रवाई की शुरुआत की थी। फैमिली कोर्ट ने गुजारा भत्ता के रूप में पत्नी के लिए 10 हजार और बेटी के लिए 5 हजार रुपये अलग से दिए जाने की बात कही थी।

# बालाघाट डाक मत पत्र मामले में कलेक्टर बोले

## एआरओ को सस्पेंड किया, रिपोर्ट भोपाल भेजी, यह बताई वजह

भोपाल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में काउंटिंग से पहले डाक मत पत्र को गिनने संबंधी वीडियो मामले में एआरओ हिम्मत सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले की जांच रिपोर्ट बनाकर जिला कलेक्टर डॉ। गिरीश कुमार मिश्रा ने भोपाल भेजी हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश कांग्रेस ने वीडियो के साथ मुख्य निर्वाचन पदधिकारी अनुपम राजन को शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने डाक मत पत्र की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसके बाद भोपाल मुख्यालय से बालाघाट जिला निर्वाचन पदाधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी। अब कलेक्टर ने मामले में प्रारंभिक रिपोर्ट बनाकर भेज दी हैं। डॉ। मिश्रा ने बताया कि डाक मत पत्र आने पर उनको विधानसभा वार रखा जा रहा था। इसके लिए फोन पर आरओ की अनुमति से सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूचना दी गई थी। इसके लिए समय दोपहर तीन बजे तय था।

एआरओ हिम्मत सिंह ने तय समय से पहले 1.29 बजे ही स्ट्रांग रूम को खोलकर डाक मत पत्र रखने की कार्रवाई शुरू कर दी। उनके द्वारा समय से पहले स्ट्रांग रूम खोलने की सूचना आरओ को भी नहीं दी गई। इस लापरवाही पर उनको सस्पेंड किया गया है। डॉ। मिश्रा कहना है कि डाक मत पत्र की विधानसभार शॉटिंग कर रखने की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग उपलब्ध है। उस समय सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। डाक मत पत्रों को रखने के बाद पंचनामा बनाकर स्ट्रांग रूम को बंद किया गया। इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट बनाकर हमने भोपाल मुख्यालय को भेज दी है। अब आयोग के निर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## पहले बनाया वीडियो, फिर पूरे परिवार ने एक साथ कर लिया सुसाइड

बेंगलूरू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुरु जिले के सदाशिवनगर इलाके में आत्महत्या के एक संदिग्ध मामले में एक ही परिवार के 5 सदस्य मृत पाए गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आर्थिक समस्याओं और कर्जदाताओं के उत्पीड़न को आत्महत्या का कारण माना जा रहा है। मृतकों की पहचान गरीब शाब (46), सुमैया (33), हजीरा (14), मो। सुभान (11) तथा मो। मुनीर (9) के रूप में हुई है। पुलिस को गरीब शाब द्वारा फंदा लगाकर आत्महत्या करने से पहले रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो भी मिला है, जिसमें उन्होंने राज्य के कर्जदाताओं पर परेशान करने का लगाया आरोपगृहमंत्री जी। परमेश्वर और पुलिस अधिकारियों से उन लोगों को दंडित करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर किया है। शाब ने वीडियो में कहा है कि वह तुमकुरु के शिरा तालुक के लक्केनहल्ली गांव का रहने वाला है तथा अपनी आजीविका के लिए' कबाब' बेचता था । शाब बेहद गरीबी में जी रहा था और उसने कई लोगों से पैसे उधार लिए थे। ऋणदाता कथित तौर पर उसे और उसके परिवार के सदस्यों को परेशान करते थे।

# घरेलू काम के लिए नाबालिग को रखा घर, फिर ढाए ऐसे ऐसे जुल्म, जानकर कांप जाएगी रुह

चंडीगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)। में एक नाबालिग के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। साथ रहने और पढ़ाई-लिखाई का खर्च उठाने की बात कहकर एक गरीब परिवार की 16 साल की बेटी को कैद कर बुरी तरह पीटा गया और परिवार से नहीं मिलने दिया गया। सेक्टर 34 थाना पुलिस ने सेक्टर-46सी की एक महिला और उसके भाई मनमीत सिंह के खिलाफ आपराधिक मुकद्दमा दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने कैद में रखने, जानबूझकर चोट पहुंचाने, धमकाने और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75, 79 समेत चाइल्ड लेबर एक्ट की धारा 14(1ए) के तहत कार्रवाई की है। श्री मुक्तसर साहिब की रहने वाली बच्ची की मां ने कोठी की मालकिन महिला और उसके भाई के खिलाफ 25 नवंबर को सेक्टर-34 थाने में शिकायत दी थी। इसके बाद बच्ची का सेक्टर-45 अस्पताल में मेडिकल करवाने के बाद डॉक्टरों ने उसे जीएमसीएच-32 रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जबकि उसके भाई की तलाश जारी है। शिकायतकर्ता ने चंडीगढ़ में घरों में खाना बनाने वाली अपनी भाभी के कहने पर सेक्टर-46सी में उसके पुराने मालिक के घर 11 महीने पहले अपनी बेटी को भेजा था। उसे बताया गया कि कोठी मालकिन रजनी मोंगा घर में अकेली रहती है। उसके साथ रहने के लिए एक लड़की चाहिए। वह उसकी पढ़ाई का खर्च भी उठाएगी। घर से जाने के दो-तीन महीने के बाद उनकी बेटी से बातचीत होनी बंद हो गई। रजनी मोंगा ने भी उनकी बेटी से बात नहीं करवाई। जब शिकायतकर्ता अपने बेटे के साथ बेटी से मिलने आई तो मिलने नहीं दिया गया और कहा कि कुछ दिन बाद आना। जब मां अपनी बेटी से मिलने पहुंची तो उनकी 16 वर्ष की बेटी की रोने की आवाजें आईं। सामने आने पर पीड़िता ने बताया कि रजनी और मनमीत उसे मारते-पीटते हैं। दोनों उससे मारपीट करते थे। कोई पढ़ाई नहीं करवाते। कई बार खाना भी नहीं देते थे। उसे जहां डॉग को बांधते थे, वहां सुलाते थे। घर जाने की बात कहने पर कमरे में बंद कर देते थे और घर का जबरन काम करवाते थे। पीड़िता ने कहा कि मनमीत उसे लात और मुक्के मारता था।

# खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला के गुर्गों को रिमांड पर भेजा, पुलिस से हुई थी मुठभेड़

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद मंगलवार को गैंगस्टर से आतंकी बने अर्शदीप सिंह उर्फ डल्ला के सहयोगियों और शूटरों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल से मिली जानकारी के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह डल्ला के सहयोगी राजप्रीत सिंह उर्फ राजा उर्फ बम्ब, सचिन भाटी, अर्पित और सुनील प्रधान को चार दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया गया।

मुठभेड़ में घायल वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। बीते रविवार की आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से मयूर विहार का इलाका गूंज उठा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर से आतंकी बने अर्शदीप सिंह उर्फ डल्ला के दो शूटरों को घेर लिया था। खुद को फंसता देख दोनों शूटरों ने पुलिस पर फायरिंग कर

दी थी। पुलिस की गोलीबारी में एक शूटर की टांग में गोली लगी थी। जिससे वह घायल हो गया था। बाद में घायल शूटर को एलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के बाद दोनों की छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

**पकड़े गए आरोपियों के पास से हथियार और सामान बरामद**

पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव गिल निवासी राजप्रीत सिंह उर्फ राजा उर्फ बम (25) और वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी (22) के रूप में हुई। गोली वीरेंद्र को लगी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, रिवाल्वर, 13 कारतूस, एक हैंड ग्रेनेड और बाइक बरामद की है।

**पंजाबी गायक एनी मंगत की हत्या की थी साजिश**

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजप्रीत और वीरेंद्र ने खुलासा किया है कि उनको अर्शदीप उर्फ डल्ला की ओर से पंजाब के मशहूर सिंगर एनी मंगत की हत्या का आदेश मिला था। इसके लिए दोनों ने अक्तूबर में प्रयास भी किया था, लेकिन खुशकिस्मती से एनी मंगत अपने घर पर मौजूद नहीं था। दोनों पहले भी कई वारदात में शामिल रहे हैं।

**कौन हैं पकड़े गए दोनों आरोपी शूटर**

राजप्रीत अर्शदीप उर्फ डल्ला का बेहद करीबी शूटर है। पंजाब पुलिस को गांव जागरां, पंजाब में हुई एक हत्या के मामले में तलाश थी। इसने अपने साथियों के साथ मिलकर जनवरी में एक युवक की हत्या कर दी थी। इसके अलावा वह वर्ष 2017 में पंजाब के फिरोजपुर में हत्या के प्रयास के मामले में शामिल रहा था। इसने अपने दोस्त पोपल के कहने पर विनय बजाज नामक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया था। तीन साल जेल में बिताने के बाद यह पेरोल पर जेल से बाहर आया। इसके बाद यह गायब हो गया। वहीं विरेंद्र भी अर्शदीप का काफी करीबी है। रंगदारी न देने पर इसने पंजाब की मोड, मंडी एरिया में एक ज्वेलर पर गोली चलाई थी।

## जबलपुर में युवक को 8-9 बदमाशों ने घेरा, बीच सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर चाकुओं से गोदकर मार डाला

जबलपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में बेखौफ बदमाशों ने एक युवक की चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी। आरोपियों ने शहर के बीचों-बीच युवक को सड़क पर दौड़ाकर मौत के घाट उतार दिया। 8 से 9 बदमाशों ने सिविक सेंटर के भारत माता चौक पर घटना को अंजाम दिया चाकूबाजी की पूरी घटना मोबाइल कैमरे में कैद हुई है। मृतक का नाम मोहम्मद मुशाहिद बताया जा रहा है। 17 साल का मुशाहिद लकडगंज बेलबाग का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि लड़कों-लड़कों की लड़ाई में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। हमने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना कर दी है। वहीं मृतक के साथी सोहेल खान ने बताया कि हम लोग सिविक सेंटर से चाय पीने जा रहे थे, तभी वहां कुछ लोग सिगरेट पी रहे थे।

# कोल्लम में ट्यूशन जा रही बच्ची का अपहरण

## मंगलूरु में अलग-अलग समुदाय के जोड़े को रोकने वाले गिरफ्तार

कोल्लम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के ग्रामीण कोल्लम जिले के पूयापल्ली में ट्यूशन जा रही छह वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया गया। यह घटना सोमवार की शाम की है, जब बच्ची अपने भाई के साथ ट्यूशन जा रही थी। पुलिस ने बच्ची की तलाशी शुरू कर दी है। हालांकि, बच्ची की मां को अपहरणकर्ता ने फोन कॉल कर फिरौती की मांग की है। लड़की की मां ने बताया कि उनसे फिरौती के तौर पर पांच लाख रुपये की मांग की गई है। पुलिस ने इस मामले की जांच के तहत तिरुवनंतपुरम में एक कार वॉश सेंटर में तलाशी ली। मंगलूरू में सोमवार को बाइक पर जा रहे दो अलग-अलग समुदाय के एक पुरुष और एक महिला को रोककर उनसे पूछताछ करने के आरोप में दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान अक्षय राव और शिबिन पडिक्कल के तौर पर की गई है। दोनों पीड़ित एक ही दफ्तर में काम करते हैं और मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी दोनों पीड़ित को बाइक से पीछा कर रहा था। इम मामले में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है। बांदीपुर टाइगर रिजर्व के हेदियाला रेंज में 50 वर्षीय महिला को मारने वाले 10 वर्षीय बाघ को सफलतापूर्वक 28 नवंबर को पकड़ लिया गया है। बताया जा रहा कि बाघ पूरी तरह से स्वस्थ है और उसे कूर्गल्ली पुर्नवास केंद्र में भेजा गया है।

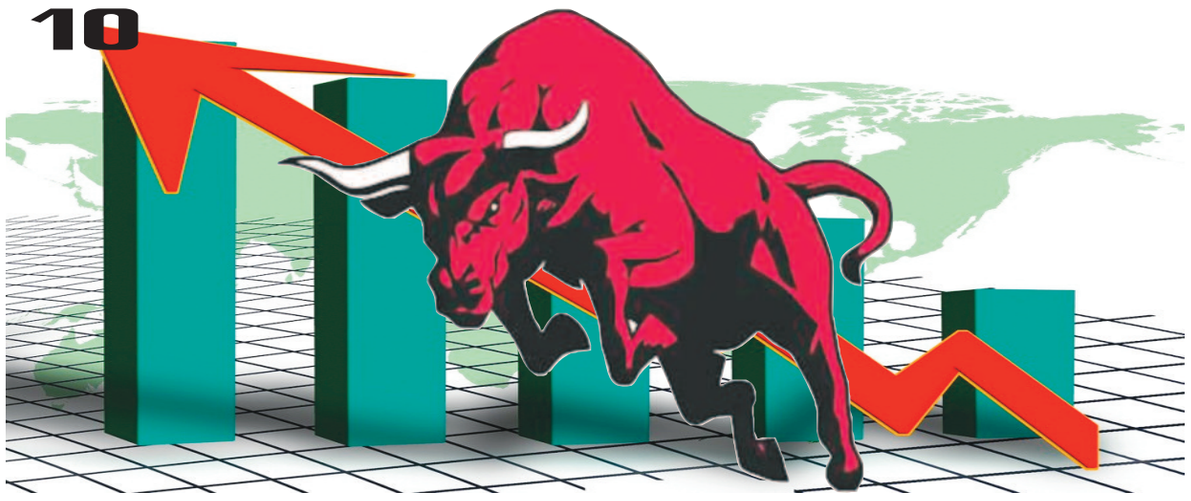

# चाइनीज फूड की बदलेगी तस्वीर, जैक मा कर रहे हैं बड़ी तैयारी!

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कभी चीन और एशिया के सबसे अमीर कारोबारी रहे जैक मा किसी परिचय के मोहताज नहीं है।चीन में टेक सेक्टर के पॉस्टर बॉय कहे जाने वाले जैक मा ने अलिबाबा जैसी बड़ी कंपनी अपने दम पर खड़ी की।करोड़ों रुपया दान किया।उसके बाद भी जमीन से जुड़े रहे। बीच में एक तरह से गायब होने वाले जैक फिर से चर्चा में है।

जैक ने जिस तरह से सिर्फ चीन में ही नहीं बल्कि पूरे एशिया में टेक सेक्टर को बदलकर रख दिया था।अब वो फूड सेक्टर की सूरत बदलने वाले हैं।अलीबाबा के फाउंडर जैक मा ने फूड बिजनेस में कदम रख दिया है।इसका मतलब है कि चाइनीज फूड की तस्वीर बदलने वाली हैं।इसके लिए जैक ने पूरी तैयारी कर ली है।आइए आपको भी बताते हैं।

**जैक मा ने शुरू किया नया बिजनेस**

अलीबाबा की साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने आधिकारिक नेशनल इंटरप्राइज क्रेडिट इंफॉर्मेशन पब्लिसिटी सिस्टम, एक कॉर्पोरेट रजिस्ट्री का हवाला देते हुए बताया कि जैक मा ने हांग्जो शहर में "हांग्जो मा किचन फूड" नाम की एक कंपनी शुरू की।खास बात तो ये है कि इसी शहर से उन्होंने अलीबाबा की शुरूआत की थी और इस कंपनी का हेडक्वार्टर भी इसी शहर में है।यह शहर जैक मा का गृहनगर भी है।साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार जैक मा ने इस बिजनेस में 10 मिलियन चीनी युआर यानी 1.4 मिलियन डॉलर यानी 12 करोड़ रुपए का निवेश किया है।हांग्जो मा किचन फूड पूरी तरह से जैक मा के इंवेस्टमेंट व्हीकल, हांग्जो डेजिंगटौ के स्वामित्व में है।एससीएमपी के अनुसार, कंपनी प्री-पैकेज्ड फूड की सेल और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स की प्रोसेसिंग और सेल्स में शामिल है।

**एग्रीकल्चर सेक्टर पर गया**

जब जैक मा के बिजनेस पर सरकार की कार्रवाई हुई।उसके बाद से उनका इंट्रस्ट एग्रीकल्चर की ओर गया।वास्तव में जैक मा ने साल 2020 में चीन की फाइनेंशियल रेगुलेटरी सिस्टम की आलोचना शुरू कर दी थी। जिसके बाद चीन की सरकार जैक मा से काफी नाराज हो गई थी।सरकार की ओर से उनके बिजनेस में कार्रवाई शुरू कर दी।जिसके बाद जैक मा दो साल तक गायब ही हो गए।उनकी निजी संपत्ति भी डूब गई और उनकी कंपनियों को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ।उसके बाद से जैक मा काफी कम दिखाई देते हैं और लो प्रोफाइल में रह रहे हैं।टेक टाइटन जैक मा को अपने मुखर और तेजतर्रार व्यक्तित्व के लिए जाना जाता है।

**एग्रोटेक का अध्ययन**

पिछले कुछ वर्षों में, वह एग्रोटेक का अध्ययन करते हुए दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं।अक्टूबर 2021 में, जैक मा स्पेन में एग्रीकल्चर और इंवायरनमेंटल इश्यू से संबंधित टेक्ननोलॉजी के बारे में सीख रहे थे।उन्होंने एग्रोटेक का अध्ययन करने के लिए नीदरलैंड, जापान और थाईलैंड की भी यात्रा की है।मई में, टोक्यो कॉलेज ने घोषणा की कि जैक मा टिकाऊ कृषि और खाद्य उत्पादन पर शोध करते हुए एक शिक्षण पद संभालेंगे।

जनवरी में, वह थाईलैंड में थे, जहां उन्होंने एक प्रमुख एनिमल फीड प्रोड्यूसर, चारोएन पोकफंड ग्रुप के अध्यक्ष, सुपाकिट चेरावनोंट के साथ खाना खाया।जैक मा 2019 में अलीबाबा से रिटायर हुए।

# अर्सेलर मित्तल दक्षिण अफ्रीका में स्टील से जुड़ा कारोबार बंद करेगी 3500 लोगों की जाएगी नौकरी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आर्सेलर मित्तल की दक्षिण अफ्रीका स्थित इकाई ने मंगलवार को कमजोर मांग और नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बुनियादी ढांचे की समस्याओं के कारण देश में इस्पात कारोबार को बंद करने की योजना बनाने की बात कही है। कंपनी के अनुसार स्टील कारोबार का परिचालन बंद होने से 3,500 नौकरियां जा सकती हैं। कंपनी की लंबी इस्पात इकाई निर्माण, खनन और विनिर्माण क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली बाड़ लगाने की सामग्री, रेल, छड़ और बार का उत्पादन करती है। आर्सेलर मित्तल फाउंड्री, फ्लैट स्टील और ट्यूबलर उत्पाद भी बनाती है। दुनिया की नंबर 2 स्टील निर्माता आर्सेलर मित्तल की दक्षिण अफ्रीकी इकाई ने कहा कि अफ्रीका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था में इस्पात की खपत पिछले 7 वर्षों में 20% गिर गई है। इसका सबसे बड़ा कारण बुनियादी ढांचे पर किया गया सीमित खर्च और परियोजनाओं में देरी है।

आर्सेलर मित्तल साउथ अफ्रीका ने एक बयान में कहा कि दक्षिण अफ्रीका में रेल लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याओं और गहराते बिजली संकट ने व्यवसाय लागत बढ़ा दी है। कंपनी ने कहा, "इन परिस्थितियों में आर्सेलर मित्तल दक्षिण अफ्रीका बोर्ड और प्रबंधन के पास कंपनी के लॉन्स कारोबार को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।आर्सेलर मित्तल दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि प्रभावित होने वाले 3,500 नौकरियों में पूर्णकालिक कर्मचारी और ठेके पर काम करने वाले कर्मी शामिल हैं।

# अरहर दाल की बढ़ती कीमतों से जनता परेशान

## सरकार ने बनाया राहत का ये मेगा प्लान; नीचे आएंगे दाम

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दालों की महंगाई दर से आम जनता जूझ रही है और अरहर दाल इसका सबसे ताजा उदाहरण है।अरहर दाल या तुअर दाल जिसे तूर दाल भी कहते हैं, इसकी खपत देश में सबसे ज्यादा होती है क्योंकि ये उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत में समान रूप से पसंद की जाती है।

हालांकि परेशान करने वाली बात ये है कि पिछले कुछ समय से इस दाल की कीमतों में 40 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखा जा चुका है।अब केंद्र सरकार इस बारे में जनता को राहत दिलाने के लिए ऐसा कदम उठाएगी जिससे आने वाले समय में अरहर दाल के दाम नीचे आएंगे और कीमतों पर काबू पाया जा सकेगा।

**अरहर दाल की खरीदारी बढ़ाएगी सरकार**

अंग्रेजी समाचार पत्र इकोनॉमिक टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक इस महंगी दाल से लोगों को निजात दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने फैसला लिया है कि वो अपनी अरहर दाल की खरीद को बढ़ाएगी।खबर के मुताबिक एक सीनियर अधिकारी ने इस बात को कहा है कि केंद्र सरकार जल्द ही तुअर दाल की सरकारी खरीद को बढ़ाकर 8-10 लाख टन करने जा रही है जबकि पहले सरकारी खरीद का टार्गेट इतना नही था।प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड के जरिए ये

दाल खरीदारी मार्केट रेट पर की जाएगी जिससे दाल किसानों को ज्यादा दाल पैदा करने के लिए प्रोत्साहन मिल सकेगा।ये खरीदारी सीधा किसानों से होगी और एनसीसीएफ के जरिए की जाएगी।जैसे ही खरीफ की फसल बाजार में आने लगेगी ये अतिरिक्त दाल खरीदारी चालू हो जाएगी।

**क्यों आसमान पर पहुंची अरहर दाल की महंगाई**

दरअसल इस साल अरहर दाल की पैदावार में गिरावट दर्ज की गई है।इस दाल का उत्पादन कम रहने का असर इसकी सप्लाई में कटौती का कारण बना है जिसके चलते अरहर दल के दाम आसमान पर पहुंच गई क्योंकि मांग में तो कोई कमी नहीं आई।जो तूर दाल पिछले साल 110-112 रुपये प्रति किलो के दायरे में थी वो इस साल 158 रुपये प्रति किलो के रेट पर जा पहुंची है और इसके पीछे दलहन उत्पादों की महंगाई में इजाफा भी बड़ा कारण है।

# फॉक्सकॉन ने भारत में 1.5 अरब डॉलर निवेश करने का किया एलान, कंपनी ने 'मेक इन इंडिया' पर कही यह बात

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन ने दक्षिण एशियाई बाजार में राजस्व बढ़ाने के बाद भारत में 1.54 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। फॉक्सकॉन ने ताइवान में शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि इस निवेश से उसे परिचालन जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस निवेश का एलान ताइवान की कंपनी की ओर से अगले साल तक भारत में अपने कार्यबल और निवेश को दोगुना करने की योजना सार्वजनिक करने दो महीने बाद हुआ है।

**एपल सहित कई तकनीकी दिग्गज कंपनियों के साथ काम करता है फॉक्सकॉन**

फॉक्सकॉन एपल सहित कई नामी-गिरामी तकनीकी दिग्गज कंपनियों के साथ विनिर्माण का काम करती है। कंपनी भारत में संयंत्रों को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है क्योंकि कई तकनीकी दिग्गज अपने विनिर्माण एक हिस्सा भारत में स्थानांतरित करना चाहते हैं। जानकार इसे चाइना प्लस वन नीति का हिस्सा मानते हैं।

**कंपनी चीन के बाद अब भारत में विनिर्माण गतिविधियों पर कर रहा फोकस**

फॉक्सकॉन, जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी ईएमएस (इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विसेज) प्रदाता कंपनी है। कंपनी ने चीन में 2001 से 2017 के दौरान चीन में बड़े पैमाने पर निवेश किया हालांकि अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने के बाद 2018 से इसमें नरमी आई है। भारत में तीन विनिर्माण परिसरों का संचालन करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने इस साल की शुरुआत में वेदांता के साथ 19.5 अरब डॉलर के चिपमेकिंग के संयुक्त उद्यम से अपने हाथ खींच लिए थे। हालांकि कंपनी ने यह कहा था कि वह भारत में अपना काम जारी रखेगा और वह भारत की महत्वकाक्षाओं के प्रति आश्वस्त है।

# गौतम अडानी के लिए सबसे बड़ा दिन

## ढाई घंटे में कर डाली 1.15 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अडानी-हिंडनबर्ग केस में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने अपना मत रखा था।उसी दिन से कयास लगाए जा रहे थे कि जिस दिन भी शेयर बाजार खुलेगा, उस कंपनियों के शेयर रॉकेट बन जाएंगे।मंगलवार को कुछ ऐसा ही देखने को मिला।अडानी ग्रुप कंपनियों के शेयरों में 4 फीसदी से 20 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली।सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा था कि अडानी ग्रुप के खिलाफ मार्केट रेगुलेटर सेबी की जांच की पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।इस तेजी की वजह से अडानी ग्रुप के मार्केट कैप में 1.15 लाख करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अडानी ग्रुप की कौन-कौन सी कंपनियों में कितना इजाफा हुआ और किस कंपनी के मार्केट कैप में कितनी बढ़ोतरी देखने को मिली।

**अडानी ग्रुप के शेयरों पर बरसा पैसा**

अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर में करीब 10 फीसदी का इजाफा देखने को मिला और कंपनी के मार्केट कैप में 26,712.33 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली. अडानी पोर्ट एंड एसईजेड के शेयर में 6.32 फीसदी का इजाफा देखने को मिला और कंपनी का मार्केट कैप 10,704.8 करोड़ रुपए बढ़ गया।अडानी पॉवर के शेयर में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई और कंपनी का शेयर 12.62 फीसदी तक बढ़ गया।कंपनी के मार्केट कैप में 19,323.27 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 19 फीसदी फीसदी तक भाग गए और मार्केट कैप में 15,092.62 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर भी कारोबारी सत्र के दौरान 14.58 फीसदी तक भागे और कंपनी के मार्केट कैप में 21,633.12 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला.अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा 20 फीसदी का इजाफा देखने को मिला और कंपनी का मार्केट कैप 11,772.49 करोड़ रुपए तक बढ़ गया। अडानी विल्मर के शेयर में 10 फीसदी का सर्किट लग गया।जिसकी वजह से कंपनी का मार्केट कैप 4,113.49 करोड़ रुपए तक बढ़ गया। सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटिड के शेयर में भी 4 फीसदी की तेजी देखने को मिली और कंपनी का मार्केट कैप 1,335.17 करोड़ रुपए तक बढ़ गया। सीमेंट कंपनी अंबूजा सीमेंट के शेयर में 5 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।कंपनी के मार्केट कैप में 4,120.22 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली। ग्रुप की मीडिया कंपनी एनडीटीवी के शेयर में 11 फीसदी की तेजी देखने को मिली।कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का मार्केट कैप 146.03 करोड़ रुपए बढ़ गया. अडानी ग्रुप के मार्केट कैप में मंगलवार को बड़ा इजाफा देखरने को मिला है।आंकड़ों के अनुसार ग्रुप का मार्केट कैप 1,14,953.54 करोड़ रुपए बढ़ा है।

# दिसंबर महीने में 18 दिन बंद रहेंगी बैंक शाखाएं, ऑनलाइन सेवाओं के जरिए चलाना पड़ेगा काम

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिसंबर 2023 की छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार दिसंबर महीने में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में साप्ताहिक रविवार और महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को मिलने वाली छुट्टियां शामिल हैं। इन में से कुछ छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र के लिए ही हैं। हालांकि 18 दिनों की इन छुट्टियों के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। ग्राहक इनके जरिए अपने बैंकिंग से जुड़े काम निपटा सकेंगे। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के अनुसार सभी बैंक छुट्टियों को चार अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया जाता है। ये वर्ग हैं रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट के तहत मिलने वाली छुट्टियां, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत मिलने वाली छुट्टियां, बैंकों के खाते क्लोज करने से संबंधित छुट्टियां और राज्यों की ओर से निर्धारित बैंक छुट्टियां। दिसंबर महीने की छुट्टियों में कुछ राज्यों की स्थापना दिवस घोषित छुट्टियां, गोवा के स्वतंत्र होने के दिन की छुट्टी और क्रिसमस की छुट्टियां शामिल हैं।

# मंगल साबित हुआ शेयर बाजार के लिए आज का सत्र

### एनर्जी - अडानी समूह के स्टॉक्स में तेजी के चलते हरे निशान में हुआ बंद

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लंबी छुट्टी के बाद इस हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है।मंगलवार का दिन बाजार में ज्यादातर सेक्टर्स के स्टॉक्स के लिए मंगल साबित हुआ।अडानी समूह और एनर्जी सेक्टर्स के स्टॉक्स में उछाल के चलते बाजार जोरदार तेजी के साथ बंद हुआ है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 204 अंकों की तेजी के साथ 66,174 अंकों पर क्लोज हुआ जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95 अंकों की तेजी के साथ 19,890 अंकों पर बंद हुआ है।

**सेक्टर का हाल**

आज के कारोबार में एनर्जी स्टॉक्स में बड़ी खरीदारी देखी गई।निफ्टी एनर्जी इंडेक्स 700 अंकों के करीब उछाल के साथ 29,253 अंकों पर बंद हुआ है।बैंकिंग, ऑटो, आईटी, मेटल्स, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर भी शानदार तेजी के साथ बंद हुए।केवल हेल्थकेयर, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है।आज का ट्रेड में एक बार मिड कैप स्टॉक्स में शानदार तेजी देखने को मिली है।स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी तेजी के चलते इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ है।आज निफ्टी के 50 शेयरों में 38 शेयर हरे निशान में जबकि 12 गिरकर बंद हुए जबकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 तेजी के साथ और 13 गिरकर क्लोज हुए।

**निवेशकों की संपत्ति में उछाल**

आज के कारोबार में बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में शानदार तेजी देखने को मिली है।बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 331.10 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 326.95 लाख करोड़ रुपये रहा था।यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 4.15 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।

**चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स**

आज के ट्रेड में तेजी वाले शेयर्स पर नजर डालें तो अडानी एंटरप्राइजेज 8.90 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 5.30 फीसदी, टाटा मोटर्स 3.53 फीसदी, बीपीसीएल 3.39 फीसदी, कोल इंडिया 2.75 फीसदी की तेजी के साथ क्लोज हुआ है।

# सोने में मामूली बढ़त तो चांदी के दाम हुए कम

## जानें वेडिंग सीजन में क्या हैं ताजा भाव

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में शादियों का सीजन चल रहा है।इस समय मार्केट में ज्वैलरी डिमांड अचानक बढ़ जाती है।अगर आप भी सोने के गहने खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो जान लें कि सोने की कीमत में मामूली उछाल दर्ज किया जा रहा है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना मंगलवार को 70 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल के साथ 61,610 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बना हुआ है।वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सोना 61,540 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

**क्या हैं चांदी के भाव?**

घरेलू वायदा बाजार में चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिल रही है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 158 रुपये सस्ती होकर 74,648 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।वहीं सोमवार को चांदी 74,852 रुपये पर बंद हुई थी।ऐसे में चांदी की शॉपिंग पर आपकी आज बचत होगी।

**प्रमुख शहरों के सोने के रेट जानें- (22 कैरेट और 24 कैरेट)**

चेन्नई- 22 कैरेट सोने का दाम 57,800 रुपये, 24 कैरेट सोना 63,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।मुंबई- 22 कैरेट सोने का दाम 57,360 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,560 रुपये प्रति 10 ग्राम

पर बिक रहा है।दिल्ली- 22 कैरेट सोने का दाम 57,500 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।कोलकाता- 22 कैरेट सोने का दाम 57,350 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।पुणे- 22 कैरेट सोने का दाम 57,350 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।जयपुर- 22 कैरेट सोने का दाम 57,500 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।लखनऊ- 22 कैरेट सोने का दाम 57,500 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।पटना- 22 कैरेट सोने का दाम 57,400 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,610 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।नोएडा- 22 कैरेट सोने का दाम 57,500 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। इंदौर- 22 कैरेट सोने का दाम 57,500 रुपये, 24 कैरेट सोना 62,610 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।

**प्रमुख शहरों में चांदी के रेट जानें**

चेन्नई-चांदी 81,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। मुंबई- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। दिल्ली- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। कोलकाता- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। पुणे- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। जयपुर- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। लखनऊ- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। पटना- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। नोएडा- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। इंदौर- चांदी 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।

**अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी**

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में जबरदस्त उछाल दर्ज किया जा रहा है।मेटल रिपोर्ट के अनुसार सोना 16 मई, 2023 के बाद अपने उच्चतम स्तर 2,014.12 प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।वहीं अमेरिका में सोने की कीमत 2,014.20 प्रति औंस पर पहुंच गई है।

# दैनिक पंचांग

## ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | तुला में | वृश्चिक. | 05-37 बजे |
| चंद्र- | मिथुन में | धनु..... | 07-50 बजे |
| मंगल | तुला में | मकर.. | 09-56 बजे |
| बुध- | वृश्चिक में | कुंभ... | 11-48 बजे |
| गुरु- | मेष में | मीन .. | 13-24 बजे |
| शुक्र- | कन्या में | मेष-- | 15-01 बजे |
| शनि- | कुंभ में | वृष-- | 16-46 बजे |
| राहु- | मीन में | मिथुन.. | 18-46 बजे |
| केतु- | कन्या में | कर्क... | 20-58 बजे |
| | | सिंह... | 23-11 बजे |
| | | कन्या.. | 01-17 बजे |
| | | तुला.... | 03-26 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-32 सूर्यअस्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 13 -57 - तक उपरान्त तृतीया
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , बुधवार 29 November
नक्षत्र - मृगशिरा - 13- 58 - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - साध्य - 20 - 54 - तक उपरान्त शुभ
करण- गर - 13 -57 - तक उप- वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - तुला मे शुक्र रात्रि 01 -07 से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 12:04 से 13:28 तक**

## श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | 06:32 - 07:53 शुभ | उत्पात | 17:36 - 19:15 अशुभ |
| अमृत | 07:53 - 09:17 शुभ | शुभ. | 19:15 - 20:52 शुभ |
| काल | 09:17 - 10:41 अशुभ | अमृत | 20:52 - 22:28 शुभ |
| शुभ | 10:41 - 12:04 शुभ | चंचल | 22:28 - 24:05 शुभ |
| रोग | 12:04 - 13:28 अशुभ | रोग | 24:05 - 01:41 अशुभ |
| उत्पात | 13:28 - 14:51 अशुभ | काल. | 01:41 - 03:17 अशुभ |
| चंचल | 14:51 - 16:15 शुभ | लाभ | 03:17 - 04:54 शुभ |
| लाभ | 16:15 - 17:36 शुभ | उत्पात | 04:54 - 06:32 अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है ।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफ़ी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नहीं कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

**कन्या** टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,व्हाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है ।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# मेरी शादी करा दो, दुल्हन कैसी भी हो

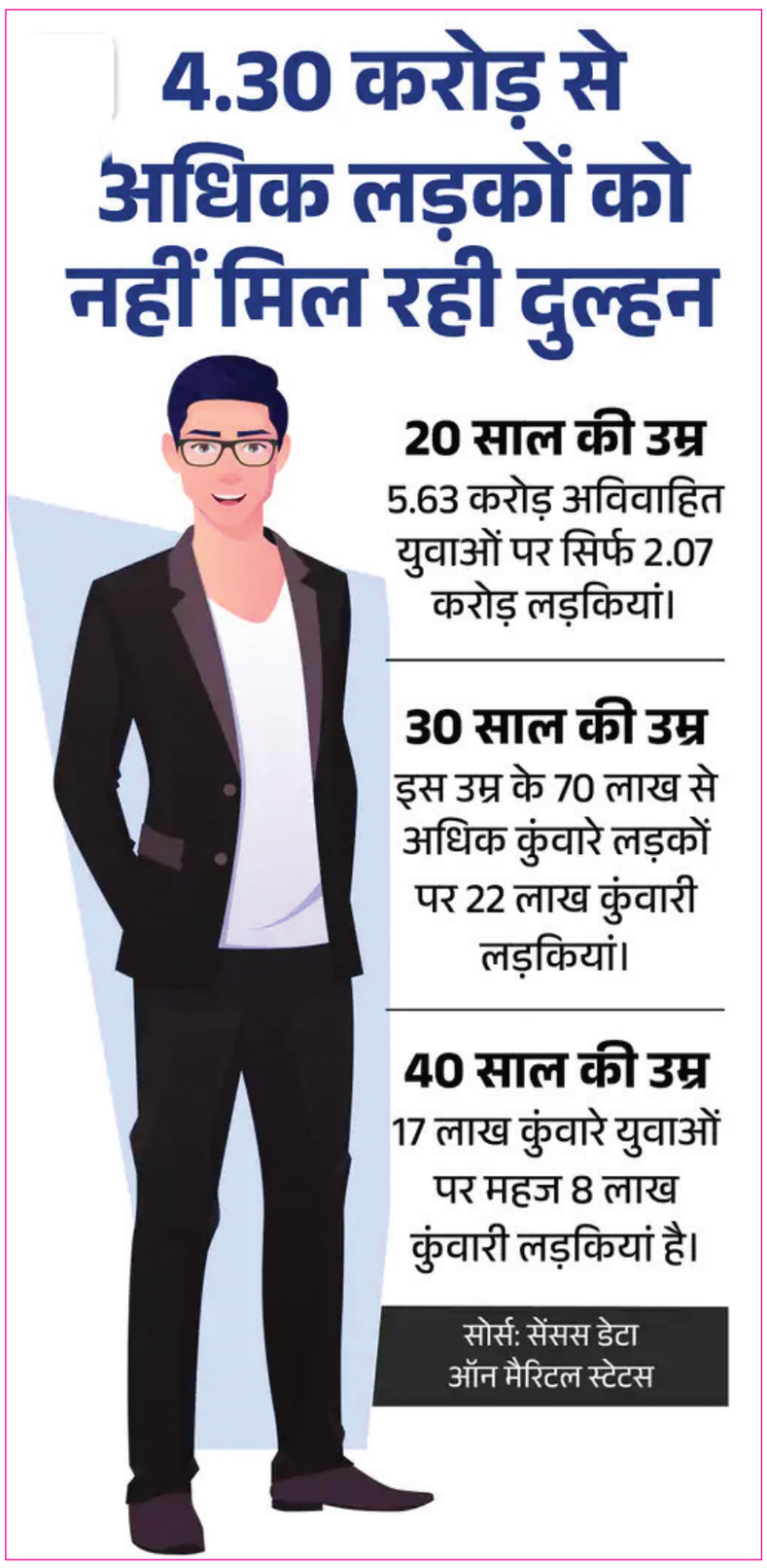


## विवाह के लिए सेहरा बांध लड़कों का बैचलर्स मार्च; किसान नौजवान ब्याह को तरसे

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। शेरवानी पहने, सिर पर सेहरा बांधे, घोड़े पर सवार होकर निकला युवकों का काफिला। सजे-धजे घोड़े और साथ में बैंड बाजा पर यह बारात नहीं है। ये 'बैचलर्स मार्च' है जो महाराष्ट्र के सोलापुर के कुंवारों ने निकला। जिसने यह जुलूस देखा वो अचरज में पड़ गया। काफिले में शामिल 50 लड़के कोल्हापुर कलेक्ट्रेट में यह अर्जी देने पहुंचे थे कि उनकी शादी नहीं हो रही है क्योंकि शादी के लिए लड़कियां नहीं मिल रहीं। कई लड़कों की यह शिकायत भी थी कि लड़कियां उन्हें रेजेक्ट कर दे रही हैं।

इसी तरह कर्नाटक के मांड्या जिले में मार्च 2023 में 'ब्रह्मचारीगलु पदयात्रा' निकाली गई। 60 युवक 120 किमी की पैदल यात्रा करके महादेश्वर मंदिर पहुंचे यह कामना करने के लिए कि उन्हें लाइफ पार्टनर मिल जाए। मांड्या जिले में दिसंबर में फिर से 'ब्रह्मचारीगलु पदयात्रा' निकालने की तैयारी चल रही है।

**नौकरी नहीं है तो कोई लड़की क्यों ब्याहेगा**

इस यात्रा के निकालने के पीछे क्या पब्लिशिटी स्टंट है या इसके गहरे सामाजिक आर्थिक पहलू भी हैं? कर्नाटक यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और सेंटर फॉर वुमन स्टडीज की डायरेक्टर डॉ. संगीता माने बताती हैं कि ऐसी घटनाएं केवल मांड्या और सोलापुर में ही नहीं हो रही हैं।

देश के अलग-अलग इलाकों में बैचलर्स मार्च निकलते हैं। इसका कारण यह है कि शादी योग्य लड़कों के पास ढंग की नौकरी नहीं है। मांड्या जिले में गन्ने की भरपूर खेती होती है। यहां की मिटटी काफी उपजाऊ है। लेकिन खेती-किसानी घाटे का सौदा बन चुका है। किसानों को गन्ने का सही रेट नहीं मिल रहा। लड़कियों के माता-पिता खेती करने वाले लड़कों को अपनी बेटी नहीं देना चाहते। क्योंकि खेती की कमाई से गृहस्थी चलाना मुश्किल है।

**30 लड़कियों ने रेजेक्ट किया डिप्रेशन में पहुंचा**

मांड्या में बैचलर्स मार्च में शामिल रहे कृष्णा बताते हैं कि शादी के लिए उन्होंने कई बार प्रयास किया। पिछले कुछ सालों में 30 लड़कियों ने उन्हें रेजेक्ट कर चुकी हैं।

लड़कियों के पेरेंटस घर परिवार देखते हैं। मेरे पास खेती-बाड़ी की जमीन कम है। फसलें अधिक नहीं होतीं इसलिए कमाई भी कम होती है। मांड्या के एक्टिविस्ट नागरेवक्का बताते हैं कि लड़कियां पढ़-लिख रही हैं। अपना सुख-दुख जानती, समझती हैं। वो मांड्या में एक गांव से दूसरे गांव ब्याहता के रूप में नहीं जाना चाहतीं। दरअसल, पढ़ी लिखीं लड़कियां किसान नौजवानों से शादी करने से हिचकिचाती हैं।

देश के किसानों के हालात इन लड़कियों से छिपे नहीं हैं और पढ़ने लिखने के लिए खेती-किसानी में रुचि नहीं रखते। वह बताती हैं कि घटते लिंगानुपात की वजह से लड़कों को शादी के लिए लड़कियां नहीं मिल रही। लिंगानुपात के सुधार की बात करने के बावजूद किसी जिले या किसी खास इलाके में सेक्स रेशियो अगर डगमगाया हुआ है तो यह उस इलाके लड़कों के समस्या है। 1994 में लिंग परीक्षण को बैन किया गया जिससे गर्भ में पल रही लाखों लड़कियों को बचाया जा सका। लेकिन दुर्भाग्य से कानून बनने के बाद आज भी कुछ लोग यह जानना चाहते हैं कि गर्भ में पल रहा बच्चा लड़का है या लड़की? 1996 में पहली बार प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक (रेगुलेशन एंड प्रिवेंशन ऑफ मिसयूज) एक्ट को लागू किया गया। 2003 में पीसी-पीएनडीटी एक्ट यानी पॉहिबिशन ऑफ सेक्स सेलेक्शन एक्ट लागू होने के बाद यह कानून और सख्त बनाया गया। इसके बावजूद लिंग परीक्षण अभी भी जारी है। पीसी-पीएनडीटी में दोषी पाए जाने के कारण 2003 से 2014 के बीच 206 डॉक्टरों को कोर्ट से सजा मिली। इसमें सबसे अधिक 96 डॉक्टर महाराष्ट्र के हैं। इसके बाद राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के डॉक्टर आते हैं। ये वही राज्य हैं जहां लिंगानुपात कम हैं और जहां शादी योग्य लड़कों को लड़कियां नहीं मिल रहीं।

### बीए-एमए करने के बाद भी लड़के भटक रहे

*महाराष्ट्र के सोलापुर में कुंवारों लड़कों का जुलूस निकालने वाले 'ज्योति क्रांति परिषद' के प्रदेश अध्यक्ष रमेश बरासकर बताते हैं कि लड़के ग्रेजुएएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद भी बेरोजगार रहते हैं। महाराष्ट्र के किसी गांव में चले जाएं तो वहां 25-30 वर्ष के लड़के शादी की बाट जोहते मिल जाएंगे।*

*हर गांव में 100 से 150 लड़के अविवाहित हैं। शादी के लिए वे कई बार दलालों के चंगुल में भी फंस जाते हैं। दलाल उन्हें झूठा आश्वासन देकर पैसे ऐंठ लेते हैं लेकिन दुल्हन नहीं मिलती। रमेश बताते हैं कि लड़कों के कुंवारे रहने के साइड इफेक्ट भी देखने को मिल रहे हैं। कई लड़के ड्रग्स लेने के आदी हो जाते हैं। शादी नहीं होने से फैमिली नहीं बनती। जिम्मेदारियां नहीं होंती और कई गलत रास्तों पर भी निकल जाते हैं।*

## हरियाणा की तरह इन इलाकों में भी लिंगानुपात कम

हरियाणा में स्त्री-पुरुष अनुपात कम होने के कारण ही वहां कई लोग शादी करने के लिए लड़कियां खरीदते हैं। बिहार-झारखंड, बंगाल और नेपाल से लड़कियों की तस्करी की मुख्य वजह यही है। अब तो हरियाणा के कुंवारे लड़के 3,000 किमी दूर केरल में अपनी दुल्हनियां तलाश रहे हैं। केरल के पयानुर की 100 से अधिक लड़कियों की शादी हरियाणा के हिसार के परिवारों के लड़कों से हुई है।

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के वुमंस स्टडीज एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमीर सुलताना बताती हैं कि ये लड़के भाषा, जाति, संस्कृति के बंधनों को तोड़ रहे हैं। लेकिन इस समस्या की जड़ लिंगानुपात है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और देश के कई इलाके ऐसे हैं जहां हरियाणा की तरह ही सेक्स रेशियो कम है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस)-5 की रिपोर्ट (2019-21) के अनुसार, 1,000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या 1,024 हो गई है लेकिन कुछ राज्यों की स्थिति में बहुत सुधार देखने को नहीं मिला। महाराष्ट्र में 2015 में लिंगानुपात 924 था जो घटकर 2021 में 913 रह गया है। वहीं हरियाणा में 893, कर्नाटक में 978, आंध्र प्रदेश में 934, राजस्थान में 891, तेलंगाना में 894 है। यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद में सेंटर फॉर वुमंस स्टडीज की प्रोफेसर के सुनीता रानी भी डॉ. सुल्ताना की राय से सहमत हैं।

## अफसर का रिटायरमेंट के 7 दिन पहले तबादला

### बिलासपुर से भेजे गए दिल्ली, रेलवे ने बताया-प्रमोशन के बाद पोस्टिंग; सीईसी बोले-यह मानसिक प्रताड़ना

बिलासपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चीफ कम्युनिकेशन इंजीनियर (सीसीई) का रिटायरमेंट के 7 दिन पहले बिलासपुर से दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया। रेलवे बोर्ड ने इसे प्रमोशन के बाद पोस्टिंग ऑर्डर बताया है। लेकिन, रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले जारी आदेश को चीफ कम्युनिकेशन इंजीनियर ने प्रताड़ना बताया है। उनके मुताबिक पदोन्नति 6 महीने पहले हो जानी थी। जानबूझकर देरी की गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जोनल मुख्यालय बिलासपुर में पदस्थ चीफ कम्युनिकेशन इंजीनियर कमलेश प्रसाद आर्य 30 नवंबर को रिटायर होंगे। इसके लिए वे तैयारी भी कर रहे थे। तभी अचानक एक सप्ताह पहले 22 नवंबर को रेलवे बोर्ड ने उनका प्रमोशनल ट्रांसफर आदेश जारी कर दिया। बोर्ड ने उन्हें दिल्ली उत्तर रेलवे में पोस्टेड किया है। खास बात यह है कि उन्हें 23 नवंबर को आनन-फानन में रिलीव भी कर दिया गया।उन्होंने रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर शिकायत भी की है। इस आदेश से आर्य हैरान हैं। उन्होंने रेलवे बोर्ड के सचिव और रेल मंत्रलाय को पत्र लिखकर शिकायत की है। आदेश में आर्य को 28 नवंबर को उच्च प्रशासनिक ग्रेड पद पर उत्तर रेलवे में उपस्थिति देनी है, जबकि तीन दिन बाद वह सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

**ट्रांसफर ऑर्डर नहीं, मानसिक प्रताड़ना**

रेलवे अधिकारी कमलेश प्रसाद आर्य ने कहा कि अपना पूरा जीवन रेलवे संगठन की सेवा में गुजार दिया। उसे रिटायरमेंट के एक सप्ताह पहले स्थानांतरित कर दिया ताकि, उसकी सेवानिवृत्ति से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़े। ऐसे में उन्हें सेवा के अंतिम दिनों में मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। आदेश को लेकर सीसीई कमलेश प्रसाद आर्य के मुताबिक इसे प्रमोशनल तबादला कहा जा रहा है। लेकिन, इससे उन्हें किसी तरह का आर्थिक लाभ नहीं होगा।

एक तरह से उन्हें परेशान किया जा रहा है। जिस पद पर उन्हें प्रमोशन दिया गया है यह पद दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहले से है। अगर चाहते तो सेवानिवृत्त से पहले यहीं पोस्टिंग दी जा सकती थी। रेल अधिकारी आर्य ने कहा कि मैं चाहता तो इस ट्रांसफर आदेश के खिलाफ कोर्ट भी जा सकता था। आवेदन देकर रोक भी सकता था। लेकिन, मैंने हमेशा ईमानदारी से काम किया है और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों की करतूतों को बेनकाब किया है।

## थाना परिसर में आरक्षक ने खुद को मारी गोली

जगदलपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुकमा जिले के छिंदगढ़ थाना क्षेत्र में बीती शाम को एक आरक्षक ने सर्विस बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मामले की जानकारी लगते ही पुलिस आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए हैं। मामले के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि बीती शाम तकरीबन 6.45 बजे थाना छिंदगढ़ (सुकमा) के आरक्षक नरेंद्र नेगी 25 वर्षीय ने थाना परिसर में खुद को सर्विस इंसास राइफल से बाएं सीने में गोली मार ली, जिसके बाद अन्य साथियों ने गोली की आवाज को सुनने के बाद मौके पर पहुंचे, जहां घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए।

## साइबर ठगों के सेक्सटॉर्शन का शिकार हुआ युवक

### लड़की ने न्यूड होकर किया वीडीयो कॉल, युवक से भी उतरवाए कपड़े फिर ब्लैकमेलिंग कर वसूले 5.50 लाख रुपए

बिलासपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक युवक साइबर ठगों के सेक्सटॉर्शन का शिकार हो गया और साढ़े पांच लाख रुपए गवां दिया। दरअसल, युवक के मोबाइल पर युवती ने न्यूड वीडियो कॉल किया और उसके भी कपड़े उतरवा ली। फिर उसका स्क्रीन रिकार्डिंग कर वीडियो बना ली और ब्लैकमेल कर झूठे केस में फंसाने के साथ ही वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर उससे ऑनलाइन पैसे की वसूली कर ली। युवक की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

ग्राम बैमा निवासी रोशन पटेल (27) कृषि कार्य करता है। वह अपने मोबाइल पर इंस्टाग्राम चलाता है। जिसमें एक अनजान युवती से उसकी बातचीत चल रही थी। फिर युवती ने युवक को वीडियो कॉल कर बातचीत की। इस दौरान अश्लील बातें कर युवक को उकसाया। फिर 23 और 24 नवंबर की रात उसने फिर से वीडियो कॉल की, जिसमें वह न्यूड हो गई और युवक से भी कपड़े उतरवा ली। युवती ने इसका स्क्रीन रिकार्डर से वीडियो भी बना ली, जिसके बाद युवक को फंसाने की धमकी देकर वीडियो को उसके मोबाइल पर भेज दी। मोबाइल पर आए अपने वीडियो रिकार्डिंग को देखकर युवक डर गया। वीडियो में युवती और युवक दोनों न्यूड थे। लोकलाज व बदनामी के साथ ही पुलिस केस में फंसने की वजह से युवक सहम गया। वहीं, युवती ने इसका फायदा उठाकर युवक को ब्लैकमेल करने लगा। उसने अलग-अलग बहाने से उससे पांच लाख 50 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा ली।

**साढ़े पांच लाख वसूलने के बाद और पैसों का डिमांड करने लगी युवती**

युवती ने युवक से पांच लाख रुपए वसूल लिए। इसके बाद भी और पैसों का डिमांड करने लगी। दरअसल, युवती के साथ मिले साइबर ठगों ने उसे क्राइम ब्रांच के अफसर बनकर कॉल किया और वीडियो वायरल होने पर उसके खिलाफ केस दर्ज करने की धमकी देने लगे। साढ़े पांच लाख रुपए देने के बाद युवक को ठगी का अहसास हुआ, तब जाकर उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

## कोरबा में एक एकड़ जमीन 5 फीट नीचे धंसी

### विजय वेस्ट कोयला खदान के पास हुआ हादसा ग्रामीणों में दशहत का माहौल

कोरबा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा जिले में विजय वेस्ट कोयला खदान के पास करीब एक एकड़ जमीन पांच फीट नीचे धंस गई है। जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्हें आए दिन होने वाली घटना से अनहोनी की चिंता सता रही है। जिस जगह पर जमीन धंसी है, वहां कुछ चरवाहे मवेशी चरा रहे थे।

दरअसल, पोंड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के पुटी पखना के चिरमिरी क्षेत्र में विजय वेस्ट भूमिगत कोयला खदान संचालित है। बीजाडांड़ गांव के कुछ ग्रामीण जंगल गए थे। इसी दौरान नजारा देख उनके होश उड़ गए। करीब एक एकड़ जमीन पांच फीट नीचे धंसी हुई थी। जिससे ग्रामीण वाकिफ नहीं थे।

**प्रबंधन तार फेसिंग भी नहीं कर रहा**

ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी खदान के आसपास जमीन धंसने की घटना हो चुकी है, लेकिन कोल प्रबंधन की ओर से संबंधित क्षेत्र में फेसिंग तार से घेरने पहल नहीं कर रहा है। इसके उलट प्रबंधन पर्यावरण विभाग के अलावा शासन से अनुमति लेने की बात कहती है।

**कोल माइंस के कारण धंस रही जमीन**

बताया जा रहा है कि जंगल में तीन किलोमीटर की परिधि में ऐसी घटना घटित होती रहेंगी। बहरहाल सरहदी गांव के ग्रामीणों में हाथी के बाद भूमि धंसने की घटना से दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। कोल माइंस के कारण जमीन के धंसने की बात कही जा रही है।

## शादी की सालगिरह पर पति ने फोन नहीं उठाया तो पत्नी ने खाया जहर

### बेटी की लाश लेकर अकेली मां पहुंची ससुराल

मेदिनीनगर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में रहने वाली एक महिला अपने पति से महीनों से लड़ाई चल रहा था।

लेकिन शादी की सालगिरह पर उसने अपने पति को फोन लगाकर बातचीत के माध्यम से सुलह की कोशिश की। परंतु पत्नी के मायके जाने से नाराज पति अपनी पत्नी का फोन सालगिरह के दिन भी नहीं उठाया। जिसके बाद महिला ने शादी की सालगिरह को ही आत्महत्या के लिए चुना।

**26 दिसंबर 2020 को हुई थी शादी**

बताया जाता है कि मेदिनीनगर थाना क्षेत्र के नई मुहल्ला में रहने वाली डिंकी की शादी धनबाद के राजगंज में रहने वाले उग्रसेन लाल अग्रवाल के बेटे मनीष से हुई थी। मनीष कोलकाता में एक कंपनी में काम करता है। दोनों की शादी 26 नवंबर 2020 को हुई थी। दो साल तक डिंकी और मनीष के बीच संबंध ठीक रहे। लेकिन मार्च महीने में दोनों के बीच झगड़ा हो गया। जिसके बाद डिंकी अपने मायके में ही रह थी। इस दौरान डिंकी ने मनीष को कई बार फोन कर बातचीत करने की कोशिश की। 26 नवंबर को शादी की तीसरी सालगिरह पर भी डिंकी सुबह से शाम तक कई बार मनीष को फोन करती रहीं।

लेकिन मनीष ने एक बार भी फोन नहीं उठाया, जिससे आहत होकर देर शाम डिंकी ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। शादी की सालगिरह के दिन डिंकी की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए बेटी शव एंबुलेंस से लेकर अकेली मां ससुराल पहुंची। डिंकी की मां शोभा अग्रवाल ने बताया कि इस साल चार अप्रैल को दामाद मनीष ने फोन कर उन्हें धनबाद बुलाया। फिर टिकट कटाकर आठ अप्रैल को डिंकी को उनके साथ मायके भेज दिया था।

**पत्नी के मायके जाने के बाद बात करना भी छोड़ा**

डिंकी के मायके आने के बाद मनीष ने बातचीत करना भी छोड़ दिया। जबकि फोन करने पर भी वह उसे रिसीव नहीं करता था। पति के व्यवहार को देखते हुए डिंकी ओर से कोर्ट में प्रताड़ना का केस भी किया गया है। इसकी सुनवाई 2 दिसंबर को होनी है।

## फिंगेश्वर पुलिस ने मांगे 1 लाख, किसान ने लगाई फांसी

### सुसाइड नोट में लिखा-केस रफादफा करने बनाया दबाव, पत्नी बोली-थाने में पीटा गया

महासमुंद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महासमुंद के लाफिनकला गांव में एक किसान ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि मृतक की जेब से सुसाइड नोट मिला, जिसे पुलिस ने ग्रामीणों के सामने पढ़कर सुनाया। सुसाइड नोट में फिंगेश्वर पुलिस पर चोरी के मामले को रफादफा करने के लिए एक लाख रुपए की मांग करने का जिक्र है। इसके अलावा 20 हजार अलग से देने को कहा गया। राजाराम निषाद (42) की लाश रविवार सुबह पेड़ पर लटकी मिली थी। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना महासमुंद पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और जेब की तलाशी ली तो ये सुसाइड नोट मिला था।

**शरीर पर चोट के निशान**

राजाराम की पत्नी सावित्री निषाद ने बताया कि पति का जब से चोरी के केस में नाम आया, तब से वह परेशान रहने लगा था। उसके मुताबिक सरपंच सहित गांव के मुखिया एक सप्ताह पहले फिंगेश्वर थाना गए थे। उस दिन पुलिस राजाराम को थाने के अंदर ले गई और पूछताछ के बाद उसकी जमकर पिटाई की थी। उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे।

**चोरी की वारदात में नाम आया था सामने**

20 नवंबर 2023 को फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम लचकेरा निवासी दशरथ सिन्हा के घर चोरी हुई थी। दशरथ सिन्हा के बेटे ने शक के आधार पर राजाराम निषाद का नाम लिया था। फिर फिंगेश्वर थाने के हेड कांस्टेबल दिलेश्वर बघेल ने राजाराम को थाने चलने को कहा। लाफिनकला के सरपंच पति सहित गांव के 10-12 मुखिया और लचकेरा के सरपंच उदय निषाद थाना पहुंचे।

# भारत को मिलने वाले प्रीडेटर ड्रोन्स में लगी हो सकती है फ्रांस की खतरनाक मिसाइल

बोरेस, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत को मिलने वाले एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन्स में फ्रांस की खतरनाक मिसाइल ब्राइमस्टोन को लगाया जा सकता है। इस पर विचार किया जा रहा है। यूरोपीय रक्षा कंपनी एमबीडीए का कहना है कि वह अपनी मिसाइल ब्राइमस्टोन को भारत को मिलने वाले एमक्यू-9बी प्रीडेटर सशस्त्र ड्रोन पर एकीकृत करने की संभावना पर विचार करने के लिए तैयार है।

**क्यों खास है ब्राइमस्टोन मिसाइल**

एमबीडीए की ब्राइमस्टोन मिसाइल की लंबाई करीब दो मीटर है। इसमें आधुनिक एयरफ्रेम और अपडेटेट सॉफ्टवेयर लगाया गया है। इसे मिलिस्ट्री व्हिकल से लेकर हवा तक से लॉन्च किया जा सकता है। जमीन से लॉन्च करने पर इसकी मारक रेंज 13 किलोमीटर तक है। इस दायरे में आने वाले दुश्मन को तबाह कर देती है। अगर एयरक्राफ्ट से इसे फायर किया जाएगा तो इसकी रेंज 60 किलोमीटर तक होगी। अगर हेलिकॉप्टर से इसको दुश्मन पर छोड़ा जाएगा तो ये 40 किलोमीटर के दायरे में अचूक निशाना लगाएगी।

**तीन अरब डॉलर का सौदा**

सशस्त्र बलों के निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए भारत का रक्षा मंत्रालय अमेरिका से तीन अरब डॉलर में 31 प्रीडेटर (एमक्यू-9बी सीगार्डियन) ड्रोन खरीद रहा है। यह सौदा प्रक्रिया में है। एमबीडीए के अधिकारियों ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हम भारत द्वारा खरीदे जा रहे एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन पर ब्राइमस्टोन मिसाइलों के एकीकरण के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार हैं।'

**ब्रिटेन पहले ही ले चुका है फैसला**

ब्रिटेन ने पहले ही रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) के एमक्यू-9 बी ड्रोन के बेड़े में ब्राइमस्टोन मिसाइलों को लोड करने का फैसला किया है ताकि उनकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल को अफगानिस्तान और लीबिया में तैनात किया गया था और यह सर्जिकल स्ट्राइक करने की अपनी क्षमता के लिए काफी पसंद किया गया।

## हमास युद्ध में इजराइल को 53 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान : सेंट्रल बैंक

यरूशेलम। इजरायल के केंद्रीय बैंक ने कहा है कि हमास के साथ इजरायल के युद्ध में यहूदी राष्ट्र को लगभग 197 बिलियन शेकेल (53 बिलियन डॉलर) का नुकसान होने का अनुमान है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ऑफ इज़राइल के अनुसार, इस राशि में लगभग 107 बिलियन शेकेल रक्षा व्यय, 22 बिलियन शेकेल क्षति मुआवजा और 25 बिलियन शेकेल अन्य नागरिक व्यय शामिल हैं। इसके अलावा, सरकारी ऋण पर ब्याज 8 अरब शेकेल तक पहुंचने की संभावना है, जबकि संघर्ष के कारण राजस्व का नुकसान 35 अरब शेकेल होने का अनुमान है। पूर्वानुमान इस आधार पर तैयार किया गया कि इजरायली अर्थव्यवस्था पर युद्ध का सीधा प्रभाव अगले साल 2024 तक बना रहेगा।

# चीन के खिलाफ रणनीति बनाने में अहम भारतीय अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति

## 'फॉरेन पॉलिसी' मैगजीन ने लिखा लेख

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति पर प्रतिष्ठित मैगजीन फॉरेन पॉलिसी में एक लेख लिखा गया है। दरअसल राजा कृष्णमूर्ति (50 वर्षीय) चीन के खिलाफ अमेरिकी नीति बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति और माइक गैलघेर अमेरिकी संसद की सलेक्ट कमेटी के सदस्य हैं। यह समिति अमेरिका और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच की प्रतिद्वंदिता पर नीति बनाती है। मैगजीन में कृष्णमूर्ति और गैलघेर दोनों पर संयुक्त रूप से लेख लिखा गया है।

बता दें कि इस साल फरवरी में ही यह समिति गठित की गई थी। इस समिति का उद्देश्य है कि यह अमेरिका के आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा मामले में चीन से प्रतिद्वंदिता पर नजर रखती है और इससे संबंधित नीतियां बनाती है। अमेरिकी संसद की किसी समिति में बतौर रैंकिंग सदस्य या अध्यक्ष बनने वाले राजा कृष्णमूर्ति पहले दक्षिण एशियाई मूल के व्यक्ति हैं। मैग्जीन के लेख में लिखा गया है कि यह समिति चीन पर कांग्रेस की नीति का धड़कता हुआ दिल है। लेख में लिखा गया है कि यह समिति भविष्य के लिए जो नीतियां बनाएगी, उन्हीं पर अमेरिका आगे बढ़ेगा। कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि 'गैलघेर के साथ काम करने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पेश किए जाने वाली चुनौती से निपटने में आनंद आ रहा है। हम दोनों के सहयोग से काफी कुछ अच्छा होगा और मैं ये देखने के लिए उत्सुक हूं कि भविष्य में क्या क्या होगा।'

# सुरंग में बंधकों से मिला था हमास चीफ याह्या सिनवार

## कहा था-यहां कोई खतरा नहीं; फिलिस्तीनी एक्टिविस्ट अहद तमीमी को रिहा करेगा इजराइल

इजराइल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल के साथ जंग के बीच हमास लीडर याह्या सिनवार ने गाजा की एक सुरंग में इजराइली बंधकों से मुलाकात की थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, याह्या ने हिब्रू भाषा में कहा था कि आप सभी सबसे सुरक्षित जगह पर हैं। यहां डरने वाली कोई बात नहीं है। याह्या से मुलाकात के दौरान मौजूद एक बंधक ने रिहा होने के बाद इजराइली सैनिकों को ये जानकारी दी। वहीं, इजराइल और हमास के बीच सीजफायर को 2 दिन और बढ़ा दिया गया है। यह बुधवार तक लागू रहेगा। BBC के मुताबिक, कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद यह फैसला लिया गया। इस बीच हमास ने सोमवार देर रात 11 और इजराइली नागरिकों को रिहा कर दिया। इनमें 9 बच्चे और 2 महिलाएं शामिल हैं।

दूसरी तरफ, हमास ने आज रिहा होने वाले बंधकों की लिस्ट इजराइल को सौंपी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, बदले में इजराइल जिन कैदियों को छोड़ेगा उनमें अगले 2 दिन में रिहा होने वाली फिलिस्तीनी एक्टिविस्ट अहद तमीमी शामिल है। सोमवार को रिहा हुए कैदियों में इजराइल के किबुत्ज नीर ओज में रहने वाली 2 जुड़वा बच्चियां भी थीं। 3 साल की यूली और एम्मा को उनकी मां शैरन अलोनी कूनियो के साथ आजाद किया गया। हालांकि, उनके पिता डेविड अब भी हमास की कैद में हैं।

अब तक 69 बंधक, 150 फिलिस्तीनी आजाद हुए

उधर, इजराइल ने भी देश के अलग-अलग जेलों में बंद 30 बच्चों और 3 महिलाओं समेत 33 फिलिस्तीनियों को छोड़ दिया। रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह इजराइल ने अब तक अपनी जेलों से 150 फिलिस्तीनियों को रिहा

# यूक्रेन में भीषण तूफान से दस लोगों की मौत

कीव/मॉस्को, 28 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन में मंगलवार सुबह आए भीषण तूफान में 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो बच्चों सहित 23 अन्य घायल हो गए। 'कीव इंडिपेंडेंट' अखबार ने देश के गृहमंत्री इहोर क्लीमेंको के हवाले से यह जानकारी दी है। काला सागर के उत्तरी तट पर स्थित ओडेसा क्षेत्र तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। यहां पांच लोगों की मौत और 15 अन्य घायल हुए हैं। क्लिमेंको ने बताया कि इस बीच, आपातकालीन सेवाओं ने ओडेसा क्षेत्र में 162 बच्चों सहित 2,498 लोगों को सहायता प्रदान की।

मंत्री के मुताबिक, माइकोलाईव क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई है और दो अन्य घायल हो गए हैं। 'कीव इंडिपेंडेंट' की खबर के मुताबिक शेष मृतकों की सूचना कीव और खारकीव क्षेत्र में मिली है। रूसी अधिकारियों ने सोमवार को मौसम की स्थिति के कारण क्रीमिया में एक व्यक्ति की मौत की सूचना दी थी। 'कीव इंडिपेंडेंट' के मुताबिक, यूक्रेन के ज्यादातर हिस्सों में 26-27 नवंबर को भारी तूफान, हवा, बारिश और बर्फबारी हुई, जिससे बाढ़, इमारतों को नुकसान, बिजली गुल और यातायात की समस्या पैदा हो गई।

# बेबीसिटर ने ही दो वर्षीय बच्चे को पीटा

## अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच लड़ रहा मासूम

न्यू यॉर्क, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक शराबी बेबीसिटर द्वारा बुरी तरह से पीटे जाने के बाद दो वर्षीय बच्चा जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहा है। बच्चे की पहचान जियोवनी रिचर्ड के तौर पर की गई है। बच्चे की मां ने अपनी एक दोस्त मैक्किनले स्लोन हर्नांडेज की निगरानी में बच्चे को छोड़ कर गई थी।

**नहाने के बाद बेजान हो गया बच्चा**

बच्चे का कई ऑपरेशन किया गया है। किसी को भी यह समझ नहीं आ रहा कि दो साल के बच्चे के साथ क्या हुआ। हालांकि, बेबीसिटर ने कुछ भी मानने से इनकार कर दिया है। बच्चे की मां ने बताया कि बच्चे को छोड़ने के कुछ ही घंटों बाद उसकी दोस्त ने उसे फोन किया। इस फोन कॉल के बाद वह सीधे सेंट एंटनी हॉस्पिटल पहुंची, क्योंकि उसे बताया गया कि बच्चा नहाने के बाद बेजान हो गया था।

उन्होंने कहा, 'मैंने देखा करीबन 50 डॉक्टर मेरे बच्चे को घेरकर खड़े थे। मैं उस कमरे से बाहर निकल गई, क्योंकि मेरे लिए यह दृश्य देखना बहुत कठिन था।' मीडिया के अनुसार दो वर्षीय बच्चे को हवाई जहाज के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया और दिमाग से खून बहने के कारण उसका तुरंत ऑपरेशन किया गया। बच्चे को इंक्यूबेट किया गया है। हाल ही के महीनों में बच्चे का कई अन्य ऑपरेशन किया गया था। बच्चे की मां ने देखा कि उसके बेटे के सिर और शरीर पर किसी ने जोर लगाकर वार किया है। उन्होंने बताया कि उनकी दोस्त हर्नांडेज उनके बच्चे के साथ कई अन्य बच्चों को भी अपने घर में बिना लाइसेंस के चाइल्डकेयर में रखती थी। इस घटना के बाद हर्नांडेज को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे फिलहाल $100,000 की जमानत राशि पर रखा है।

# इजराइल के सपोर्ट में मस्क : हत्यारों का खात्मा जरूरी

## कहा- जंग के बाद गाजा को अच्छा भविष्य देने में मदद करना चाहूंगा

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सीजफायर के चौथे दिन यानी 27 नवंबर देर शाम एलन मस्क इजराइल पहुंचे। उन्होंने इजराइली पीएम नेतन्याहू के साथ मुलाकात की। दोनों ने किबुत्ज कफार अज्जा का दौरा किया। यहां 7 अक्टूबर को हमास ने हमला किया था। इस मस्क ने पीएम नेतन्याहू के साथ X पर लाइव चैट के दौरान कहा कि हमास को खत्म करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। दरअसल, लाइव चैट के पहले नेतन्याहू ने मस्क को हमास हमले के वीडियो दिखाए थे। ये वीडियो हमास आतंकियों के बॉडी कैम से लिए गए थे।

मस्क ने कहा-हत्यारों का खात्मा जरूरी है। ऐसा प्रोपेगेंडा भी बंद होना चाहिए जो लोगों को हत्यारा बनने की ट्रेनिंग दे रहा हो। गाजा के फ्यूचर के लिए ये जरूरी है। मैं गाजा को दोबार बनाने में और जंग के बाद गाजा का अच्छा भविष्य देने में मदद करना चाहता हूं।

सुनक बोले-मस्क हो या कोई और, यहूदी विरोध गलत

दूसरी तरफ, एक टीवी इंटरव्यू में ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने एलन मस्क के यहूदियों से जुड़े ट्वीट को लेकर सवाल किया गया। इस पर सुनक ने मस्क की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आप मस्क हैं या फिर सड़क पर गाली-गलौज करने वाला व्यक्ति, यहूदी विरोध हर तरीके से गलत है।' दरअसल, सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने पोस्ट में दावा किया था कि यहूदी लोग गोरों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने लिखा था कि 'आपने एकदम सही बोला है।' मस्क की इस प्रतिक्रिया से बवाल बढ़ता चला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यालय ने भी मस्क के बयान की कड़ी आलोचना की थी।

**गाजा पट्टी में स्टारलिंक इंटरनेट देंगे मस्क**

एलन मस्क और इजराइली कम्युनिकेशन मिनिस्ट्री के बीच स्टारलिंक ऑपरेशन्स के लिए एक एग्रीमेंट हुआ है। इस एग्रीमेंट के तहत एलन मस्क स्टारलिंक के जरिए इजराइल और गाजा पट्टी में इंटरनेट प्रोवाइड करेंगे। इजराइल के कम्युनिकेशन मिनिस्टर श्लोमो करही ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'मेरी लीडरशिप में कम्युनिकेशन मिनिस्ट्री के साथ प्रिंसिपल अंडरस्टैंडिंग तक पहुंचने के लिए बधाई देता हूं। इस एग्रीमेंट के तहत स्टारलिंक सैटेलाइट यूनिट को इजराइल और गाजा पट्टी में ऑपरेट किया जा सकेगा। हमास और आईएसआईएस से जंग के बीच यह एग्रीमेंट उन सभी के लिए जरूरी है जो बेहतर दुनिया चाहते हैं। मैं इजराइल में आपका स्वागत करता हूं।'

**यहूदी समुदाय के खिलाफ पोस्ट का सपोर्ट कर चुके हैं मस्क**

हाल ही में एलन मस्क ने यहूदी समुदायों पर गोरों के खिलाफ नफरत के आरोप वाली पोस्ट का समर्थन किया था। इसके बाद एपल और डिज्नी जैसी कंपनियों ने मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एडवर्टाइजिंग बंद कर दी थी और अन्य कंपनियों से भी यही आह्वान किया था।

## लेबनान में आईडीएफ और हिजबुल्लाह के बीच झड़प

तेल अवीव, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कतर के मध्यस्थ हमास और इजरायल के बीच संघर्ष विराम को दो और दिनों के लिए बढ़ाने में सफल रहे हैं, इस बीच इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) और हिजबुल्लाह के साथ-साथ लेबनान में अन्य फिलिस्तीनी संगठनों के बीच भारी गोलाबारी की खबरें सामने आ रही हैं। लेबनानी अधिकारियों ने बताया है कि आईडीएफ ने चुनिंदा हिजबुल्लाह टारगेट के सीमावर्ती क्षेत्र में गोलाबारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हिजबुल्लाह एक ऐसा संगठन है, जिसे ईरान का समर्थन प्राप्त है और यह हमास से कहीं अधिक प्रोफेशनल है। हालांकि, हाल ही में टीवी संबोधन में, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरुल्लाह ने इजरायल के खिलाफ अपनी हमले की योजना पर कुछ नहीं कहा। हिजबुल्लाह को अक्सर ईरान गणराज्य के प्रत्यक्ष प्रॉक्सी के रूप में जाना जाता है।

# सिंगापुर पीएम के भाई मानहानि मामले में भारतीय मूल के मंत्रियों को देंगे हर्जाना

सिंगापुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के भाई और बिजनेसमैन ली सीन यांग को एतिहासिक बंगलों के किराये के संबंध में फेसबुक पर अपमानजनक टिप्पणियों के लिए भारतीय मूल के दो मंत्रियों को हर्जाना देने का आदेश दिया है।

यांग द्वारा उनके खिलाफ मानहानि के मुकदमे का जवाब देने में विफल रहने के बाद कानून और गृह मामलों के मंत्री के. शनमुगम और विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के पक्ष में फैसला सुनाया गया। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने सोमवार को बताया कि हर्जाने की राशि का आकलन अगली सुनवाई में किया जाएगा। अपने फैसले में, न्यायमूर्ति गोह यी हान ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने यांग के खिलाफ डिफॉल्ट फैसले की आवश्यकताओं को पूरा किया था। इसके अलावा, उन्होंने यांग को झूठे और मानहानि आरोपों को आगे प्रकाशित करने या प्रसारित करने से रोकने के लिए एक निषेधाज्ञा भी दी। गोह ने 27 नवंबर को एक लिखित फैसले में कहा कि उन्होंने निषेधाज्ञा दी क्योंकि उनके पास यह निष्कर्ष निकालने के लिए ₹मजबूत कारण₹ थे कि यांग अपने अपमानजनक बयान दोहराएंगे।

उन्होंने कहा कि यांग ने 27 जुलाई को मंत्रियों द्वारा मांग पत्र जारी किए जाने के बावजूद अपने 23 जुलाई के सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने से इनकार कर दिया था। यांग ने मंत्रियों पर भ्रष्ट तरीके से काम करने और व्यक्तिगत लाभ के लिए सिंगापुर लैंड अथॉरिटी (एसएलए) से बिना मंजूरी के अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कराकर उन्हें तरजीह देने और 26 और 31 रिडआउट रोड बंगलों के नवीनीकरण के लिए एसएलए से भुगतान कराने का आरोप लगाया है। शनमुगम और बालाकृष्णन की जुलाई में भ्रष्टाचार मामले की जांच हुई थी, जिसमें कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई। इसके बाद, मंत्रियों ने 27 जुलाई को यांग को पत्र भेजकर पोस्ट और सभी संबंधित टिप्पणियों को हटाने के लिए कहा।

# पाकिस्तान, चीन और... सुबह-सुबह 3 देशों में कांपी धरती

**जोरदार भूकंप से सहमे लोग**

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पड़ोस में एक बार फिर से धरती डोली है और इस बार एक साथ तीन देशों में जोरदार भूकंप आया है. पाकिस्तान, चीन और पापुआ न्यू गिनी में मंगलवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे नींद में सोए लोग भी झटके से सहम उठे. भूकंप का एहसास होते ही लोगों को घरों से बाहर भागते और सड़कों पर निकलते देखा गया. फिलहाल, इन तीनों देशों में किसी जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. पापुआ न्यू गिनी में सबसे अधिक तीव्रता का भूकंप आया है.

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, आज सुबह 03:38 बजे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 थी. पाकिस्तान में आए भूकंप में अब तक किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है. हालांकि, लोगों ने काफी तेज झटका महसूस किया. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र यानी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, वहीं चीन के विवादित क्षेत्र जिजांग में आज सुबह 03:45 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.0 तीव्रता का भूकंप आया. वहीं, पापुआ न्यू गिनी के न्यू गिनी के उत्तरी तट पर आज सुबह 03:16 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.5 तीव्रता का भूकंप आया. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अब तक तीनों जगह पर किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं दी है. हालांकि, लोगों को खौफ के साए में जरूर देखा गया.

## गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में इमरान को राहत नहीं

**अदियाला जेल में ही चलता रहेगा मुकदमा**

नई दिल्ली पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में मंगलवार को एक विशेष अदालत ने इमरान के खिलाफ मुकदमा जेल में ही जारी रखने का फैसला किया है। गौरतलब है कि इमरान की सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अधिकारियों ने उन्हें सामान्य अदालत में होने वाली सुनवाई के लिए पेश नहीं किया था। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान दो महीने से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पिछले हफ्ते तक उनके खिलाफ जेल में ही सुनवाई चल रही थी। हालांकि, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते इस तरह की कार्रवाई को अनुचित करार दिया था और उन्हें पेश करने को लेकर सख्त टिप्पणी की थी।

# किम जोंग की अमेरिकी सैन्य अड्डों पर नजर

## स्पाई सैटेलाइट से मिलिट्री ठिकानों की तस्वीरें खींची; व्हाइट हाउस, पेंटागन की रेकी की

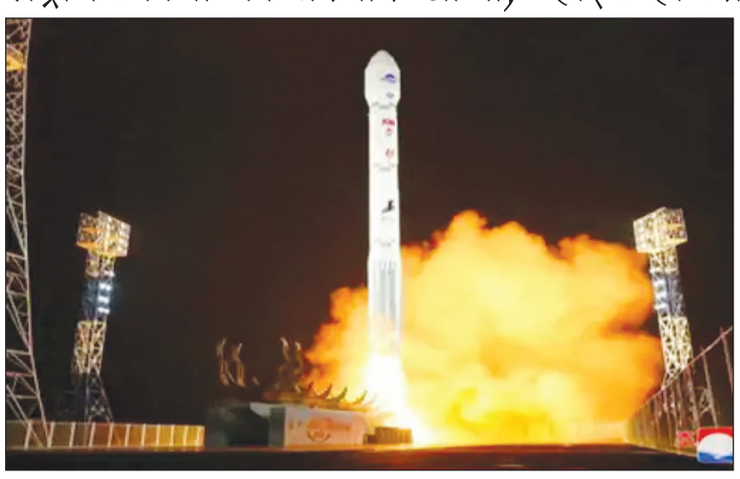

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में अपनी पहली स्पाई सैटेलाइट लॉन्च की थी। अब वहां के स्टेट मीडिया केसीएनए ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि इस सैटेलाइट की मदद से तानाशाह किम जोंग अमेरिकी मिलिट्री बेस, व्हाइट हाउस और रक्षा मंत्रालय पेंटागन की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सैटेलाइट की मदद से इन जगहों की तस्वीरें खींची हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने अमेरिकी राज्य वर्जीनिया के मिलिट्री ठिकानों पर एयरक्राफ्ट कैरियर्स की गिनती भी की। इसके अलावा, स्पाई सैटेलाइट इटली की राजधानी रोम के साथ-साथ साउथ कोरिया के सैन्य ठिकानों की भी तस्वीरें खींच चुकी है। अमेरिका के नॉरफॉक नेवल बेस और न्यूपोर्ट न्यूज डॉकयार्ड की तस्वीरों में चार अमेरिकी न्यूक्लियर कैरियर और एक ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर देखा गया।

इन सबके बीच सोमवार को यूएनएससी की बैठक में अमेरिकी ऐंबैस्डर लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड और नॉर्थ कोरिया के ऐंबैस्डर किम सोंग आमने-सामने नजर आए। किम ने कहा कि अमेरिका हमें बार-बार परमाणु हमले की धमकी देता है।

**अमेरिका से अपनी रक्षा के लिए हथियार बनाते रहेंगे**

किम ने आगे कहा-नॉर्थ कोरिया की रक्षा के लिए ये हमारा हक है कि हमें अमेरिका के ही स्तर पर अपने हथियार और तकनीक को विकसित करें। वहीं किम के दावों को खारिज करते हुए लिंड ग्रीनफील्ड ने कहा- हमारा युद्धाभ्यास पहले से ही तय शेड्यूल के हिसाब से होता है। ये एक्सरसाइज सिर्फ डिफेंसिव होती हैं।

नॉर्थ कोरिया इनके जवाब में अपनी रक्षा के लिए मिसाइलें लॉन्च नहीं कर रहा। अमेरिकी ऐंबैस्डर ने कहा- हम नॉर्थ कोरिया के साथ बेशर्त बातचीत के लिए भी तैयार हैं। इस पर किम सोंग ने जवाब दिया कि जब तक अमेरिका की तरफ से सैन्य खतरा खत्म नहीं हो जाता तब कर नॉर्थ कोरिया अपने सैन्य क्षमताओं को बढ़ाता रहेगा।

**साउथ कोरिया का दावा- रूस की मदद से नॉर्थ कोरिया ने बनाई स्पाई सैटेलाइट**

दूसरी तरफ, साउथ कोरिया की स्पाई एजेंसी ने दावा किया है कि रूस ने स्पाई सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग में नॉर्थ कोरिया की मदद की थी। दरअसल, सैटेलाइट को लॉन्च करने का ये तीसरा ट्रायल था, जो नॉर्थ कोरिया के मुताबिक सफल रहा। पहला ट्रायल मई 2023 को हुआ था। तब ये सैटेलाइट क्रैश हो गई थी। दूसरा ट्रायल अगस्त 2023 में हुआ, जो तकनीकी खराबी के कारण फेल हो गया था। अमेरिका ने भी पिछले महीने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में मदद के लिए रूस को करीब एक हजार से ज्यादा हथियारों और कंटेनर दे चुका है। दरअसल, क्लियर प्रोग्राम्स की वजह से नॉर्थ कोरिया पर 2006 में यूएन ने मिसाइल टेस्टिंग पर बैन लगा दिया था। हालांकि, तानाशाह किम जोंग इसके बावजूद लगातार मिसाइलों और हथियारों की टेस्टिंग करवाते आए हैं।

**रिपोर्ट में दावा-परमाणु परीक्षण करने वाला है नॉर्थ कोरिया**

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उत्तर कोरिया जल्द ही 7वां परमाणु परीक्षण भी करने जा रहा है। वहीं नॉर्थ कोरिया, साउथ कोरिया, चीन, अमेरिका, रूस और जापान के बीच परमाणु हथियारों के खात्मे को लेकर हो रही बातचीत 2009 में बंद हो गई थी। 2019 में डोनाल्ड ट्रम्प की भी किम जोंग के साथ बातचीत नाकाम रही थी। रूस और चीन ने यूएनएससी की बैठक में कई बार अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसकी मिलिट्री एक्सरसाइज नॉर्थ कोरिया को उकसाने का काम करती हैं।

# वोटिंग के बाद बीजेपी की समीक्षा बैठक आयोजित, नेताओं ने क्या कहा

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेश कार्यालय जयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रबंधन के अनुभव से जुड़े सुझाव भी लिए गए, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यानुभव से जुड़े विभिन्न सुझाव दिये।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा कि मैंने कई राज्यों का चुनावी प्रबंधन देखा है। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रबंधन मजबूत और सुदृढ़ रहा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में पूरी टीम ने सकारात्मक रूख रखते हुए निरंतर काम किया है। सीपी जोशी का सरल व्यवहार और टीम मैनेजमेंट सहित संवाद और समन्वय बेहतर रहा। आवास विकास, मॉनिटरिंग, चुनाव प्रबंधन टीम और मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में मीडिया सेंटर का बेहतर संचालन हुआ। चुनाव के दौरान कांग्रेस की ओर से प्रशासनिक अडंगे लगाए गए, लेकिन भाजपा का मतदाता इतना सजग था कि उसने इन लोगों की एक नहीं चलने दी। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और उनकी टीम ने रात-दिन श्रम किया है। प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की प्रचंड जीत का भागीदार रहेगा। सुनियोजित प्रबंधन के साथ किया गया कार्य अकल्पनीय है, मैं सभी को सेल्यूट करता हूं। सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने जो सुझाव मौखिक रूप से दिये हैं, इन सभी सुझावों को लिखित रूप से भी प्रस्तुत करना चाहिए। हम सत्ता का सेमीफाइनल जीत रहे हैं और फाइनल अभी शेष है, जिसके लिए हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। चुनाव प्रबंधन में कार्यकर्ताओं ने रात-दिन निष्ठा से काम किया और कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने तो घर-परिवार को भी त्याग दिया। इस कदर मेहनत की है।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पगफेरे ने राजस्थान के चुनावी समर में जान फूंक दी। आगामी तीन दिसंबर को चुनावी जीत का सेहरा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को बंधना तय है। प्रदेश में सभी कार्यर्ताओं और पदाधिकारियों ने जो मेहनत की है, उसके लिए वे सभी प्रशंसा के पात्र हैं। राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनना तय है।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के सह-संयोजक ओंकार सिंह लखावत ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह सहित प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का बेहतर मार्गदर्शन मिला। निरंतर मार्ग प्रशस्त होने से हमें चुनाव में कोई कठिनाई नहीं आई और हमारी पूरी टीम इतनी लगन के साथ काम में जुटी हुई थी कि किसी ने शिकायत का मौका नहीं दिया। हमें आगामी चुनावों को लेकर इसी रणनीति के साथ काम करना है, जिससे भाजपा निरंतर सत्ता में बनी रहे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा और पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा मौजूद रहे।

# जोधपुर-कोटा में बारिश ने तोड़ा 12 साल का रिकॉर्ड

## जयपुर में बरसात और कोहरा, सर्द हवाओं से ठिठुरन; 8 डिग्री तक गिर सकता है तापमान

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दो दिन पहले एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ने बारिश का नया रिकॉर्ड बना दिया। जोधपुर में पिछले 12 साल में इतनी बारिश नवंबर के महीने में नहीं हुई। इसी तरह कोटा में भी ये दूसरा मौका है। जब 12 साल में नवंबर की सर्वाधिक बारिश हुई हो। आज जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में हल्के से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। अगले दो-तीन दिन में दिन के तापमान में भी 4-8 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

जयपुर में भी सुबह कोहरा छाया। इसके बाद से बूंदाबांदी जारी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस सिस्टम का असर राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में आज और रहेगा। देर शाम से पश्चिम और दक्षिण राजस्थान के जिलों में मौसम साफ होने लगेगा और उसके बाद घना कोहरा छा सकता है।

राज्य में आज भी जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में आसमान में बादल छाए हुआ है। वहीं, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और कोटा संभाग के जिलों में सुबह से घना कोहरा देखने को मिला है। जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, राजसमंद, पाली, बाड़मेर, जालोर समेत कई जिलों में आज सुबह घना कोहरे होने के कारण विजिबिलिटी कम रही और

बाइपास पर गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित रही।

जयपुर में बारिश

जयपुर में भी आज सुबह आसमान में बादल छाए रहे। ग्रामीण इलाकों में हल्का कोहरा देखने को मिला। शहर में कुछ जगहों पर बारिश हुई। रात का तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कल दिन में जयपुर में पूरे दिन बादल छाने से सर्दी तेज रही। दिन का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया।

इससे पहले बीते 24 घंटे के दौरान कोटा, बारां, अलवर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, पिलानी के अलावा करौली, टोंक, राजसमंद, धौलपुर, दौसा समेत कई जगह बारिश हुई। कोटा में 24 मिमी बरसात हुई। कोटा में ये पिछले 12 साल में दूसरी सबसे ज्यादा बारिश हुई है। सबसे ज्यादा बरसात 48 मिमी साल 2021 में हुई थी।

इसी तरह जोधपुर में रविवार सुबह 8 से सोमवार सुबह 8 बजे (24 घंटे) के बीच 14.6 मि मी बरसात हुई, जो पिछले 12 साल में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड है। जोधपुर में 1976 में 23.6मि मी बरसात हुई, जो अब तक नवंबर माह में हुई सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड है।

करौली में 32, सपोटरा 24, श्रीमहावीरजी में 27, बूंदी में 9, नैंनवा में 11, शवारायपाटन 16, टोंक के उनियारा में 16, भीलवाड़ा के हमीरगढ़ में 25, शक्करगढ़ में 9, राजसमंद के गिलुंड में 39, नाथद्वारा में 11, धौलपुर के बसेड़ी में 15, सरमथुरा में 10 मिमी बारिश हुई।

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में अगले तीन-चार दिन बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के चूरू, हनुमानगढ़ और आसपास के क्षेत्र में आज भी हल्की बारिश होने व 29 नवंबर से मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसके साथ ही आगामी दो-तीन दिन राज्य में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने और अधिकतम तापमान औसत से 4-8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज होने की संभावना है।

# बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पूछताछ

## मृतक की पत्नी-बेटे के बयान लिए, क्षेत्र में तनाव की स्थिति

उदयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के फलासिया थाना क्षेत्र में चार दिन पहले मतदान के दिन शनिवार रात को बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। जिसको लेकर पुलिस की टीम कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पर पहरा लगाए हुए है। वहीं स्थानीय बीजेपी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पुलिस से आरोपियों को जल्द पकड़ने की मांग पर अड़े हैं। इधर, हत्या करने वाले और हत्या के पीछे के स्पष्ट कारणों का अभी तक सुराग नहीं है। पुलिस ने 3 से 4 लोगों से इस संबंध में पूछताछ की है। ये वे लोग है जो हत्या से पहले काफी देर तक मृतक कांतिलाल चव्हान के साथ थे। चव्हान इन लोगों के साथ अपने घर से महज 100 मीटर दूर अपने छोटे भाई मुकेश मीणा के घर पर रुका था। यहां रुकने के बाद वह अकेला अपने घर के लिए रवाना हुआ था। तभी अज्ञात बदमाशों ने पत्थर से उसका चेहरा कुचल कर निर्मम तरीके से हत्या कर दी।

पुलिस ने मृतक की पत्नी और उनके बेटे के भी बयान लिए। फलासिया डिप्टी राजेश विद्यार्थी ने बताया कि आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस गहराई से जांच में जुटी है। इस संबंध में कुछ लोगों से पूछताछ की गई है। जल्द ही आरोपियों का खुलासा किया जाएगा।

# मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता की तबीयत बिगड़ी

## सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द हुआ, जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में करवाया भर्ती

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) प्रवीण गुप्ता की आज अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लाया गया है। सूत्रों के मुताबिक गुप्ता को सुबह सांस लेने में तकलीफ हुई। इसके बाद उन्होंने हॉस्पिटल लाया गया। गुप्ता का मेडिसिन और हर्ट से जुड़े विशेषज्ञों ने इलाज शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि खाना फंसने से सांस लेने में तकलीफ हुई।

सूत्रों के मुताबिक सुबह घर पर भोजन करने के दौरान ही प्रवीण गुप्ता को सीने में दर्द हुआ। सांस लेने में तकलीफ हुई। इसके बाद उन्हें सुरक्षा गार्डों और घर के दूसरे सदस्य ने संभाला। वे बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल लाया गया। सूत्रों का कहना है कि उनकी ईसीजी रिपोर्ट्स नॉर्मल है।

**मेडिकल आईसीयू में शिफ्ट किया गया**

प्रारम्भिक जांच और डॉक्टरों से हुई बात में सामने आया है कि उनको पहले सीने में दर्द हुआ। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ हुई है। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल लाया गया है। ईसीजी, ब्लड की जांच और एक्स-रे करवाने और प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। उन्हें होश आ गया है।

**कलेक्टर भी रह चुके**

बता दें कि साल 1995 बैच के आईएएस अधिकारी प्रवीण गुप्ता साल फरवरी 2020 से जुलाई 2020 तक जांच विभाग में कमिश्नर रहे हैं। इसके अलावा वे रेवेन्यू बोर्ड अजमेर में सदस्य, फाइनेंस डिपार्टमेंट में सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में आयुक्त के अलावा मुख्यमंत्री ऑफिस में विशेष सचिव और उप सचिव के पद पर भी रह चुके हैं। इससे पहले वे भरतपुर और झालावाड़ के कलेक्टर भी रह चुके हैं।

# नागौर से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा के खिलाफ मामला दर्ज

## दीपेन्द्र हुड्डा की पत्नी हेमश्वेता व प्रकाश मिर्धा का नाम शामिल

जोधपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में एक जमीन विवाद में नागौर से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा व उनकी बहन सहित तीन लोगों के खिलाफ उदयमंदिर थाने में मामला दर्ज हुआ है। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के उदयमंदिर थाने में इनके खिलाफ इस्तगासे से धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज पेश करना सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज हुआ है।

फरियादी अनिल चौधरी, उषा पूनिया व अन्य ने इस्तगासे से कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दरअसल आदर्श प्रगतिशील गृह निर्माण सहकारी समिति के भूखंड विवाद का मामला है। जिसमें पहले ज्योति ने समिति के सदस्यों पर केस किया था जिसमें ज्योति केस हार गई थी।

फिर समिति के सदस्यों ने धोखाधड़ी, मानहानि सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाने थाने पहुंचे वहां एफआईआर दर्ज नहीं होने पर एमएम 6 कोर्ट में इस्तगासा पेश किया था जिस पर कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के 17 नवंबर को आदेश दिए थे। जिस पर उदयमंदिर थाने में कल 27 तारीख को मामला दर्ज किया गया।

# बारिश से गेहूं और सरसों की फसल को फायदा

## दो दिन बरसात से सड़कों पर भरा पानी, शादी-ब्याह वालों को हुई परेशानी

सवाई माधोपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के चौथ का बड़ौदा उपखंड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। सबसे ज्यादा बारिश सोमवार रात को हुई।

आस-पास के क्षेत्र में पूरी रात रुक-रुक कर रिमझिम बारिश का दौर चला। तेज बारिश के कारण सड़क पर पानी भर गया। बारिश से गेहूं और सरसों की फसल को फायदा होगा।

चौथ का बरवाड़ा उपखंड मुख्यालय और आस-पास के क्षेत्र में पिछले दो दिन से मौसम खराब है। यहां रविवार से ही बारिश का दौर शुरू हो गया था। सोमवार शाम से लगातार बारिश पूरी रात जारी रही। इसके चलते फसलों को काफी फायदा पहुंचा है।

शादी का सीजन होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार रिमझिम बारिश होने से जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया।

किसानों ने बताया कि सोमवार रात को अच्छी बारिश दर्ज की गई। जिसके चलते सबसे ज्यादा गेहूं की फसल को फायदा पहुंचा है। ये बारिश फसलों के लिए वरदान साबित होगी।

# तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

## मोटरसाइकिल भी जलकर हुई खाक

सीकर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दांतारामगढ़ में रफ्तार के कहर ने दो लोगों की जान ले ली। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सीकर जिले के दांतारामगढ़ में देर रात्रि को तेज रफ्तार के कहर ने दो बाइक सवार युवकों की जान ले ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेनवाल रोड़ पर करणीपुरा गांव के पास खाचरियावास से रामगढ़ की ओर आ रही बाइक को तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार विनोद कुमार व दिनेश भार्गव निवासी जालूंड की मौत हो गई। इधर, खाचरियावास पुलिस चौकी इंचार्ज बंशीधर ने बताया कि पिकअप गाड़ी ने मोटरसाइकिल को तेज टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए।

इस दौरान बाइक में भीषण आग लग गई। गांव के ही नवदीप सिंह जाटोलिया, कानाराम चंदेलिया व हेमराज कुमावत ने निजी वाहन से घायल युवकों को अस्पताल पहुंचाया।

जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में जयपुर रेफर कर दिया, लेकिन दोनों युवकों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

# मैरिज गार्डन में लाखों की चोरी: लगन-टीका प्रोग्राम में सोफे पर रखा बैग, नजर बचाकर चुरा ले गया बदमाश

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर के मैरिज गार्डन से बदमाश लाखों रुपए गहने-कैश का बैग चोरी कर ले गया। लगन-टीके के प्रोग्राम के समय बिल्डर पिता ने बैग को सोफे पर रखा था। नजर बचाकर बदमाश सोफे पर रखा बैग चोरी कर ले गया। करणी विहार थाने में पीड़ित बिल्डर ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है।

हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम ने बताया- जगदम्बा नगर करणी विहार निवासी श्रवण कुमार भादू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनका श्री बंधे बालाजी के नाम से बिल्डर का काम है। 23 नवम्बर को उनकी बेटी की शादी का प्रोग्राम गांधीपथ स्थित मैरिज गार्डन शगुन पैराडाइज में रखा था। शाम करीब 6-7 बजे के बीच लगन-टीका का प्रोग्राम चल रहा था। प्रोग्राम के दौरान उन्होंने कंधे पर लटका बैग पास ही सोफे पर रख दिया।

# 23 सीटों पर महिलाओं ने की बंपर वोटिंग : जब भी महिला मतदान ज्यादा, बदलती है सत्ता, क्या इस बार भी दोहरा पाएंगी इतिहास

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में इस बार महिलाओं ने वोटिंग में पुरुषों को पीछे छोड़ दिया। 199 विधानसभा सीटों पर 74.62 फीसदी वोटर्स ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 74.72 और पुरुषों का 74.53 फीसदी रहा। 23 सीटों में महिलाओं ने बंपर वोटिंग की।

अब तक हुई वोटिंग में यह एक नया रिकार्ड है। 2018 में 74.71% वोटिंग हुई थी। उस समय पुरुषों का मतदान प्रतिशत 73.80 और महिलाओं का 74.67 रहा था। इस बार भी यही ट्रेंड बरकरार है।

एक दिलचस्प तथ्य ये भी है कि प्रदेश में जब भी महिलाओं ने बंपर वोटिंग की है, तब-तब सत्ता बदली है।

2003, 2013 और 2018 में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा था। इसी कारण नतीजे भी चौंकाने वाले रहे थे।

2008 में महिलाओं का वोट प्रतिशत मामूली बढ़ा लेकिन ओवरऑल मतदान का प्रतिशत कम रहा। ऐसे में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। बीजेपी को 78 और कांग्रेस को 96 सीटें मिली थी। इस पर कांग्रेस ने बसपा और अन्य के सहयोग से सरकार बनाई थी।

प्रदेश में पिछले कुछ विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं का ट्रेंड देखें तो भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2018 में 189 महिला प्रत्याशी मैदान में थीं। इनमें से 24 यानी 12.6% प्रत्याशी चुनी गईं। जबकि पुरुषों का सफलता प्रतिशत 8.44% रहा।

2013 में महिला प्रत्याशियों का सफलता प्रतिशत 16.86% था। इस बार कांग्रेस ने 28 और बीजेपी ने 20 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं। यानी बीजेपी ने 10 और कांग्रेस ने 14 प्रतिशत महिलाओं को ही टिकट दिए हैं।

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो एक हजार पुरुष वोटर्स के अनुपात में महिला वोटर्स की संख्या में भी लगातार इजाफा हुआ है। 1972 में यह अनुपात 723 था, जो 1998 में 786 हो गया। 2003 में 841 से बढ़कर 2013 में 892 और 2018 में 914 पर पहुंच गया।

कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष योजनाएं लागू की।

कांग्रेस ने महिलाओं को मुफ्त मोबाइल फोन बांटे। चुनाव से पहले गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के तहत हर परिवार की महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपए देने की घोषणा की। 1.05 करोड़ परिवारों को 400 रुपए में गैस सिलेंडर, रोडवेज बसों में मुफ्त सफर जैसे वादे किए।

वही बीजेपी महिला आरक्षण बिल के साथ ही केंद्र सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्जवला योजना और महिला शक्ति केंद्र योजना के जरिए महिला मतदाताओं को लुभाती नजर आई।

प्रदेश के पहले विधानसभा चुनाव 1952 में एक भी महिला विधायक नहीं बन पाई थीं। दूसरे चुनाव में 9 महिलाएं चुनी गईं। इसके बाद हुए दो विधानसभा चुनावों में महिला विधायकों की संख्या घटती गई और 1967 में चौथे विधानसभा चुनाव में महिला विधायकों की संख्या महज 6 रह गई।

2008 और 2013 में प्रदेश में सबसे ज्यादा 28-28 महिलाएं विधायक चुनी गई। 2003 में प्रदेश में पहली बार मुख्यमंत्री, राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर महिलाएं थीं। हालांकि इस साल विधानसभा में महिलाओं की संख्या केवल 12 थी। 2018 में 15वीं विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 2013 की तुलना में पांच फीसदी कम थी।

लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का सफर बहुत धीमा रहा। हालांकि प्रदेश की पहली महिला विधायक 1953 में बांसवाड़ा सीट के लिए हुए उपचुनाव में चुनी गईं। ये पहली महिला विधायक यशोदा देवी थीं।

प्रदेश में 1951 से 15वीं विधानसभा चुनाव तक 1055 महिलाओं ने चुनाव लड़ा, जिसमें से 20 प्रतिशत महिलाएं ही चुनाव जीत सकीं। यानी 194 महिलाएं ही विधानसभा पहुंच सकीं।

प्रदेश में 2.51 करोड़ महिला वोटर्स हैं। यह कुल मतदाताओं का 48 प्रतिशत है। जबकि विधानसभा पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या इस मुकाबले में आधी भी नहीं है।

# कोटा में नीट स्टूडेंट ने किया सुसाइड

## एक साल पहले पश्चिम बंगाल से तैयारी के लिए आया था, कमरे में फंदे पर झूलता मिला

कोटा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा में नीट की तैयारी कर रहे एक और स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल का रहने वाला 19 साल का फोरिद एक साल पहले कोटा आया था और यहां रहकर कोचिंग की तैयारी कर रहा था। घटना के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।

घटना शहर के दादाबाड़ी थाना इलाके के वक्फ नगर में हुई। अभी शव को एमबीएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। वहीं सुसाइड के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

दिन में की थी कोचिंग अटेंड

थाना अधिकारी राजेश पाठक ने बताया कि फोरिद एक साल पहले जुलाई में पश्चिम बंगाल से कोटा आया था। वह वक्फ नगर के एक मकान में किराए पर रहता था। इस मकान में सभी स्टूडेंट पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। वहां के स्टूडेंट्स ने बताया कि फोरिद को चिंग अटेंड करके आया। इसके बाद लंच भी साथ में लिया।

शाम 7 बजे जब फोरिद कमरे से बाहर नहीं आया तो वहां रहने वाले अन्य स्टूडेंट्स ने उसे आवाज दी। जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक को सूचना दी, इस बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद कमरे का गेट तोड़ा गया, जहां फोरिद फंदे से झूल रहा था। इस पर उसे नजदीकी निजी हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

बुधवार, 29 नवंबर, 2023 14

सुविचार: मेहनत वो सुनहरी चाबी है, जो बंद भविष्य के दरवाजे, भी खोल देती है!

## शोर थमा है, जोर नहीं! दिन-रात दौड़ने, हाथ जोड़ने, मुंह चलाने वाले नेताओं के तन-मन की बात...

लहरी

## 2014 से बदलाव देखें फिर करें फैसला : केटीआर

राजन्ना सिरसिला, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलग राज्य आंदोलन के दौरान कई युवाओं की जान जाने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि तेलंगाना को गरीबी-ग्रस्त, सूखा-प्रवण और आत्महत्या-ग्रस्त राज्य को बदलने के लिए हासिल किया गया था। पिछले 9.5 वर्षों में, तेलंगाना की स्थलाकृति बदल गई थी। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, सूखी भूमि उपजाऊ हो गई और तेलंगाना अब धान उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ते हुए देश में अग्रणी बन गया है। उन्होंने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कोई कर्फ्यू नहीं था, बिजली कटौती नहीं थी, गरीबी और पलायन रुक गया था और दूसरे राज्यों के लोग हमारे खेतों में काम कर रहे थे। सरकार में बदलाव की मांग के कांग्रेस के अभियान पर पलटवार करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पूछा कि क्या तेलंगाना को ऐसी स्थिति की जरूरत है जहां हर छह महीने के लिए एक मुख्यमंत्री बदला जाए। क्या हमें 24 घंटे बिजली आपूर्ति या तीन घंटे बिजली आपूर्ति के दिन चाहिए? क्या तेलंगाना को सूखे हुए जल निकायों के उन दिनों की ज़रूरत है या गर्मी के दौरान भी क्षमता से भरे जलाशयों के साथ समृद्धि जारी रहेगी? रामा राव ने पूछा। बीआरएस के शासन के तहत, खेती लाभदायक हो गई और हर घर में पीने का पानी पहुंचाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के विपरीत, आज कोई किसान और बुनकर आत्महत्या नहीं कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि तेलंगाना के विकास के लिए अपने जुनून और प्रतिबद्धता के साथ, मुख्यमंत्री ने कई परियोजनाएं पूरी कीं जो असंभव लगती थीं और विकास और कल्याण की शुरुआत कीं। समझदारी से सोचो और फिर वोट करो। भविष्य और अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचें। आप हमारी ताकत हैं और आपको अपने वोट के माध्यम से कांग्रेस और भाजपा को एक उचित सबक सिखाना चाहिए, रामाराव ने कहा, पिछले 9.5 वर्षों से, बीआरएस सरकार बिना किसी भेदभाव या क्षेत्र-आधारित मुद्दों के कल्याण और विकास के लिए प्रयासरत है। किसान विरोधी नीतियों के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने खुले तौर पर घोषणा की है कि धरणी पोर्टल को समाप्त कर दिया जाएगा और एजेंट प्रणाली को बहाल किया जाएगा।

तेलंगाना 1022 गुरुकुल स्कूल और प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने वाला एकमात्र राज्य था। उन्होंने कहा कि आईटी नौकरियों के मामले में हैदराबाद ने बेंगलुरु को पीछे छोड़ दिया है और देश में 44 फीसदी तकनीकी नौकरियां हैदराबाद से पैदा हो रही हैं।

## कार्तिक पूर्णिमा कवि सम्मेलन चिल्कूर बालाजी मंदिर में संपन्न

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी के तत्वावधान में प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन गंगा स्नान एवं दान-पुण्य के पावन पर्व कार्तिक पूर्णिमा के दिन नगर से 20 कि.मी. दूर स्थित ऐतिहासिक चिल्कूर बालाजी मंदिर, गंडीपेट के किनारे संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और भाग्यनगर कावड़ा सेवा संघ के कोषाध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और संस्था द्वारा विशेषकर मंदिरों में होने वाले कवि सम्मेलनों के बारे में जानकारी दी। कवि अंजनी कुमार गोयल, उर्मिला वर्मा और राजेश सिंह वर्मा बतौर विशेष अतिथि मंच पर विचारजित थे। कार्यक्रम में आरंभ में माँ गंगा मय्या की पूजा की गयी और दीप विर्सजित किये गये। तत्पश्चात् विश्व-शांति, विश्व-बंधुत्व, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना के निमित्त चिल्कूर बालाजी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना का कार्यक्रम संपन्न होगा। यह कवि सम्मेलन गीत चाँदनी के वरिष्ठ कवि व संस्थापक कार्यदर्शी कीर्तिशेष नेहपाल सिंह वर्मा को समर्पित किया गया। कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों ने भक्ति, राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, और देश की वर्तमान समस्याओं पर अपने गीत, ग़ज़ल और नयी कविताओं के साथ-साथ हास्य-व्यंग्य कविताओं का पाठ किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में कवि गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, चंपालाल बैद, रेखा देवी वर्मा, अरुणधती कुलकर्णी, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल, रेणु अग्रवाल, शिव कुमार तिवारी कोहिरी, चंद्र प्रकाश दायमा, अनिल कुमार गुप्ता, प्रकाश राघव, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य आदि शामिल रहे।

## क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलंगाना की बैठक में कई निर्णय लिए गए

### विधवा, दिव्यांग पेंशन के साथ ही छात्रवृत्ति देने का फैसला

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलंगाना की कार्यकारिणी बैठक अध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलगाना के महासचिव रवि ठाकुर द्वारा बताया गया कि क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलंगाना के सभी केंद्रीय पदाधिकारीगण एवं क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलंगाना के मुख्य संरक्षक एवं पुलिस अधीक्षक (सेवानिवृत्त) गोकुल सिंह ने कार्यकारिणी बैठक में भाग लिया। बैठक में सर्वप्रथम कार्यसूची के ऊपर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। सर्वप्रथम नई क्षेत्रीय कार्य समिति शाखाओं को गठन करने की जानकारी दी गई। लेखा विवरण बैंक खातों के विवरण और स्कैनर के उपयोग एवं खाते में शेष राशि की जानकारी दी गई। तीर्थ दर्शन विभाग द्वारा तुलजापुर की यात्रा 14 दिसंबर गुरुवार को केंद्रीय समिति सदस्यों द्वारा होगी। दशहरा दीपावली क्षत्रिय महासम्मेलन 24 दिसम्बर रविवार को किया जाएगा। सदस्यता अभियान पूरी तरह से रिकॉर्ड स्तर पर चल रहा है, नए सदस्य बन रहे हैं। अगले महीने से हर महीने के दूसरे रविवार को शाम 4 बजे से शाम 6 बजे के बीच आयोजित किया जायेगा। पदाधिकारियों की बैठक प्रत्येक दूसरे रविवार को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच आयोजित होगी। सभी केंद्रीय और क्षेत्रीय कार्य समिति के सदस्य संबंधित जिलों और क्षेत्रों के मंडल राजस्व अधिकारियों और कलेक्टरों से मिलेंगे एवं क्षत्रिय राजपूत बोंदिली सभा तेलंगाना के द्वारा प्रदान की जाने वाली गतिविधियों सेवाओं के बारे में विवरण साझा करें। केंद्रीय समिति द्वारा रानी पद्मावती पेंशन योजना, महाराणा प्रताप छात्रवृत्ति योजना, पृथ्वीराज चौहान वैकुंठ धाम योजना जैसी योजनाओं का शुभारंभ किया गया। विधवा पेंशन 2500 रुपये वर्ष में दो बार, दिव्यांग पेंशन 3000 रुपये वर्ष में दो बार, छात्रवृत्ति 5000 रुपये वर्ष में एक बार, वैकुंठ धाम योजना 10 हजार रुपये उपलब्ध जरूरतमंद लोगों के लिए 365 दिन देने का निर्णय लिया गया है। बैठक में अध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र सिंह, मुख्य संरक्षक एवं पुलिस अधीक्षक(सेवानिवृत्त) गोकुल सिंह, कोषाध्यक्ष एवं महिला समिति अध्यक्ष शोभा सेंगर. उपाध्यक्ष गण मुरली सिंह चौहान, राम सिंह रघुवंशी, सचिव गण नीना सिंह चौहान, उमा सिंह, चंद्रायनगुट्टा चेयरमैन संगठन सचिव गण प्रदीप सिंह, रमेश सिंह, कल्याण सिंह ने भाग लिया।

## संत संगति से नास्तिक बना आस्तिक : साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, डीवी कोलोनी में विविध उपलब्धियों भरा चातुर्मास सम्पन्न कर साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने अपनी सहवर्तिनी साध्वियों के साथ मंगल विहार किया। विहार से पूर्व परम्परागत राजा प्रदेशी का उपदेशात्मक प्रेरणाप्रद आख्यान का साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने श्रवण करवाया। उन्होंने कहा कि सत्संगत का जीवन के रूपांतरण में विशेष योग मिलता है। गुरु कृपा से पांच महीने हमारा मंगल प्रवास रहा, सभी ने हमारे प्रवास का अच्छा लाभ लिया। सब से हमारा यही कहना है अध्यात्म के रंग में हमेशा रंग रहे। त्याग की चेतना का विकास होता रहे। आत्मकल्याण के लिए यथा संभव प्रयत्न करते रहें। राजा प्रदेशी एक क्रूर ,अत्याचारी हिंसक वृति वाला था, धर्म कर्म आत्मा में जिसे विश्वास नहीं था। केशी और राजा प्रदेशी में मध्य हुए प्रलम्ब वार्तालाप को सुनकर सम्पूर्ण परिषद् दत्तचित्त सी ही गई। एक नास्तिक अत्याचारी स्वभाव वाला व्यक्ति भी संत से प्रेरित होकर, यथार्थ का मूल्यांकन कर धार्मिक और सदाचारी बन गया। राजा की हर जिज्ञासा को समाहित कर केशी ने राजा प्रदेशी को प्रतिबोधित किया। संयम साधनामय जीवन व्यतीत कर राजा प्रदेशी आदर्श बन गया। श्रावक राजेन्द्र छाजेड ने साध्वी श्री जी को अठाई तप का प्रत्याख्यान कर तप का अमूल्य उपहार दिया। साध्वी सुदर्शन प्रभाजी ,साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी राजुल प्रभा जी, साध्वी चैतन्यप्रभा जी एवं साध्वी शौर्य प्रभा जी ने " जाते जाते तप का तोहफा मिल गया' गीत का सह संगान कर तप अनुमोदना की। साध्वी श्री जी के मंगल प्रस्थान में जन सैलाब उमड़ता जा रहा था। इस विहार यात्रा में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबुलाल जी बैद, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्र जी भंडारी की महनीय उपस्थिति रही।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/36/कम्प्युटराइजेशन/ओटी/2023-24, दि.28.11.2023

PUB/1297

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्नलिखित कार्य हेतु दि.19.12.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 1. ई-निविदा सं. ई-टेंडर नं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/36/कम्प्युटराइजेशन/ओटी /2023-24, इटेंडर नं. इ-एम-एससी-36-ओटी-2023-24,

**कार्य विवरणः** सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली रखरखाव विभागः पीआरएस डीआरडीसी से ब्राउनफील्ड डीआरडीसी टीयर-।।। उद्योग मानकों( इंडस्ट्री स्टैन्डर्ड्स) में अद्यतन (अपग्रेडिंग) करने के लिए एनओसी/एसओसी सहित डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर मेनेजमेन्ट सिस्टम(डीसीआयएम) की स्थापना करना।

**निविदा मूल्यः** रू.90,74,615.36, पृधराः रू.1,81,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः रू.शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, (एम), सिकंदराबाद

A1786

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SUB K RAMAN SWAMY, R/O:1-24-51, INDIRA NAGAR COLONY, VENKATAPURAM, SECUNDERABAD - 015, HAVE CHANGED MY SON'S NAME FROM HITESH TO R HITESH SWAMY VIDE AFFIDAVIT DT.28-11-2023 DULY SIGNED BY P RAVEENDRANATH, ADV.& NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## दीपावली मिलन सम्पन्न




हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा कार्तिक पूर्णिमा पर कोषाध्यक्षा रचना गुप्ता के निवास पर दीपावली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें सभी ने सामूहिक रूप से सुन्दरकाण्ड पाठ किया और अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम कार्यकारिणी सदस्य आशा पनवरिया, शशि, मीनाक्षी,श्वेता कतरौलिया, सुनीता गुप्ता, बीना आदि उपस्थित रही।

## दिवाली मिलन और अन्नकूट प्रसाद सम्पन्न




हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा का दिवाली मिलन और अन्नकूट प्रसाद का कार्यक्रम मारवाड़ी भवन मैदान खां चौक में संपन्न हुआ। आज यहां शाखा के सचिव पंकज गोयनका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दिवाली मिलन और अन्नकूट प्रसाद में बीजेपी प्रत्याशी श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल (चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र) ने भाग लिया और शाखा द्वारा उनका शॉल और दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा शाखा के नए सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

मंच का संचालन संजय अग्रवाल ने किया। शालीबंडा महिला शाखा और शाखा के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम के संयोजक राजू अग्रवाल और सह संयोजक सत्यनारायण गुलखंडिया तथा संजय अग्रवाल थे। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद संघी, सचिव पंकज गोयनका, संयुक्त सचिव राजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, के.एस.सदस्य उमेश अग्रवाल, आइपीपी महावीर प्रसाद डोकानिया, सलाहकार संजय अग्रवाल एंव कार्यकारिणी सदस्य नवनीत अग्रवाल,रोशन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सुभाषनगर स्थित स्व.कैलाश परिहार की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, मांगीलाल काग, सोहनलाल हाम्बड़, ओकाराम सोलंकी, प्रेम पंवार, महेन्द्र देवड़ा, नरेन्द्र परिहार, सोहनलाल परिहार, मांगीलाल पंवार व अन्य।

राजेंद्रनगर में बीजेपी प्रत्याशी टोकला श्रीनिवास रेड्डी के नेतृत्व में विशाल बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत हनुमान मंदिर से हुई। रैली में भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, प्रशंसक, दलित संघ के कार्यकर्ताओं और जन सेना के कार्यकर्ता शामिल रहे। इस रैली के माध्यम से टोकला श्रीनिवास ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया।

## मारवाड़ी-गुजराती स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्रि भवन काचीगुड़ा, हैदराबाद में अयोजित मारवाड़ी गुजराती स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रवाद विश्व के मंच पर भारत की प्रगति मतदान की अहमियत पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मारवारी- गुजराती समाज अपने कठिन परिश्रम के लिए जाना जाता है। ये लोग जहां जाते है, वहां का विकास खुद शुरू होता है। डॉक्टर सुधांशु ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत के नाम का डंका बज रहा है। उन्होंने भाजपा की सरकार बनाने में लोगों से मदद की अपील की। जिग्रेश दोशी, सतीश कुमार जाजू इस कार्यक्रम की सफलता में संस्कार जागरण मंच का विशेष योगदान के लिए आभार प्रकट किया।

चतुर्थ पुण्यतिथि



स्व.श्री भलारामजी काग

सुपुत्र: स्व.श्री कनारामजी काग

मरुधर मे धामली; स्वर्गवास: 29-11-2019

स्मरणकर आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते है।
सदैव रहे आर्शीवाद आपका, प्रभु से प्रार्थना करते है।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

भैराराम-भंवरीदेवी (पुत्र-पुत्रवधु), सुनिल (पौत्र),
दिनेश-शांतिदेवी (पौत्र-पौत्रवधु), ललिता-हेमंतजी आगलेचा (पौत्री-जंवाई)
प्रतीक (दिनेश), रियांश (सुनिल) (पड़पौत्र) एवं समस्त काग परिवार

: फर्म : जय भवानी इलेक्ट्रीकल्स एंड हार्डवेयर
रेडियो टॉवर के पास, मैन रोड़ हायतनगर 9490763858, 9032711759

P.Solankey

# अरुण धूमल बोले- लोकसभा चुनाव से आईपीएल करवाना इस बार चुनौती

## पर देश के बाहर नहीं होंगे मैच

धर्मशाला, 28 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट की पेशेवर टी-20 लीग आईपीएल के शेड्यूल को लेकर आईपीएल गवर्निंग असमंजस में है। देश में प्रस्तावित आम चुनाव इसकी वजह है। लोकसभा चुनाव के दौरान ही आईपीएल की अवधि पड़ रही है।

बीसीसीआई को आम चुनाव की घोषणा का इंतजार है। इसी आधार पर आईपीएल का शेड्यूल तैयार किया जाएगा। हालांकि, आम चुनाव के बीच आईपीएल चुनौती से कम नहीं होगा। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने देश में प्रस्तावित आम चुनाव से जुड़ीं मौजूदा परिस्थितियों को स्वीकार किया है। अरुण हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा के सिलसिले में धर्मशाला में थे। अमर उजाला से खास बातचीत में कहा कि आईपीएल की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। खिलाड़ियों की नीलामी का शेड्यूल दिसंबर का तय हो चुका है।

लेकिन, लीग मैचों के शेड्यूल के लिए निगाहें चुनाव आयोग पर टिकीं हैं। आम चुनाव के चलते आईपीएल को देश से बाहर ले जाने के सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अभी ऐसा कोई भी विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि आईपीएल के लिए इस बार सीमित विंडो (अवधि) ही उपलब्ध है। आधा मार्च इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज में निकल जाएगा।

जून में टी-20 विश्वकप है। ऐसे में आईपीएल को न आगे ले जा सकते हैं न पहले कर सकते हैं। अप्रैल-मई में ही इसे करवाना होगा। यही अवधि आम चुनाव की रहेगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महिला आईपीएल इस बार फरवरी में हो सकता है।बकौल अरुण धूमल विश्वकप के मैच कारोबार को पंख लगा गए। अब मार्च में इंग्लैंड और भारत के बीच प्रस्तावित टेस्ट मैच इस सिलसिले को आगे बढ़ाएगा।

### आईपीएल के अधिक मैच कराने के प्रयास

विश्व कप के बाद अब धर्मशाला में आईपीएल के अधिक से अधिक मैच करवाने के प्रयास रहेंगे। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के कुछ लीग मैच तो लगभग तय माने जा सकते हैं। इस बार कुछ अन्य फ्रेंचाइजी के के मैच भी धर्मशाला में करवाने के प्रयास रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स ने धर्मशाला स्टेडियम को लेकर रुचि दिखाई है।

### आउटफील्ड की नहीं आएगी शिकायत

अरुण धूमल ने कहा कि धर्मशाला स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा साबित हो चुका है। विश्व कप मैचों में आउटफील्ड को लेकर मिली शिकायत मौसम जनित थी। सितंबर तक भारी बारिश के चलते आउटफील्ड की घास बदलने का मौका ही नहीं मिल पाया। लगातार बारिश से विंटर ग्रास में थोड़ी नमी और फंगस आ गई थी। इसे लेकर देश और विदेश के विशेषज्ञों से सलाह ली गई है।

# मुंबई इंडियंस में खटपट शुरू! बिश्नोई ने मुंबई इंडियंस को किया अनफॉलो

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस में वापस आ गए हैं। पांड्या गुजरात टाइटंस के कप्तान थे, लेकिन मुंबई ने उन्हें अपनी टीम में ट्रेड कर लिया है। ऐसे में अब शुभमन गिल को गुजरात का कप्तान बना दिया गया है। इन सबके बीच अब मुंबई इंडियंस के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मुंबई इंडियंस को ट्विटर और इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। इससे क्रिकेट जगत में भूचाल आ गया है। फैंस तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं, फैंस को लग रहा है कि बुमराह और मुंबई इंडियंस के बीच सबकुछ ठीक नहीं है।

### बुमराह ने लगाई इंस्टा स्टोरी

जसप्रीत बुमराह ने ट्विटर और इंस्टाग्राम दोनों सोशल मीडिया हैंडल से बुमराह को अनफॉलो कर दिया है। बुमराह ने एक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी लगाया है, जिसमें लिखा है 'मौन कभी-कभी सर्वोत्तम उत्तर होता है'। इसका अर्थ हुआ कि कभी-कभी किसी सवाल का सबसे अच्छा जवाब होता है चुप रहना है। इससे साफ है कि बुमराह के मन में काफी कुछ चल रहा है। बुमराह जबरदस्ती चुप रहने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस में वापसी पर बुमराह खुश नहीं है। बुमराह नहीं चाहते थे कि पांड्या एमआई में लौटे, लेकिन अब पांड्या की ट्रेडिंग के बाद बुमराह नाराज हो गए हैं, इसलिए मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है।

### बुमराह के स्टोरी के कई संकेत

बुमराह ने एक और स्टोरी लगाया है, जिसमें लिखा हुआ है कि 'किसी चीज का लालची होना अच्छी बात है और वफादार होना अच्छी बात नहीं है' इसका अर्थ हुआ कि किसी चीज के लिए लालची होना अच्छी बात है, लेकिन किसी के लिए वफादार होना अच्छी बात नहीं है।

बुमराह का यह पोस्ट काफी कुछ बयां कर रहा है। बुमराह मुंबई इंडियंस के किसी फैसले से खुश नहीं है। ऐसे में कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस छोड़ सकते हैं। बुमराह का मुंबई को अनफॉलो करना इस बात की ओर चीख-चीख कर संकेत कर रहा है कि बुमराह एमआई से खुश नहीं हैं और कभी भी मुंबई से विदाई ले सकते हैं।

# राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप

## पंजाब और हरियाणा के बीच होगा फाइनल मैच

## तमिलनाडु-कर्नाटक की उम्मीदें टूटीं

चेन्नई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोलों की मदद से पंजाब ने राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में कर्नाटक को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हरमनप्रीत ने 39वें और 44वें मिनट में दो गोल किए। मिडफील्डर शमशेर सिंह ने चौथे ही मिनट में पंजाब के लिए पहला गोल किया था। इसके अलावा अन्य गोल सुखजीत सिंह (13वां मिनट) और आकाशदीप सिंह (45वां मिनट) ने किए। कर्नाटक का एकमात्र गोल बी अन्नाहन सुदेव (18वां मिनट) ने किया। पंजाब की फाइनल में टक्कर हरियाणा से होगी जिसने मेजबान तमिलनाडु को शूटआउट में 4-2 से हराया। निर्धारित 60 मिनट के समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। हरियाणा के लिए अभिषेक ने 41वें मिनट और तमिलनाडु के लिए बी पी सोमन्ना ने गोल किया था। शूटआउट में हरियाणा के लिए संजय, रजंत, अभिषेक और जोगिंदर सिंह ने गोल किए जबकि गोलकीपर पवन ने अच्छे बचाव किए।

पंजाब की फाइनल में टक्कर हरियाणा से होगी जिसने मेजबान तमिलनाडु को शूटआउट में 4-2 से हराया। निर्धारित 60 मिनट के समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। हरियाणा के लिए अभिषेक ने 41वें मिनट और तमिलनाडु के लिए बी पी सोमन्ना ने गोल किया था। शूटआउट में हरियाणा के लिए संजय, रजंत, अभिषेक और जोगिंदर सिंह ने गोल किए जबकि गोलकीपर पवन ने अच्छे बचाव किए।

# श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने रणसिंघे को बर्खास्त किया

## रोशन ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को किया था सस्पेंड; हरिन फर्नांडो को सौंपी गई जिम्मेदारी

स्पोर्ट्स डेस्क

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने खेल मंत्री रोशन रणसिंघे को बर्खास्त कर दिया। बता दें, वर्ल्ड कप 2023 में खराब प्रदर्शन के बाद रणसिंघे ने 6 नवंबर को पूरे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित कर दिया और विश्व विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा की अगुआई में अंतरिम समिति गठित कर दी थी।

इसके बाद अपील कोर्ट ने एक दिन बाद एसएलसी को बहाल कर दिया था। रोशन रणसिंघे के बाहर होने से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा एसएलसी के निलंबन को हटाने में आसानी हो सकती है, हालांकि यह निश्चित नहीं है।

### रोशन ने संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ आरोप लगाए

पर्यटन एवं भूमि मंत्री हरिन फर्नांडो को रोशन की जगह खेल एवं युवा मामले की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले, रोशन

ने संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि देश के क्रिकेट प्रशासन में भ्रष्टाचार उजागर करने के कारण उनकी जान को खतरा है।

### खेल मंत्री ने बोर्ड को बर्खास्त किया था

वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रोशन ने 6 नवंबर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को

### श्रीलंका का इस वर्ल्ड कप में सफर

| तारीख | Vs | वेन्यू | रिजल्ट |
|---|---|---|---|
| 7 अक्टूबर | सा. अफ्रीका | दिल्ली | 102 रन से हारा |
| 10 अक्टूबर | पाकिस्तान | हैदराबाद | 6 विकेट से हारा |
| 16 अक्टूबर | ऑस्ट्रेलिया | लखनऊ | 5 विकेट से हारा |
| 21 अक्टूबर | नीदरलैंड | लखनऊ | 5 विकेट से जीता |
| 26 अक्टूबर | इंग्लैंड | बेंगलुरु | 8 विकेट से जीता |
| 30 अक्टूबर | अफगानिस्तान | पूणे | 7 विकेट से हारा |
| 2 नवंबर | भारत | मुंबई | 302 रन से हारा |
| 6 नवंबर | बांग्लादेश | दिल्ली | 3 विकेट से हारा |
| 9 नवंबर | न्यूजीलैंड | बेंगलुरु | 5 विकेट से हारा |

बर्खास्त कर दिया था। श्रीलंका क्रिकेट के लिए एक अंतरिम बोर्ड का गठन भी किया था। खेल मंत्री रोशन रणसिंघे के कार्यालय ने एक बयान में कहा था कि, 'देश के 1996 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।' इसके बाद अपील कोर्ट ने एक दिन बाद एसएलसी को बहाल कर दिया था।

बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए थे

बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे थे। इससे पहले, भारत से मिली हार के बाद खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने 3 नवंबर के अपने एक बयान में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को देशद्रोही और भ्रष्ट कहा था। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से इस्तीफा देने की मांग की थी। इसके बाद, श्रीलंका क्रिकेट के सचिव मोहन डी सिल्वा ने 4 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

# गोल्फ़ : अदिति ने सत्र का अपना दूसरा यूरोपीय टूर खिताब जीता, दीक्षा सातवें स्थान पर रहीं

मार्बेला, 28 नवंबर (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं अदिति ने मौजूदा सत्र में केन्या में भी खिताब जीता था। भारत की ही दीक्षा डागर (67) 10 अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहीं।

भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने अंतिम दौर में बोगी रहित प्रदर्शन करते हुए एंडालूसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डि एस्पाना टूर्नामेंट जीता, जो सत्र का उनका दूसरा लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) खिताब है।

अदिति ने अंतिम दौर में 66 के स्कोर से कुल 17 अंडर का स्कोर बनाया। उन्होंने रविवार को नीदरलैंड की एने वान डैम (68) को दो शॉट से हराया। यह अदिति का मौजूदा सत्र का दूसरा और कॅरिअर का पांचवां एलईटी खिताब है।

टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं अदिति ने मौजूदा सत्र में केन्या में भी खिताब जीता था। भारत की ही दीक्षा डागर (67) 10 अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहीं। मौजूदा सत्र में सिर्फ आठ प्रतियोगिताएं खेलने वालीं अदिति रेस टू कोस्टा डेल सोल रैंकिंग में चौथे जबकि दीक्षा तीसरे स्थान पर रहीं। रेस टू कोस्टा डेल सोल रैंकिंग में त्रिचाट चेंग्लाब शीर्ष पर रहीं।

# राष्ट्रीय शूटिंग: सिफ्त का 50 मीटर राइफल प्रोन में दबदबा, शिवा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड

प्रोन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज सिफ्त कौर सामरा ने यहां चल रही 66वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी में महिलाओं की 50 मीटर राइफल श्री प्रोन स्पर्धा में शीर्ष पर रहकर फिनिश किया। श्री पोजीशन में भारत की नंबर एक निशानेबाज ने 627.3 का स्कोर किया और वह ओडिशा की श्रीयंका सदांगी (624.7) से आगे रहीं। तीसरा स्थान राजस्थान की मानिनी कौशिक को मिला। सामरा ने पंजाब के लिए टीम

स्पर्धा में अंजुम मौदगिल और वनिष्का शाही के साथ स्वर्ण पदक जीता।

सितंबर में सामरा ने एशियाई खेलों में 469.6 के साथ विश्व और गेम्स रिकॉर्ड बनाया। मध्यप्रदेश की बंधवी सिंह और हरियाणा की निश्छल ने सिविलयन और जूनियर खिताब जीते।

पैरा नेशनल में हरियाणा के दीपक सैनी ने 50 मीटर राइफल प्रोन मिश्रित एसएच-1 में 602.7 के साथ सीनियर खिताब जीता। उधर भोपाल में पिस्टल स्पर्धा में शिवा नरवाल ने जूनियर 25 मीटर स्पर्धा में 590 के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया।

# शुभमन गिल गुजरात टाइटंस के कप्तान: हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल होंगे। फ्रेंचाइजी ने इसका ऐलान किया। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के टीम छोड़ने की वजह से यह बदलाव हुआ है।

हार्दिक अगले सीजन में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते नजर आएंगे। एमआई ने भी इसकी आधिकारिक घोषणा आज सोशल मीडिया पर की। वहीं, ।

एमआई ने कैमरून ग्रीन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से ट्रेड कर दिया है।

गिल आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे। गिल ने 7 मैचों में 59.33 की औसत से 890 रन बनाए थे। 24 साल के गिल ने साल 2018 में आईपीएल डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक कुल 91 मैचों में 2790 रन बनाए हैं।

गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल में पहली बार 2022 सीजन में उतरी। टीम ने हार्दिक की

कप्तानी में पहले सीजन में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 2023 के सीजन में भी गुजरात टीम फाइनल में पहुंची, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। इतनी कामयाबी के बावजूद गुजरात की टीम और पंड्या का साथ छूटना फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स को हैरान कर रहा है।

हार्दिक ने आईपीएल के पिछले दो सीजन में अपनी कप्तानी क्षमता साबित कर दी है। साथ ही वे भारत की व्हाइट बॉल टीम के भी अगले रेगुलर कप्तान के तौर पर देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक को टीम का कप्तान बना सकती है।

हालांकि रोहित शर्मा से कप्तानी छीनने का फैसला आसान नहीं होगा। रोहित ने मुंबई को पांच बार चैंपियन बनाया है। हाल ही में खत्म हुए वनडे वर्ल्ड कप में भी उनकी कप्तानी की जमकर तारीफ हुई है।

# रोड्रिगो के दो गोल से रियल मैड्रिड जीता

## स्पेनिश लीग में शीर्ष पर; इंटर ने युवेंटस को बराबरी पर रोका

खेलडेस्क, 28 नवंबर (एजेंसियां)। चैंपियन बार्सिलोना रेयो वालेकानो से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चौथे स्थान पर बना हुआ है। लीग में सेविला का जीत का इंतजार सात मैच में पहुंच गया है। टीम को रीयाल सोसीदाद के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

रोड्रिगो के दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड रविवार को कैडिज को 3-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग में शीर्ष पर पहुंच गया। रोड्रिगो ने 14वें और 64वें मिनट में गोल दागे। रोड्रिगो ने इसके अलावा ज्यूड बेलिंघम के 74वें मिनट में दागे गए गोल में मदद भी की। इस जीत से मैड्रिड अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उसने गिरोना पर एक अंक की बढ़त बना ली है जो एथलेटिक बिलबाओ की मेजबानी करेगा। मैड्रिड तीसरे स्थान पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे है जिसने शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर मालोर्का को 1-0

से हराया। मैच का एकमात्र गोल एंटोनी ग्रिजमैन ने किया।

गत चैंपियन बार्सिलोना शनिवार को रेयो वालेकानो से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चौथे स्थान पर बना हुआ है। लीग में सेविला का जीत का इंतजार सात मैच में पहुंच गया है। टीम को रीयाल सोसीदाद के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। विलारीयाल ने जोस लुई मोरालेस की दूसरे हाफ में लगाई हैट्रिक की बदौलत ओसासुना को 3-1 से हराया।

लॉटेरो मार्टिनेज के गोल की बदौलत इंटर मिलान ने सिरी ए फुटबॉल लीग में दूसरे स्थान पर चल रहे युवेंटस को रविवार को यहां 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। डुआन व्लाहोविच के गोल की मदद से युवेंटस ने बढ़त बनाई लेकिन मार्टिनेज ने लीग सत्र का 13वां गोल दागते हुए अपनी टीम को हार से बचा लिया। इस ड्रॉ के बावजूद इंटर की टीम शीर्ष पर बनी हुई है। उसने दूसरे स्थान पर चल रहे युवेंटस पर दो अंक की बढ़त बरकरार रखी है।

तीसरे स्थान पर चल रहा एसी मिलान शीर्ष पर चल रहे शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी इंटर मिलान से छह अंक पीछे है जबकि गत चैंपियन नेपोली उससे भी दो अंक पीछे चौथे पायदान पर है। अन्य मुकाबलों में रोमा ने उडिनेसे को 3-1 से हराया जबकि सासुओलो ने इंटरी टाइम में दागे गोल की बदौलत एंपोली को 4-3 से शिकस्त दी। फ्रोसिनन ने जिनोआ को 2-1 से हराया।

# 30 को मतदान होने के साथ ही चुनाव प्रचार समाप्त : विकास राज

## बीआरएस की तीसरी बार सत्ता बरकरार करने की कोशिश, कांग्रेस किला फतह करने में जुटी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार का सबसे लंबा दौर मंगलवार शाम पांच बजे तेलंगाना में समाप्त हो गया। इसके साथ ही लाउडस्पीकर खामोश हो गए और रैलियां समाप्त हो गईं। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा, शाम के 5 बजे हैं और मौन काल शुरू हो गया है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा विभिन्न प्रतिबंध लगाए गए हैं। पिछले 48 घंटों में मतदाताओं को चीजों पर विचार करने और निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मूल रूप से शांत समय दिया गया।'' चुनाव आयोग द्वारा 9 अक्टूबर को कार्यक्रम की घोषणा के बाद राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। राज्य में 3.26 करोड़ पात्र मतदाता हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए 2.5 लाख से अधिक कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में लगेंगे। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी। तेलंगाना में पहली बार, विकलांग व्यक्तियों और 80

वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की गई। 9 अक्टूबर को राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से 28 नवंबर तक कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने राज्य में लगभग 737 करोड़ रुपये की नकदी, सोना, शराब, सामान जब्त किया है। चुनाव आयोग ने आईटी फर्म सहित सभी निजी प्रतिष्ठानों को 30 नवंबर को छुट्टी घोषित करने का आदेश दिया है ताकि कर्मचारी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। गौरतलब है कि बीआरएस ने सभी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीट बंटवारे के समझौते के अनुसार, भाजपा और जन सेना क्रमशः 111 और 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने सहयोगी सीपीआई (एम) को एक सीट दी है। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने शहर में नौ क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए हैं। बीआरएस लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस उससे सत्ता छीनने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है।

सत्ता तक पहुंचने के लिए बीजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। आगामी चुनावों के लिए कम से कम 2,290 प्रतियोगी मैदान में हैं, जिनमें बीआरएस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री केसीआर केसीआर दो क्षेत्रों- गजवेल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ रहे हैं और रेवंत रेड्डी कोडंगल और कामारेड्डी से भी चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने अपने विधायक इटेला राजेंदर को हुजूराबाद के अलावा गजवेल से मैदान में उतारा, जहां वह मौजूदा विधायक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान के दौरान कई सभाओं को संबोधित किया, इसके अलावा सोमवार को भारी धूमधाम के बीच हैदराबाद में एक रोड शो किया, जबकि केसीआर ने 96 चुनावी रैलियों में भाग लिया। पीएम मोदी के अलावा, राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। बीआरएस अभियान पिछली कांग्रेस सरकार की विफलताओं और किसानों और महिलाओं के लिए चल रहे कल्याणकारी उपायों पर केंद्रित था।

राव ने तेलंगाना राज्य का दर्जा हासिल करने के लिए अपने संघर्ष पर भी प्रकाश डाला। कांग्रेस ने मुख्य रूप से बीआरएस सरकार की "छह गारंटी" पर प्रकाश डालते हुए उसके कथित भ्रष्टाचार पर ध्यान केंद्रित किया। भगवा पार्टी के अभियान ने "डबल इंजन सरकार" की आवश्यकता पर जोर दिया और केसीआर के "परिवार शासन" और कथित भ्रष्टाचार की ओर इशारा किया।

# तलसानी के समर्थकों ने निकाली बाइक रैली, तीसरी बार जीतने का दावा

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनत नगर विधायक उम्मीदवार और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने खुलासा किया है कि वह तीसरी बार भारी बहुमत से जीतेंगे और हैट्रिक हासिल करेंगे। मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में विशाल बाइक रैली निकाली गयी। उन्होंने पद्मराव नगर स्थित बीआरएस पार्टी कार्यालय से रैली की शुरुआत की। रैली मुशीराबाद, कृष्णा नगर कॉलोनी, गांधी नगर पुलिस स्टेशन, जब्बार कॉम्प्लेक्स, सिटी लाइट होटल, मोंडा मार्केट, महानकाली मंदिर, मंत्री रोड, रसूल पुरा, पतिगड्डा, प्रकाश नगर, बेगमपेट, ग्रीन पार्क होटल, कनकदुर्गम्मा मंदिर, सत्यम थिएटर, एसआर नगर रैली कम्युनिटी हॉल, बालकमपेट मंदिर, फतेह नगर फ्लाईओवर, सनत नगर बस स्टॉप और ज़ेके

कॉलोनी तक जारी रही। रैली में करीब 5 किलोमीटर तक बाइकें चलीं। मंत्री ने ओपन टॉप प्रचार रथ पर खड़े होकर लोगों का अभिवादन किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ साल में विकास के मामले में काफी पिछड़े सनतनगर विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्यक्रम किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सड़कों को सीसी रोड के रूप में विकसित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जल निकासी व्यवस्था में सुधार किया गया है ताकि सीवेज सड़कों पर न बहे और मैनहोल लीकेज से मुक्त रहें। उन्होंने कहा कि जलाशयों के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों की पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने याद दिलाया कि 45 करोड़ रुपये की लागत से बेगमपेट नहर का विकास कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी पार्टियां चाहे कितनी भी गपशप कर लें लोग यकीन करने की स्थिति में नहीं हैं।

कार्यक्रम में तलसानी साई किरण यादव, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र बीआरएस पार्टी के प्रभारी, पार्षद कोलाना लक्ष्मी बाल रेड्डी, कुर्मा हेमलता लक्ष्मीपति, टी. माहेश्वरी श्रीहरि, पूर्व पार्षद अथिली अरुणा श्रीनिवास गौड़, नमना सेशुकुमारी, अकुला रूपा हरिकृष्णा, मंडल अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार गौड़ , वेंकटेश राजू, अथिली श्रीनिवास गौड़, अकुला हरिकृष्णा, श्रीनिवास गौड़, हनमंथा राव, थलसानी स्काईलैब यादव, तलसानी धर्मेंद्र यादव, थलसानी महेश यादव और अन्य ने भाग लिया।

# जनसेवा में पीछे नहीं रहूंगा, वोट का कर्ज चुकाऊंगा : कूना श्रीशैलम गौड़

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुतबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, कुतबुल्लापुर के भाजपा उम्मीदवार कुना श्रीशैलम गौड़ ने आज जेडीमेटला डिवीजन में मीनाक्षी एस्टेट, स्प्रिंग फील्ड कॉलोनी, प्रागा कॉलोनी और जगदगिरिगुट्टा डिवीजन में बिरप्पा, नगर, संजय पुरी कॉलोनी, देवम्मा बस्ती कॉलोनी में प्रचार किया। इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव में उन्होंने कमल के निशान पर मतदाताओं से मत देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस उम्मीदवार कुतबुल्लापुर में भाजपा के वोटों को विभाजित करने के लिए नाटक कर रहे हैं और चुनाव के बाद बीआरएस और कांग्रेस पार्टियां एकजुट हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगर कुतबुल्लापुर का विकास करना है तो बीजेपी को वोट दें और उन्हें जिताएं। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी का अपने वादों को पूरा न करने का इतिहास रहा है और अगर हम फिर से केसीआर पर विश्वास करते हैं, तो यह एक आपदा होगी। उन्होंने कहा कि कुतबुल्लापुर में दिहाड़ी मजदूरों और कामगारों के लिए एक विशेष कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाएगी और उनके विकास में सहयोग किया जाएगा. उन्होंने कहा कि बीआरएस विधायक ने लोगों के कल्याण को किनारे रख दिया है और उनका लक्ष्य हड़पना, लूटना, लूटना और छिपना है। जब मैंने उनसे सार्वजनिक मुद्दों के बारे में सवाल किया तो कुतबुल्लापुर बीआरएस उम्मीदवार ने मुझ पर खुलेआम हमला किया। कुतबुल्लापुर के लोग एक पल के लिए सोचें कि राज्य के सभी वर्गों के लोग आपके फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अगर ऐसा उपद्रवी विधायक दोबारा जीतेगा तो गरीब जनता पर बिना देखे हमला कर देगा। मुझे नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद है। मैं आपके पीछे रहूंगा। चुनाव में मुझे आशीर्वाद दें और मुझे विधायक के रूप में जिताएं। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. एस मल्लारेड्डी, स्थानीय नेता जेके शेखर यादव, पुन्ना रेड्डी, बलराम, साईनाथ नेता आदि शामिल रहे।

## मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार रखी जाए : नितेश कुमार व्यास

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप चुनाव आयुक्त नितेश कुमार व्यास ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र चुनाव के तहत इस महीने की 30 तारीख को होने वाले मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं की जाएं। मंगलवार को दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के सभी जिलों के चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय उप निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि इस माह की 30 तारीख को होने वाले मतदान कार्यक्रम के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि काया जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न कराया जा सके, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला कलक्टर बोरकडे हेमन्त सहदेव राव, एस. पी सुरेश कुमार के साथ शामिल हुए। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले के 001-सिरपुर और 005-आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले आम चुनाव के लिए वे पूरी तैयारियों के साथ तैयार हैं।

## बीआरएस उम्मीदवार ने चुनाव में हारने पर आत्महत्या की धमकी दी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी तनाव अपने चरम पर पहुंचने के साथ, हुजूराबाद से बीआरएस उम्मीदवार पाडी कौशिक रेड्डी ने कहा कि अगर वह तेलंगाना विधानसभा चुनाव हार गए तो वह आत्महत्या कर लेंगे। चुनाव प्रचार समाप्त होने में कुछ ही घंटे बचे थे। ऐसे में बीआरएस उम्मीदवार ने ये नाटकीय बयान तब दिया जब वह निर्वाचन क्षेत्र में लोगों से उनके लिए वोट करने की अपील कर रहे थे। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें कौशिक रेड्डी को यह कहते हुए सुना जा सकता है: "मतदाताओं को यह तय करना होगा कि 3 दिसंबर के बाद मेरी यात्रा विजय यात्रा (विजय मार्च) होगी या शवयात्रा (अंतिम संस्कार जुलूस)।" मतदाताओं से अपील करने के कौशिक रेड्डी के तरीके की उनके विरोधियों ने आलोचना की है, जिन्होंने कथित तौर पर कहा है कि बीआरएस नेता मतदाताओं को उनके पक्ष में वोट करने के लिए मजबूर करने के लिए धमकी दे रहे थे।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन खैरताबाद क्षेत्र में रैली का अयोजन किया गया। रैली में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रैली में खैरताबाद उम्मेदवार चिंतला रामचन्द्र रेड्डी ने सभी से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की।

## हैदराबाद ब्लैकबर्ड्स चेन्नई में आईआरएल में हिस्सा लेगी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ब्लैकबर्ड्स 1 से 17 दिसंबर तक चेन्नई में शुरू होने वाले इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के दूसरे दौर में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी अखिलेश रेड्डी ने कहा कि अपने एफ4 समकक्ष के विपरीत, इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) कार और टीम चैम्पियनशिप के साथ एक विशिष्ट चैम्पियनशिप प्रारूप पेश करता है। आईआरएल में, व्यक्तिगत ड्राइवरों के बजाय टीमों के सामूहिक प्रदर्शन पर जोर देते हुए, कार नंबर के आधार पर अंक दिए जाते हैं। हाई-स्पीड एक्शन और रणनीतिक टीम की गतिशीलता का मिश्रण प्रशंसकों और प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करता है। हमारा लक्ष्य भारत में एक जीवंत मोटरस्पोर्ट्स संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे युवा प्रतिभाओं के लिए वैश्विक मंच पर चमकने के अवसर पैदा हों, लीग के दूसरे सीज़न में भाग लेने वाली अन्य टीमें स्पीड डेमन्स दिल्ली, चेन्नई टर्बोराइडर्स, गॉडस्पीड कोच्चि, गोवा एसेस और बैंगलोर स्पीडस्टर्स हैं। जैसा कि रेसिंग समुदाय उत्सुकता से गर्जन वाले इंजनों और तेज़ टायरों का इंतज़ार करता है, आईआरएल दर्शकों को लुभाने और भारत में मोटरस्पोर्ट्स परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

## सीपी ने जुड़वां शहरों में निषेधाज्ञा जारी की

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 30 नवंबर, 2023 को हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में होने वाले तेलंगाना राज्य विधान सभा के आम चुनावों के मद्देनजर, शहर के पुलिस आयुक्त संदीप शांडिल्य ने स्थिति की समीक्षा की और 30 नवंबर को मतदान बंद होने से पहले पिछले 48 घंटों में हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में सार्वजनिक व्यवस्था, शांति और शांति बनाए रखने की दृष्टि से निम्नलिखित निषेधाज्ञा आदेश जारी किए गए। पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने और किसी भी प्रकार के जुलूस पर रोक लगायें, झंडों के साथ या बिना लाठियां, लाठियां, आग्नेयास्त्र या कोई अन्य हथियार ले जाने पर रोक लगाएं, जिनका उपयोग जुलूसों, बड़ी सभाओं में व्यक्तियों द्वारा अपराध या बचाव के लिए हथियार के रूप में किया जा सकता है।

# रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया सम्पन्न

निर्मल, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सांगवान ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान केन्द्रों के तृतीय रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया सामान्य पर्यवेक्षक रवि रंजन कुमार विक्रम के. गोपाल कृष्ण की देखरेख में सम्पन्न हुई। पीठासीन सहायक पीठासीन अधिकारियों से लेकर चुनाव कर्मचारियों का तृतीय रेंडमाइजेशन जिला कलक्ट्रेट मिनी मीटिंग हॉल में किया गया। प्रक्रिया पूरी हो गई है और स्क्रीन के माध्यम से दिखाई गई है। जिले के निर्मल, मुधोल और खानापुर निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में चुनाव कर्तव्यों का संचालन करने वाले पीठासीन सहायक पीठासीन माइक्रो पर्यवेक्षक (रैंडम) आवंटित किए गए हैं। उस कर्मचारी को तीन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान केंद्रों को सौंपा गया है और सौंपे गए कर्मचारियों का विवरण एक शील्ड कवर में तीन निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को भेजा गया है। इस कार्यक्रम में संबंधित स्टाफ एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

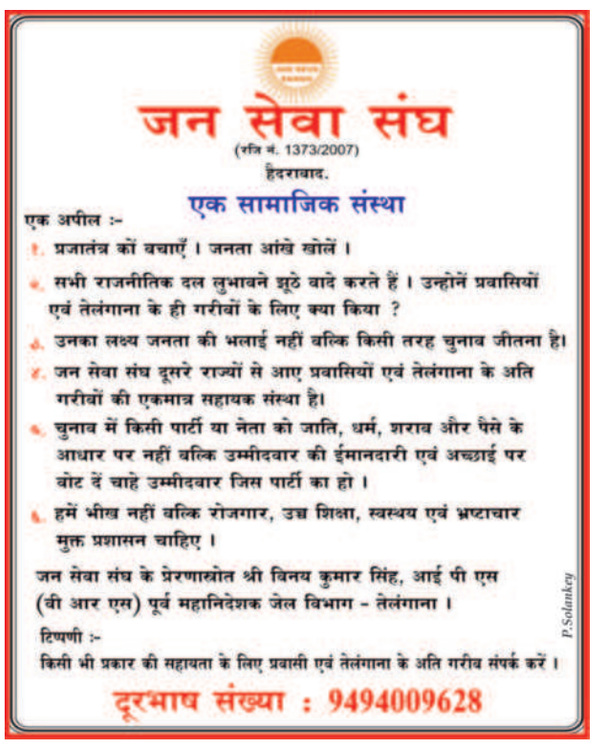



Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.